Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 24 March 2024 ● Year : 02 ● Issue : 67 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जिसने कभी कोई शत्रु नहीं बनाया, उसका कोई मित्र भी नहीं बनता है।

टेनिसन

संजय लीला भंसाली की फिल्म में आएंगी... 12

SHARE

संसेक्स	:	72,831.94
निफ्टी	:	22,096.75

SARAFA

सोना	:	6,285
चांदी	:	80.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

माह-ए-रमजान

इफ्तार (रविवार) : 06.06

सेहरी (सोमवार) : 04.35

BRIEF NEWS

केरल सरकार राष्ट्रपति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची

THIRUVANANTHAPURAM : केरल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति के खिलाफ अर्जी लगाई है। इसमें कहा गया है कि वे 4 लंबित बिलों को मंजूरी नहीं दे रही हैं। इन विधेयकों को राज्य विधानसभा पास कर चुकी है। केरल सरकार ने याचिका में जिन 4 बिलों को जिक्र किया है, उनमें यूनिवर्सिटी लॉज (अमेंडमेंट) (नंबर 2) बिल 2021, द केरल सरकार को-ऑपरेटिव सोसाइटीज (संशोधन) बिल 2022, द यूनिवर्सिटी लॉज (अमेंडमेंट) बिल 2022 और द यूनिवर्सिटी लॉज (अमेंडमेंट) (नंबर 3) बिल 2022 हैं। केरल सरकार ने ये भी कहा है कि बिना कोई कारण बताए इन बिलों को असंवैधानिक करार दे दिया गया है।

पंजाब में जहरीली शराब से चार दिन में 20 मौतें

SANGRUR : पंजाब में जहरीली शराब पीने से चार दिन में 20 लोगों की मौत हो गई। ज्यादातर लोगों की मौत संगरूर में हुई। पटियाला जिले में भी कुछ लोगों ने दम तोड़ा है। मंगलवार रात शुरू हुआ मौतों का सिलसिला शनिवार तक जारी रहा। दो दर्जन से ज्यादा लोग अभी भी संगरूर और पटियाला के अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से कुछ की हालत गंभीर है। इस पूरी घटना की जांच के लिए पंजाब पुलिस के एडीजीपी गुरिंदर ढिल्लों की अगुआई में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई है।

बेंगलुरु कैफे ब्लास्ट के 2 संदिग्धों की हुई पहचान

BENGALURU : बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने संदिग्ध की पहचान कर ली है। आरोपी का नाम मुसाविर हुसैन शाजिब है। वह कर्नाटक के तीर्थहल्ली जिले के शिवमोग्गा का रहने वाला है। जांच एजेंसी ने शाजिब के एक और साथी की पहचान की है। उसका नाम अब्दुल मतीन ताहा है। ताहा तमिलनाडु पुलिस इंस्पेक्टर के विल्सन की हत्या के लिए वांटेड था और चेन्नई में मुख्य संदिग्ध के साथ रहा था। एनआईए के मुताबिक, शाजिब और ताहा दोनों ही आईएसआईएस मॉड्यूल का हिस्सा थे। इसकी पुष्टि मॉड्यूल के सदस्यों ने भी की थी।

रांची पुलिस के सारे दावे खोखले, पॉश इलाके में हत्या

मेन रोड में कुख्यात अपराधी को ताबड़तोड़ मारी दो गोलियां

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची में शनिवार की दोपहर साढ़े तीन बजे अपराधियों ने डेली मार्केट थाना क्षेत्र स्थित चर्च रोड कपड़ा मार्केट में कुख्यात अपराधी और जमीन कारोबारी बजुद्दीन उर्फ छोटू रंगसाज की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मृतक को दो गोली लगी है। पुलिस का कहना है कि बजुद्दीन नामकुम थाना क्षेत्र स्थित मौलाना आजार कालोनी में रहता था। बजुद्दीन अपने परिवार के साथ ईद की खरीदारी करने के लिए मेन रोड़ पहुंचा था। छोटू खरीदारी कर रहा था तभी बाइक पर सवार दो अपराधी पहुंचे और तबातोड़ गोली चलाने लनगे। छोटू को गोली मारने के बाद दोनों अपराधी पिस्टल लहराते हुए फरार हो गए। दोनों अपराधियों के हाथ में हथियार देखकर कोई भी सामने नहीं आया। घटना की सूचना पाकर सिटी एसपी,कोतवाली डीएसपी और अन्य अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे। मृतक की पत्नी ने पुलिस को बयान दिया है कि इस हत्याकांड के पीछे साबिर और मिंटु का हाथ हो सकता है। मृतक का इनके साथ विवाद चल रहा था। पुलिस साबिर और मिंटु की तलाश में छापेमारी कर रही है। इधर, कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एसएसपी ने डेली मार्केट थानेदार को सस्पेंड कर दिया है।

अपराधी हथियार लहराते हुए फरार, डेली मार्केट थानेदार सस्पेंड

- मृतक के खिलाफ गढ़वा और पलामू में दर्जनों हत्या, लूट समेत तीस मामले हैं दर्ज
- सिटी एसपी के नेतृत्व में हुआ एसआइटी का गठन, एसएसपी ने अपराधियों को पकड़ने का दिया आदेश
- फ्लैग मार्च होते ही अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम,पत्नी ने दो लोगों पर जताया शक

मृतक के घर के बाहर जुटी भीड़, मेन रोड में पसरा खून (लाल घेरे में) व बजुद्दीन उर्फ छोटू रंगसाज की फाइल फोटो।

एक तरफ चल रहा था फ्लैग मार्च दूसरी ओर हो गई दिनदहाड़े हत्या

मेन रोड में एक तरफ रांची पुलिस के द्वारा फ्लैग मार्च किया जा रहा था। पुलिसकर्मी लोगों से अपील कर रहे थे कि वह अपने इलाके में शांति से होली पर्व मनाएं। किसी प्रकार की कोई सूचना हो तो वह तुरंत सिटी कंट्रोल रूम को दें। किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं दें। शांति व्यवस्था बनाएं रखें। पुलिस चर्च रोड़ से आगे बढ़ी तो कुछ ही देर के बाद अपराधियों ने घटना को अंजाम दे दिया। अपराधियों ने पुलिस को खुली चुनौती दी है। पुलिस का कहना है कि घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी का फुटेज खंगाला गया है। फुटेज में दोनों अपराधियों को देखा गया है। फुटेज से अपराधियों का फोटो निकाला गया है। फोटो के आधार पर अपराधियों तक पहुंचने प्रयास किया जा रहा है।

गढ़वा-पलामू में मृतक का था आतंक

रांची पुलिस का कहना है कि मृतक के बारे में जानकारी ली गई तो पता चला कि वह रांची में छिप कर रहा था। गढ़वा पुलिस को मृतक छोटू की तलाश थी। गढ़वा और पलामू में छोटू का आतंक था। छोटू गढ़वा और पलामू में दिन दहाड़े कई लोगों की हत्या कर चुका है। पुलिस ने छोटू को जेल भी भेजा था। छोटू जमानत पर बाहर निकला था। पुलिस को सूचना मिली है कि छोटू वारंटी था। वह फरार चल रहा था। पुलिस इसका सत्यापन कर रही है। पुलिस का कहना है कि मृतक छोटू ने गढ़वा में बस स्टैंड में शैलेश केसरी और कईल दुबे को दिन दहाड़े गोली मारा था। शैलेश की मौत हो गई थी।पलामू में उसने कारु सिंह की हत्या की थी। छोटू सुपारी लेकर लोगों की हत्या करता था। छोटू के गिरोह में कई लोग हैं। जो अभी भी बाहर हैं। छोटू पिछले तीस साल से आपराधिक घटनाओं को अंजमा दे रहा है। कई वर्ष पहले छोटू ने एक नक्सलियों से लड़ने के लिए एक सेना तैयार किया था। लेकिन बार में वह अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने लगा।

चप्पे-चप्पे पर थी पुलिस की तैनाती, फिर भी मर्डर

होली पर्व को देखते हुए राजधानी में चप्पे चप्पे पर पुलिसकर्मी तैनात हैं। इसके अलावा ट्रैफिक पोस्ट पर भी पुलिसकर्मी मौजूद हैं। इसके बाद भी दोनों अपराधी हथियार लहराते हुए आसानी से फरार हो गए और पुलिस को भनक तक नहीं लगी। पलामू में छोटू ने रांची में रहने वाले अंजनी की हत्या की थी। अंजनी सेल्स मैनेजर था। गढ़वा पुलिस छोटू की तलाश में थी। इस वजह से छोटू रांची में रह रहा था। एसएसपी चंदन सिन्हा ने इस हत्याकांड का खुलासा करने के लिए सिटी एसपी के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया है।

पंजाब ने दिल्ली को चार विकेट से हराया, सैम करन का अर्धशतक

लियम लिविंगस्टन ने सिक्स लगाकर पंजाब को जिताया

AGENCY MOHALI : पंजाब किंग्स ने आईपीएल-2024 का आगाज जीत के साथ किया। शिखर धवन की कप्तानी वाली पीबीकेएस ने सीजन के पहले डबल हेडर मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 4 विकेट से हरा दिया। मोहाली के महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में टॉस जीतकर पंजाब ने बॉलिंग का फैसला लिया। दिल्ली ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 174 रन बनाए और पंजाब को 175 रन का टारगेट दिया। जवाब में पंजाब ने 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। पंजाब की तरफ से सैम करन ने अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 47 बॉल पर 63 रन बनाए। उनके अलावा लियम लिविंगस्टन 38, प्रभसिमरन सिंह 26 और शिखर धवन ने 22 रन का योगदान दिया। दिल्ली की तरफ से कुलदीप यादव और खलील अहमद ने दो-दो विकेट लिए। लियम लिविंगस्टन ने 19वें ओवर की दूसरी बॉल पर सिक्स लगाकर पंजाब को जीत दिला दी। दिल्ली की ओर से आखिरी ओवर सुमित कुमार ने फेंका।

ऐहतियातन हिरासत में लेने का मनमाना चलन खत्म हो : सुप्रीम कोर्ट

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रिवेंटिव डिटेंशन (सुरक्षा के लिहाज से हिरासत में रखना) का चलन तुरंत खत्म किया जाना चाहिए, क्योंकि ये शक्तियों का मनमाना इस्तेमाल है। सुप्रीम कोर्ट ने एक कैदी की अपील को खारिज करने वाले तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए यह बात कही। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने गुरुवार (21 मार्च) को कहा कि प्रिवेंटिव डिटेंशन का कॉन्सेप्ट यह था कि किसी आरोपी को हिरासत में इसलिए रखें, ताकि उसे अपराध करने से रोका जा सके। जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा ने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने में पुलिस की नाकामी प्रिवेंटिव डिटेंशन को लागू करने का बहाना नहीं होनी चाहिए।

इलेक्टोरल बॉन्ड की बैलेंस शीट पब्लिक

771 कंपनियों ने 11,484 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे

AGENCY NEW DELHI : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने 21 मार्च को इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ा पूरा डेटा इलेक्शन कमिशन को सौंपा, जिसके बाद आयोग ने इसे पब्लिक किया। इसमें बैंक ने बॉन्ड का अल्फा न्यूमेरिक नंबर भी बताए गए। इससे पता चला है कि किस कंपनी ने किस सियासी दल को कितना चुनावी चंदा दिया। एसबीआई के डेटा के मुताबिक, कुल 1263 खरीददार थे। इन्होंने 12,155 करोड़ के बॉन्ड खरीदे। इनमें 771 कंपनियों ने 11,484 करोड़ के बॉन्ड खरीदे। इसमें आधी रकम शीर्ष 22 कंपनियों से आई हैं।

केजरीवाल ने गिरफ्तारी और रिमांड को HC में दी चुनौती

अर्जेंट सुनवाई से इन्कार, बुधवार को बहस

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली शराब नीति केस में पीएमएलए कोर्ट ने 22 मार्च को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 6 दिन की (28 मार्च तक) ईडी की रिमांड पर भेज दिया। केजरीवाल को 21 मार्च को सीएम हाउस से गिरफ्तार किया गया था। शुक्रवार दोपहर 2 बजे उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। इधर, शनिवार शाम को केजरीवाल के वकील ने ईडी की गिरफ्तारी और निचली अदालत के रिमांड के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। वकीलों ने कहा कि दोनों फैसले अवैध हैं। केजरीवाल रिहाई के हकदार हैं। हमने कोर्ट से 24 मार्च तक सुनवाई की मांग की है। वहीं, दिल्ली हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और रिमांड के मामले पर अर्जेंट सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि होली की छुट्टी है। बुधवार को कोर्ट खुलने पर ही केस की सुनवाई होगी। शनिवार दोपहर केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने वीडियो मैसेज में केजरीवाल का संदेश पढ़कर सुनाया। आप मंत्री आतिशी ने दावा किया है कि उनके पार्टी कार्यालय को चारों तरफ से सील कर दिया गया है।

- अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने उनका संदेश पढ़कर सुनाया
- आप बोली- पुलिस आप नेताओं को जगह-जगह रोक रही

पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा के घर सीबीआई का छापा

KOLKATA : टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा के कोलकाता स्थित घर पर सीबीआई ने शनिवार को छापा मारा। संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने (कैश फॉर क्वेरी केस) के आरोपों को लेकर सीबीआई की टीम उनके घर पर सर्चिंग की। इसी केस में महुआ की 8 दिसंबर 2023 को सांसदी गई थी। दरअसल, लोकपाल ने 19 मार्च को केश फॉर क्वेरी केस को लेकर सीबीआई को जांच करने के आदेश दिए थे। साथ ही कहा था कि 6 महीने में केस की रिपोर्ट फाइल कीजिए और हर महीने स्टेटस रिपोर्ट भी पहुंचाइए। लोकपाल के आदेश के बाद सीबीआई ने 21 मार्च को महुआ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। महुआ ने 2016 में पहला चुनाव पश्चिम बंगाल के करीम नगर विधानसभा से जीता था। 2019 में वे टीएमसी के टिकट पर कृष्णानगर से लोकसभा चुनाव लड़ी और जीती थीं। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया था कि उन्होंने लोकसभा में पैसे लेकर सवाल पूछे हैं। निशिकांत ने इसकी शिकायत लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से की थी।

मॉस्को में क्रोकस सिटी हॉल पर आतंकी हमला, 115 मरे, 11 संदिग्ध हिरासत में

रूस बोला- खून का बदला खून से लेंगे, आईएसआईएस-के ने ली जिम्मेदारी

AGENCY RUSSIA : रूस की राजधानी मॉस्को में क्रोकस सिटी हॉल पर शुक्रवार की देर रात आतंकी हमला हुआ। हमले में अब तक 115 लोगों की मौत हुई है। पुलिस ने 11 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें 4 हमलावर हैं और 7 लोग उनकी मदद करने वाले बताए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस के सिक्योरिटी सर्विस के चीफ ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बताया है कि चार संदिग्ध सफेद रंग की कार में भागने की कोशिश कर रहे थे। हमला शुक्रवार रात (22 मार्च) को हुआ। इसकी जिम्मेदारी आईएसआईएस-के ने ली है। सेना जैसी वर्दी पहने 4 आतंकियों ने अंधाधुंध गोलियां चलाईं, बम फेंके और फरार हो गए। पहले आतंकियों की संख्या 5 बताई गई थी। आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। 140 से ज्यादा लोग घायल हैं। इधर, रूस के पूर्व राष्ट्रपति और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी चेयरपर्सन दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि रूस खून का बदला खून से लेगा। आतंकवादी सिर्फ आतंक की भाषा ही समझते हैं। जब तक बल का मुकाबला बल से नहीं किया जाता और आतंकवादियों की मौत के साथ-साथ उनके परिवारों पर कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक किसी भी जांच का कोई मतलब नहीं।

दुख की इस घड़ी में भारत रूस के साथ : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉस्को के क्रास्नोगोर्स्क शहर के क्रोकस सिटी हॉलमें हुए आतंकवादी हमले की शनिवार को कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री ने एक्स हैंडल पोस्ट पर लिखा, "हम मॉस्को में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। दुख की इस घड़ी में भारत रूसी संघ की सरकार और लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है।"

आईएसआईएस ने रूस में हमला क्यों किया...

रिपोर्ट में एक्सपर्ट्स के हवाले से लिखा- हमला आईएसआईएस की खुरासान विंग यानी आईएसआईएस-के ने किया। आईएसआईएस-के का नाम उत्तरपूर्वी ईरान, दक्षिणी तुर्कमेनिस्तान और उत्तरी अफगानिस्तान में आने वाले क्षेत्र के नाम पर रखा गया है। यह संगठन सबसे पहले 2014 में पूर्वी अफगानिस्तान में एक्टिव हुआ। तब रूस के उग्रवादी समूहों के कई लड़ाके इसमें शामिल होने सीरिया पहुंच गए। ये पुतिन और उनके प्रोपागेंडा का विरोध करते हैं। इनका कहना है कि पुतिन की सरकार चेचन्या और सीरिया में हमले कर मुसलमानों पर अत्याचार करती है।

ऑपरेशन संकल्प के 100 दिन पूरे, नेवी ने सौ से ज्यादा लोगों की बचाई जान

समुद्री लुटेरों के लिए काल बनकर उभरी भारतीय नौसेना

AGENCY NEW DELHI : समुद्र में हूती लुटेरों के खिलाफ नौसेना का ऑपरेशन जारी है। भारतीय नौसेना बीते तीन महीनों से समुद्री लुटेरों के खिलाफ ऑपरेशन संकल्प चला रही है। भारतीय नौसेना के अध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार ने शनिवार को नौसेना की ओर से बीते 100 दिनों में समुद्री लुटेरों के खिलाफ की गई कार्रवाई का जिक्र किया। नौसेना ऑपरेशन संकल्प के 100 दिन पूरे होने पर एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया। मीडिया से बात करते हुए एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नौसेना सकारात्मक कार्रवाई करेगी। नौसेना ने कहा कि विभिन्न समुद्री डकैती विरोधी अभियानों में भारतीय नौसेना ने 100 से अधिक लोगों को बचाया है, जिनमें 27 पाकिस्तान के और 30 ईरानी नागरिक भी शामिल हैं। इसी कड़ी में नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने समुद्र में किसी भी भारतीय ध्वज वाले जहाज को निशाना नहीं बनाया है। मीडिया से बात करते हुए भारतीय नौसेना ने कहा कि ऑपरेशन संकल्प और अन्य अभियानों के तहत भारतीय नौसेना ने समुद्र में हूती लुटेरों के खिलाफ ऑपरेशन में 110 लोगों की जान बचाई है। नौसेना ने कहा कि जिन लोगों की जान बचाई गई है उनमें 45 भारतीय नागरिक हैं और 65 दूसरे देश के निवासी है। नौसेना ने कहा कि नौसेना ने विद्रोहियों के 13 हमलों का भी जवाब दिया है। इसी कड़ी में नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा है कि नौसेना समुद्री क्षेत्र में राष्ट्रीय हितों की रक्षा तथा इसे और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। नौसेना स्टाफ के प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि भारतीय नौसेना अपने काम के बारे में बहुत स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि यह हिंद महासागर है, जिसका नाम हमारे नाम पर रखा गया है, और अगर हम कार्रवाई नहीं करेंगे, तो कौन करेगा। नौसेना ने बताया कि आईएनएस कोलकाता सोमालिया के तट पर हाल ही में एक अभियान के दौरान पकड़े गए 35 समुद्री लुटेरों को लेकर मुंबई पहुंचा।

पकड़े गए 35 समुद्री लुटेरों को लाया गया मुंबई

नौसेना ने बताया कि हाल ही में एक अभियान के दौरान पकड़े गए 35 समुद्री लुटेरों को मुंबई लाया गया। इन समुद्री लुटेरों को भारतीय कानूनों, विशेष रूप से समुद्री डकैती रोधी अधिनियम, 2022 के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया। नौसेना प्रमुख ने रेखांकित किया कि भारतीय वायुसेना के साथ मिलकर नौसेना ने मध्य-समुद्र में नाटकीय रूप से अभियान को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान नौसेना ने अपने युद्धपोत आईएनएस कोलकाता, लंबे समय तक उड़ान भरने में सक्षम समुद्री निगरानी विमान ड्रोन, पी -8 आई की तैनाती की और वायु सेना के विमान सी-17 के जरिये मार्कोस कमांडो को उतारकर तीन महीने से अपहृत विशाल जहाज को मुक्त कराया। उन्होंने बताया कि नौसेना ने भारतीय तट से लगभग 2,600 किलोमीटर दूर लगभग 40 घंटे के अभियान में माल्टा के पूर्व ध्वज वाले जहाज को अपने कब्जे में लिया और बंधक बनाए गए उसके चालक दल के 17 सदस्यों को मुक्त कराने के साथ 35 सशस्त्र समुद्री डाकुओं को पकड़ लिया। विशेषज्ञों के मुताबिक यह सोमालियाई समुद्री लुटेरो से गत सात साल में किसी मालवाहक जहाज को मुक्त कराने का पहला सफल अभियान है।

हिमाचल कांग्रेस के छह बागी विधायकों ने थामा बीजेपी का दामन

SHIMLA : हिमाचल कांग्रेस के 6 बागी विधायकों और 3 निर्दलीयों ने शनिवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी जॉइन कर ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने पार्टी मुख्यालय में इन्हें पटका पहनाकर पार्टी में शामिल किया। इन विधायकों ने हिमाचल में राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोट किया था। जिससे कांग्रेस कैंडिडेट हार गए थे। इन बागी विधायकों में सुजानपुर से राजेंद्र राणा, धर्मशाला से सुधीर शर्मा, लाहौल स्पीति से रवि ठाकुर, बड़सर से इंद्रदत्त लखनपाल, कुटलैहड़ से देवेंद्र कुमार भुट्टो व गगरेट से चैतन्य शर्मा और निर्दलीयों में देहरा से होशियार सिंह, नालागढ़ से केएल ठाकुर और हमीरपुर से आशीष शर्मा शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि विधायकों के भाजपा में शामिल होने से पार्टी और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस के वादे ठीक वैसे ही झूठे थे, जैसे राजस्थान व छत्तीसगढ़ में थे।

आठ हजार रुपये घूस लेते बीआरपी रंगेहाथ अरेस्ट

जांच रिपोर्ट मैनेज करने को मांगी थी रिश्वत

CRIME REPORTER CHATRA : चतरा में एसीबी की टीम ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए बीआरपी को आठ हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। हंटरगंज प्रखंड साधन सेवी (बीआरपी) सच्चिदानंद सिंह को जांच रिपोर्ट मैनेज करने के नाम पर शिक्षिका से घूस लेते हजारीबाग एसीबी की टीम ने गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक बीईओ के निर्देश पर बीआरपी ने नव सृजित प्राथमिक विद्यालय की जांच की थी। जांच रिपोर्ट मैनेज करने के नाम पर बीआरपी सच्चिदानंद सिंह दस हजार रुपये घूस मांग रहा था। पीड़ित नव सृजित प्राथमिक विद्यालय सोखा की सहायक शिक्षिका सह सचिव रीता कुमारी ने इसकी शिकायत एसीबी से की थी। मामले की जांच जब एसीबी ने की तो सही पाया। इसके बाद शनिवार को कार्रवाई करते हुए बीआरपी सच्चिदानंद सिंह को घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार करने के बाद एसीबी की टीम आरोपित को अपने साथ हजारीबाग ले गई।

- चतरा में एसीबी की टीम ने की कार्रवाई, गिरफ्तार कर हजारीबाग ले गई

कविता

नंदा पाण्डेय
रांची

पूनो की रात

याद है न कान्हा!
उस दिन भी 'पूनो की रात' थी
जब तुम लेकर आये थे
न जाने कितने ही रंग-बिरंगे
सिंदूरी सपने और अहसास
कृष्ण रंग में रंग कर तुमने
धीरे से छू लिया था
मेरे मन को

वो तुम्हारा मौन निमंत्रण
बांहों का बंधन
मेरे संयम के पग बहके थे
स्पर्श तुम्हारा पाकर
जब सारे बंधन महके थे

हवा की खुशबू से पहचान लेती हूं तुम्हारे आस्तित्व को और
रंगीन हो जाती हूं मैं और मेरी ये दुनियां...
समझ में आने लगते हैं फागुन के मायने
मेरे प्राणों के स्थिर स्पंदन में
आज भी तुम्हारा ही निवास है कान्हा!

जिस दिन से तुमने मुझे अपनी
बाहों में बांधा
उसी दिन से मैंने अपना श्रृंगार तुम्हारे रंगों से कर लिया था
आज भी उसी रंग में भीगी हूं मैं

कल भी 'पूनो की रात' होगी
आना फिर से भावों के रंग लेकर
श्याम रंग में रंग कर
मैं श्यामल हो तर जाउंगी.....!!!

चित्र पर्दर्शनी

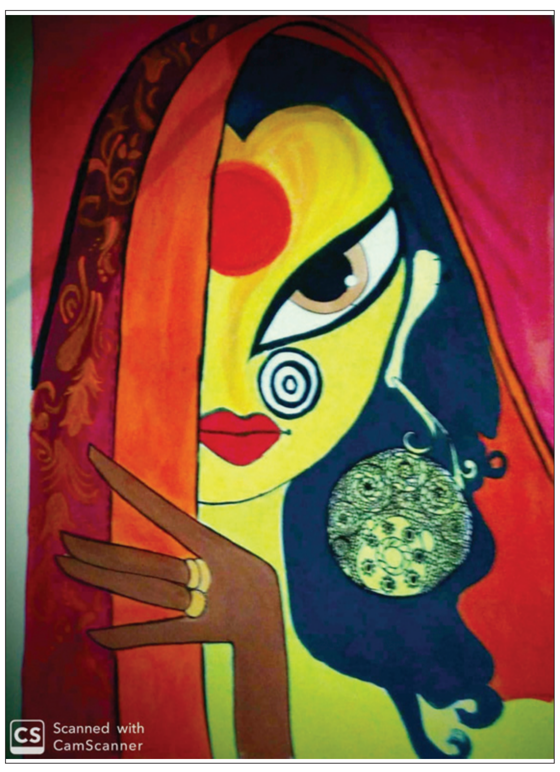

रितिका उपाध्याय
गोरखपुर

नमक का रेगिस्तान 'कच्छ का रन'

घुमक्कड़ की पाती

इस बार सोचा था कि एक ऐसी जगह पर जाऊंगा जो बाकी जगहों से बिल्कुल ही अलग हो और इसी क्रम में गुजरात में स्थित कच्छ यात्रा का ख़्याल आया। कच्छ देश के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में गिना जाता है। इस जगह पर घूमने टहलने की जगहों के अलावा दुनिया का सबसे बड़ा नमक का रेगिस्तान है जिसे हम सब 'रन ऑफ कच्छ' के नाम से जानते हैं। यही वजह है कि घूमने टहलने का शौक रखने वाले लोग इस जगह पर आते ही आते हैं। इस जगह पर आकर यहां के पर्यटन स्थलों पर जाते हैं। कच्छ में आकर यहां की संस्कृति, कला और परंपरा को देखने और समझने का प्रयास करते हैं। हमने भी कुछ ऐसा ही करने का विचार बनाया और कच्छ घूमने के लिए निकल पड़े। यह जगह सभी तरह के परिवहन के साधनों से जुड़ी हुई है। हमने दिल्ली से भुज की फ़्लाइट ली और रन ऑफ कच्छ पहुंच गए।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

इस जगह पर पहुंचकर पाया कि जितना सोचे थे यह जगह उससे भी कहीं बहुत ज्यादा अलग है। इस जगह को देखकर मन प्रसन्नता से भर गया। आपको बता दूं कि रन ऑफ कच्छ दुनिया के सबसे बड़े नमक के रेगिस्तानो में से एक माना जाता है। यह एक अनुमान के मुताबिक लगभग 20 हजार किलोमीटर से भी अधिक दायरे में फैला हुआ है। यह एक ऐसा स्थान है जिसका महत्व भारत और पाकिस्तान दोनों में ही बराबर है क्योंकि इसका कुछ हिस्सा भारत के साथ साथ पाकिस्तान में पड़ता है। रन ऑफ कच्छ मुख्य रूप से दो हिस्सों में बंटा हुआ है। एक हिस्से को ग्रेट रन ऑफ कच्छ और दूसरे को लिटिल रन ऑफ कच्छ के नाम से जाना जाता है। रन ऑफ कच्छ के संदर्भ में ऐसा माना जाता है कि यह कभी समुद्र का हिस्सा हुआ करता था। लेकिन भौगोलिक बदलाव के चलते यह नमक का रेगिस्तान बन गया। कच्छ में कई तरह की जैविक विविधता भी देखने को मिलती है। इस जगह को एतिहासिक दृष्टि से भी काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। इस जगह पर लोथल और हड़प्पा संस्कृति से जुड़ी कई ऐतिहासिक चीजें मिली हैं।

हमने एक अच्छा सा होटल ढूंढा और कच्छ में घूमने की जगहों के बारे में जानने के लिए निकल पड़े। आपको बता दूं कि कच्छ में घूमने के लिए जगहों की कोई कमी नहीं है। इस जगह पर एक से बढ़कर एक पर्यटन स्थल मौजूद हैं। इन जगहों पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी सैलानी घूमने के लिए पहुंचते हैं और अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद लेते हैं। इतने बड़े विस्तार वाले पर्यटन स्थल को महज तीन दिन में एक्सप्लोर कर पाना मुश्किल है पर उन सभी खास जगहों पर तो जाया ही जा सकता है जिनकी वजह से कच्छ जाना जाता है।

जिस होटल में ठहरा हुआ था वहां एक सज्जन से मुलाकात हो गई जो इस जगह की काफी जानकारी रखते थे। मैंने उनको जब यह बताया कि हम यहां तीन दिन के लिए हैं तो उन्होंने बोला कि पहले दिन रण ऑफ कच्छ और धोलवीरा को एक्सप्लोर कर सकते हैं। दूसरे दिन विजय विलास पैलेस और कच्छ के आसपास मौजूद बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं और तीसरे दिन कच्छ में होने वाले त्योहारों और भुज की शानदार जगहों को एक्सप्लोर करते हुए घर के लिए वापसी कर सकते हैं।

कच्छ में पहला दिन हमारा धोलावीरा घूमने में बिता। धोलावीरा कच्छ का एक ऐतिहासिक जगह होने के साथ-साथ एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। यह वह जगह है जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां से इंडस घाटी सभ्यता और हड़प्पा संस्कृति से जुड़ी कई चीजें मिल चुकी हैं। इस जगह पर आकर आप ना सिर्फ. इस जगह को देख सकते हैं बल्कि यहाँ के इतिहास को भी समझ सकते हैं।

कच्छ में दूसरा दिन हम विजय विलास पैलेस गए। विजय विलास पैलेस कच्छ का एक बहुत ही लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। इस पैलेस का निर्माण 1929 में राव विजयराजजी ने किया था। यह पैलेस कच्छ के रण में स्थित है और अपनी ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। यह पैलेस वास्तुकला की दृष्टि से भी अपना एक खास महत्व रखता है। यह पैलेस बंगाल की संलयन स्थापत्य शैली में बना है और सुंदर मूर्तियों का एक खूबसूरत प्रतीक है।

कच्छ में तीसरा और आखिरी दिन रन ऑफ कच्छ उत्सव का मजा लिया। रन ऑफ कच्छ में होने वाले उत्सव में भी बहुत खास होते हैं। इनसे कला और साहित्य की झलक मिलती है। इनसे यहाँ की संस्कृति की झलक दिखाई देती है। इस जगह पर होने वाले पर्व और त्योहारों में आप शामिल होकर नई नई चीजों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। नवंबर महीने की 1 तारीख से शुरू होकर रण उत्सव 20 फरवरी तक चलता है।

इस जगह पर मुझे बहुत अच्छा लगा रण उत्सव में ऊंटों की सवारी का हमने भरपूर आनंद लिया। आप भी यदि रन ऑफ कच्छ घूमना चाहते हैं तो नजदीकी रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डा दोनों ही भुज है। इस जगह से कच्छ के लिए बस और टैक्सी बहुत ही आसानी से मिल जाती है। यह सड़क मार्ग से भी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। आप देश के किसी भी कोने से रन ऑफ कच्छ बहुत ही आसानी से पहुंच सकते हैं।

रन ऑफ कच्छ के आसपास ठहरने के लिए होटल आदि की कोई कमी नहीं है। इस जगह पर ठहरने के लिए आपको बहुत ही आसानी से होटल और टेंट हाउस मिल जाते हैं, जहां पर आप बहुत कम पैसे में ठहर सकते हैं। कुछ लोग तो भुज में भी ठहरना पसंद करते हैं। इसके लिए आप रण कांधी रेसॉर्ट, रन रेसॉर्ट, धोलावीरा रेसॉर्ट और होटल ऑफ कच्छ में बहुत कम पैसे में ठहर सकते हैं।

रन ऑफ कच्छ बहुत कम बजट में घुमा जा सकता है। यदि आप दिल्ली से रन ऑफ कच्छ घूमने का प्लान बना रहे हैं तो 6-7 हजार में भी घूम सकते हैं। दिल्ली से भुज ट्रेन के माध्यम से बहुत ही आसानी से अपने बजट में यहां पहुंचा जा सकता है। इस जगह पर ठहरने के लिए होटल और टेंट की सुविधा बहुत ही आसानी से मिल जाती है। इसका खर्च लगभग दो हजार के आसपास आता है। खाने-पीने में 500-700 रुपये खर्च होते हैं। बाकी 1000-2000 रुपये आप इस जगह पर होने वाली पर्यटन एक्टिविटी का लुत्फ उठाने के लिए खर्च कर सकते हैं। यह एक बहुत ही खूबसूरत जगह है।आपको भी एक ना एक बार इस जगह पर जरूर आना चाहिए।

कहानी ■ पार्ट -2

कमल

चोर पंचर

जुगसलाई वाले रेलवे फाटक से जरा अंदर जाने पर दायीं तरफ फूटने वाली सड़क पर बीसेक कदम चलने के बाद बायें हाथ जगजीत सिंह की 'मॉडर्न साइकिल रिपेयरिंग' दुकान पिछले पच्चीस वर्षों से उसी तरह चल रही है। न बहुत ज्यादा तेज, न ही बहुत ज्यादा धीमी। जो 'सादा जीवन उच्च विचार' और ''थोड़े में संतोष करो वाली'' उसकी थ्योरी से पूरा मेल खाती है। जबकि उसके बाद खुलने वाली कई छोटी-छोटी सायकिल दुकानें, अपने मालिकों द्वारा मरम्मत के उल्टे-सीधे हथकंडे अपनाने के कारण, काफी बड़ी और मोटी हो गयी हैं। लेकिन जगजीत सिंह ने कभी भी गलत तरीके से पैसा नहीं कमाया। जितनी मेहनत की हमेशा उसका ही दाम लिया, न कम न ज्यादा।

बचपन में वह पढ़ने में कभी भी अच्छा नहीं रहा था। बहुत अच्छा कहने की तो बात ही क्या की जाए। उसने जी.जी.एम.एस यानि कि 'घीच घाच के मैट्रिक पास' की। जैसे-तैसे मिले गांधी डिवीजन यानि कि तीसरी श्रेणी प्राप्त करने के साथ ही उसने घर में घोषणा कर दी कि आगे नहीं पढ़ेगा। घर वालों को अच्छा तो नहीं लगा, लेकिन तब तक वह तय कर चुका था कि विद्यार्थी के रूप में उसका बस उतना ही दाना-पानी लिखा था।

फिर बहुत सोच-विचार के बाद उसके बाऊजी सरदार बेला सिंह ने वह दुकान खोलवा दी, ''अगर आगे नहीं पढ़ना तो मन लगा कर काम करो। अपने पैरों पर खड़े होओ।'' और उस दिन से उसने जो काम में मन लगाने से शुरूआत की तो आज तक कभी भी, नहीं ऊबा। उसकी मेहनत और हुनर की सब तारीफ करते थे। कैसी भी सायकिल हो, कितनी भी बिगड़ी हो। उसके हाथों का स्पर्श उस सायकिल का कायाकल्प कर देता। चूं-चां करती और मुश्किल से घिसटती सायकिल भी उसके द्वारा ओवर-आयलिंग और मरम्मत आदि के बाद हवा से बातें करने लगती। सायकिल रिपेयरिंग के काम में वह पूरा उस्ताद साबित हुआ था।

अब तो उस बात को बीते काफी बरस हो गये हैं। बाऊजी और बीजी दोनों उसकी शादी करवा, पहले चांद-सी बहु और बाद में बारी-बारी से दो पोतों का मुँह देख, ऊपर चले गये। टीचिंग-कोर्स के डिप्लोमा वाली उसकी पत्नी केवल दिखने में ही चांद-सी सुंदर नहीं थी, बल्कि उसने उसके घर-परिवार को भी बड़ी कुशलता से संभाला था। जिसके परिणामस्वरूप उसके दोनों बेटे जगजीत से उलट, पढ़ने में तेज निकले और शहर के अच्छे स्कूल में पढ़ रहे हैं। जिसका पूरा श्रेय उसकी पत्नी हरबंस कौर को जाता है, जो एक अन्य स्कूल में शिक्षिका है।

उस दिन दोपहर से पहले आये गुमन उग्रसांडी के फोन में याद रखने जैसा कुछ नहीं था। इसलिए जगजीत उसे भूल चुका था। वह भूला ही रहता, यदि उसका फोन दुबारा न आता। उस दिन मंगलवार था। बाज़ार की साप्ताहिक बंदी का दिन। दोपहर को चिकेन-दो प्याजा के साथ गर्मा-गर्म छः पंजाबी रोटियों का भरपेट भोजन। कूलर की ठंढी हवा और अपना प्यारा बिस्तर। उसके बाद जगजीत सिंह को और कुछ नहीं चाहिए। मंगलवार की दोपहर वह अपनी सप्ताह भर की पूरी थकान उतारता है। उस पर नींद की खुमारी चढ़ रही थी। अभी मीठी नींद का पहला झोंका उसकी पलकों में उतरा ही था, जब उसका फोन बज उठा। पहले तो उसने स्वयं को कोसा कि सोने से पहले उसने फोन ऑफ क्यों नहीं किया था। फिर सोचा कि रहने दो बजता, उठ कर ''मिस कॉल' में देख कर 'रिंग-बैक' कर बात करेगा। लेकिन बजती घंटी और अपने स्वभाव से मजबूर उसने फोन उठा लिया ''हलो।''

''परणाम सर।''

जगजीत ने थकी-सी आवाज में पूछा, ''कौन साहब बोल रहे हैं?''

''सर मै धरधरो से... गुमन बोल रहा हूं, गुमन उग्रसांडी। याद आया? आपसे मिला था, आपको फोन भी किया था।'' उधर वाला जगजीत द्वारा पहचान लिए जाने की जल्दी में था।

तब तक मिलने तो नहीं, हां फोन करने की बात से वह उसे याद आ चुका था, ''...ओ, हां। ...बोलिए, कैसे हैं?''

''जी सर हम ठीक हैं। आपका तबियत ठीक नहीं है क्या, आपकी आवाज भारी लग रही है?'' नींद में डूबी हुई जगजीत की आवाज गुमन को तबियत खराब होने जैसी लग रही थी।

''ऐं.... हां... हां, तबियत कुछ ढीली है।'' उसने पीछा छुड़ाने की गरज से कहा।

''...ठीक है सर, आप आराम कीजिए मै बाद में फोन करूंगा।'' कह कर उसने फोन काट दिया।

जगजीत ने चैन की सांस ली, फोन ऑफ किया और गहरी नींद में डूब गया। उस समय तो फोन ऑफ कर वह सो गया, लेकिन शाम को जब उठा, तब भी उसे गुमन उग्रसांडी का फोन याद आ रहा था। न जाने वह कौन है? उसे कौन-सा 'सर' समझ रहा है? क्यों उसे बार-बार फोन कर रहा है? जरूर वह रौंग नंबर लगाता रहता है। अगर नींद न आ रही होती तो वह आज ही पूछ लेता। अच्छा, आगे उसका फोन आया तो, उससे पूछेगा। साथ ही उसे यह भी बता देगा कि वह अपना नंबर चेक कर ले, उसने जरूर गलत नंबर नोट कर लिया है। जगजीत सिंह कोई सर-वर नहीं है। लेकिन उसकी प्रतीक्षा लंबी चलती रही, काफी दिनों तक गुमन उग्रसांडी का कोई फोन नहीं आया।

जगजीत सिंह की दुकानदारी अपनी सामान्य गति से चलती जा रही थी। चुन्नु मांझी भी अब पंचर लगाने में माहिर हो गया था। छोकरा तेज निकला। सायकिल मरम्मत के काम जल्द सीख रहा था और जगजीत के ऊपर अक्सर पड़ने वाला काम का दबाव कुछ हल्का होने लगा था। खास कर पंचर बनाने वाला काम अब वह दक्षता से करने लगा था।

दुकान में उस दिन एक और अलसायी हुई दोपहर बीत चुकी थी। अस्त होते सूरज के साथ गर्मी भी कुछ कम हो गयी थी। किसी की तेज गति से चलती सायकिल का अगला पहिया गढ्ढे में जा गिरा और उसका फोर्क टूट गया था। जिसे बदलने के लिए सबसे पहले जगजीत ने उसकी अगली दोनों ब्रेकें ढीली कर सेंटर नट खोल दिया। उसके बाद वह टूटे फोर्क का चूड़ी वाला नट खोल रहा था, जब काफी दिनों के अंतराल की खामोशी को तोड़ता, गुमन उग्रसांडी का अगला फोन आया। उसकी आवाज सम्मान भरी होने के बावजूद खासी उत्तेजित लगी।

''परणाम सर, मैं गुमन बोल रहा हूं। देखिए न, पिछले सोमवार वाला मीटिंग में आप बोले थे कि नरेगा वाला काम हमलोगों से करवाना होगा। लेकिन इंचार्ज रमेश्वर बाबू पूरा मजदूरी नहीं दे रहे हैं। बोल रहे हैं कि आधा मजदूरी में ही काम करना है तो करो, नहीं तो मशीन से काम करवा लेंगे। सर, नरेगा का काम तो मशीन से नहीं करवाया जा सकता न? वह तो गलत होगा न?''

...'नरेगा'... 'मशीन से काम' ...'इंचार्ज रमेश्वर बाबू' यह सब तो जगजीत भले ही नहीं समझ पाया हो, लेकिन एक बात उसकी समझ में सहज ही आ गयी और उसके मुंह से स्वतः स्फूर्त ढंग से निकला, ''मजदूरी पूरा कैसे नहीं देगा ? रमेश्वर बाबू हो या कोई भी, जब काम पूरा करवायेगा, तो मजदूरी भी पूरा देना पड़ेगा।''

''जी सर, हम भी तो यही कह रहे हैं।'' गुमन उग्रसांडी का उत्साह से भरा स्वर आया, ''हम सबसे यहां यही बोले थे। अब आपसे बात करके हमारा मन शांत.....'' उसके आगे बात नहीं हो पायी। अचानक ही फोन का टावर कट गया था। जगजीत उसकी, गलत नंबर पर फोन करने वाली, गलती को सुधार ही नहीं सका।

कुछ देर बाद जब उसका टावर वापस चमका तो उसने तुरंत गुमन उग्रसांडी को फोन लगाया, ''गुमन उग्रसांडी! मेरी बात तो सुनो।''

उधर से आवाज आयी, ''कौन गुमन उग्रसांडी? इस नाम का यहां कोई नहीं है।''

''अभी थोड़ी देर पहले आप ही हमसे बात किये थे, न?''

''जी नहीं, यह तो फोन-बूथ है। अब थोड़ी देर पहले आपको कौन फोन किया था, हम कैसे बताएं?'' उसने उत्तर दिया।

''फोन बूथ? कहां? धरधरो का फोन बूथ?'' जगजीत ने जानना चाहा।

''जी नहीं, यह बूथ सरायकेला बाजार में है। धरधरो तो यहां से बीस किलोमीटर दूर है।'' उधर का जवाब सुन कर वह खामोश रह गया।

जगजीत और गुमन के बीच की उस आंख-मिचौली का अंत होता नहीं दिख रहा था। उस दिन सुबह से ही बहुत तेज और धूल, भरे गर्म अंधड़ चलते रहे थे। काफी दिनों बाद उस दिन फिर फोन फिर आया। इस बार उसका उत्साहित स्वर आत्मविश्वास से भरा हुआ था, हां हां सर, सूचना का अधिकार के बारे में जैसे आप बताये थे, वैसे ही हम सूचना की मांग कर दिये हैं। इंचार्ज रमेश्वर बाबू को भी पता चल गया है। इसीलिए बोल रहा था, हमको वैसा सूचना नहीं मांगना चाहिए था। लेकिन अब उसका आवाज उतना टाईट नहीं था। बहुत धीरे बोल रहा था। अब हम लोग को भी लग रहा है, सब ठीक हो जाएगा। ठीक हो जाएगा न सर?''

काफी दिनों से जगजीत उसका फोन आने का इंतजार जरूर करता रहा था, लेकिन वैसी किसी बात के लिए वह बिल्कुल भी तैयार नहीं था। वह बुरी तरह चौंका, ''अरे यार, हम तुम्हारे कोई साहब नहीं हैं। और हम तुमको सूचना के अधिकार के बारे में कुछ नहीं बताये हैं। तुम बार-बार हमको रौंग नंबर लगा रहे हो, समझे।''

31 मार्च को पढ़ें कहानी का तीसरा पार्ट।

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

आरपीएफ ने शराब के साथ एक आरोपित को किया गिरफ्तार

RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने होली के मद्देनजर लगातार अभियान चला रहा है। गिरफ्तार आरोपित का नाम चंदन कुमार बताया गया है। वह बिहार के हिलसा का रहने वाला है। इसके पास से 29 बोतल शराब बरामद किया गया है। बरामद शराब की कीमत 26 हजार 600 रुपए बताया गया। उप निरीक्षक दीपक कुमार ने शनिवार को बताया कि रांची मंडल के आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर होली पर्व के मद्देनजर स्टेशनों तथा ट्रेनों में विशेष चौकसी बरती जा रही' इसी दौरान ट्रेन संख्या 18624 में कार्यरत कोच अटेंडेंट को प्लेटफॉर्म संख्या तीन पर भारी भरकम बैग के साथ संदेहास्पद अवस्था में देखा गया। बैग की जांच करने पर शराब बरामद किया गया। मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि बिहार ले जाकर ये शराब अधिक दामों में बेचते थे।

डेढ़ क्विंटल जावा महुआ को पुलिस ने किया नष्ट

RANCHI : पिठौरिया पुलिस अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर शनिवार को चलाए गए अभियान के दौरान लगभग डेढ़ क्विंटल से ज्यादा जावा महुआ नष्ट किया गया है। साथ ही कई देशी अवैध शराब की भट्ठियों को नष्ट किया गया है। यह अभियान पिठौरिया के किसान चौक, मुंडा टोली सहित अन्य स्थानों पर चलाया गया। हालांकि अभियान के दौरान किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। थाना प्रभारी ने बताया कि शराब और अन्य नशा कारोबारियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के भाई राजेश कोड़ा ने मांगी अग्रिम जमानत

RANCHI : रांची सिविल कोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के भाई राजेश कोड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए गुहार लगायी है। राजेश कोड़ा ने अधिवक्ता जयशंकर तिवारी के माध्यम से शनिवार को कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर रांची सिविल कोर्ट में एक अप्रैल को सुनवाई होगी। राजेश कोड़ा पर इनकम टैक्स रिटर्न नहीं भरने का आरोप है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की शिकायत के अनुसार राजेश कोड़ा ने वर्ष 2004 से 2010 तक इनकम टैक्स रिटर्न नहीं भरा है। इससे पहले इनकम टैक्स रिटर्न से जुड़े केस में मधु कोड़ा की पत्नी और भाजपा में शामिल हो चुकी सांसद गीता कोड़ा ने भी जमानत अर्जी दाखिल की थी। दोनों को कोर्ट से बेल मिल चुकी है।

सिल्ली में सड़क हादसे में चालक की मौत

RANCHI : रांची के सोनाहातू थाना क्षेत्र के सिल्ली रंगामाटी सड़क के गोड़याटांड आनन्द नगर के समीप शनिवार सुबह पोल्ट्री मुर्गा लोड किए बोलेरो मैक्स पिकअप गाड़ी ने खड़ी गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी। इससे गाड़ी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी है। वहीं ड्राइवर की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। मौके पर सोनाहातू पुलिस पहुंच कर शव को लेकर थाना ले गयी है। हालांकि खबर लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। इधर घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के ग्रामीणों ने मैक्स पिकअप गाड़ी में लोड मुर्गियों को अपने साथ ले गया। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि घटनास्थल के आसपास टायर का मार्क नहीं पाया गया है, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि ड्राइवर को आंख लगी होगी जिसके बाद यह घटना हुई है।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

हाईकोर्ट में छात्रा के साथ गैंगरेप मामले में सजायाफ्ता की जमानत पर फैसला सुरक्षित

सामूहिक दुष्कर्म मामले में 11 दोषियों को सुनाई गई थी आजीवन कारावास की सजा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, कांके की छात्रा के साथ गैंगरेप मामले के सजायाफ्ता राजन उरांव की क्रिमिनल अपील की सुनवाई शनिवार को हुई। राजन उरांव की ओर से सजा को निलंबित रखते हुए जमानत देने का आग्रह कोर्ट से किया गया था। कोर्ट ने राजन उरांव की जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। मामले में कोर्ट नौ अप्रैल को अपना आदेश सुनाएगी।

रांची की एक फास्ट ट्रैक अदालत ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू) की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में 11 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। कानून की छात्रा के साथ 26 नवंबर, 2019 को एक किशोर सहित 12 लोगों ने उस वक्त गैंगरेप किया था जब वह कॉलेज परिसर से लगभग 2.5 किमी दूर कांके शहर के संग्रामपुर इलाके में एक शेड के नीचे एक दोस्त से कॉलेज से लौटने के दौरान बात कर रही थी।

इसी दौरान वहां बाइक और कार में सवार नौ युवकों ने छात्रा को जबरन कार में बैठाने की कोशिश की। बीच-बचाव करने आए छात्रा के दोस्त से मारपीट भी की। इसके बाद आरोपित युवक हथियार दिखाकर छात्रा का अपहरण करके उसे सुनसान जगह पर ले गए और गैंगरेप किया।

जमीन कारोबारी अफसर अली की जमानत याचिका पर सुनवाई 12 अप्रैल को

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में बरियातू स्थित सेना की भूमि की खरीद बिक्री घोटाले मामले में आरोपी अफसर अली की जमानत याचिका पर शनिवार को आंशिक सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट से समय की मांग की गई। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 12 अप्रैल निर्धारित की है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने अफसर अली की गिरफ्तारी में अपनाई की प्रक्रिया संबंध में ईडी से जानकारी मांगी थी। पूर्व की सुनवाई में याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि अफसर अली के खिलाफ मामले में आरोप पत्र दाखिल हो गया है और जांच पूरी हो गई है। वह 14 अप्रैल, 2023 से न्यायिक हिरासत में में है।

हाईकोर्ट ने मिनरल्स ट्रांसपोर्टेशन के मामले में रखा फैसला सुरक्षित

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में राज्य में मिनरल्स के ट्रांसपोर्टेशन में लगे वाहनों एवं उनपर लदे सामानों को जब्त कर कार्यवाही चलाने और वाहन को नीलाम करने (राज्य सात्करण करने) का अधिकार उपायुक्तों के पास है या अदालत के पास है, इसपर सभी पक्षों की सुनवाई शनिवार को पूरी हो गई। इसके बाद हाई कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है। मामले को लेकर जटाशंकर झा सहित 11 याचिकाएं हाई कोर्ट में दाखिल की गई हैं। याचिकाकर्ता ने झारखंड माइनर मिनरल ट्रांसपोर्टेशन एंड स्टोरेज रूल 2017 के रूल 11 (5) को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उक्त रूल सेक्शन 21 (4 ए) माइंस एंड मिनरल (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) एक्ट 1957 की विरुद्ध है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि झारखंड माइनर मिनरल ट्रांसपोर्टेशन एंड स्टोरेज रूल 2017 के रूल 11 (5) के तहत मिनरल्स के ट्रांसपोर्टेशन में लगे वाहनों एवं उनपर लदे सामानों को जब्त कर नीलाम करने का अधिकार उपायुक्तों के पास है लेकिन सेक्शन 21 (4 ए) माइंस एंड मिनरल (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) एक्ट 1957 में यह अधिकार अदालत के पास है। इसलिए मिनरल ट्रांसपोर्टेशन के कार्य में लगे वाहनों और उसपर लदे सामानों को जब्त करने, कार्यवाही चलाने एवं नीलाम करने का अधिकार उपायुक्तों के पास नहीं है, यह अधिकार अदालत के पास है।

जिला प्रशासन ने होटलों व रेस्टोरेंट में चलाया जांच अभियान, 13 को नोटिस

3-1

RANCHI : होली पर्व के मद्देनजर रांची में मिलावटी खाद्य पदार्थ को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट है। मिलावटी खाद्य पदार्थ के खिलाफ पिछले तीन दिनों से शहरी क्षेत्र में जांच अभियान चलाया जा रहा है, जो होली तक जारी रहेगा। अनुमण्डल दण्डाधिकारी के निर्देश पर शनिवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के नेतृत्व में संबंधित थाना क्षेत्र के सहयोग से शहर के विभिन्न होटलों, रेस्टोरेंट एवं मिठाई दुकानों में निरीक्षण कर सैंपल जांच की गई। टीम ने मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के साथ तीन दिनों में विभिन्न मिठाई दुकानों, रेस्टोरेंट आदि में कुल 168 फूड सैंपल की जांच की। टीम ने डंगराटोली, लालपुर क्षेत्र के विभिन्न मिठाई दुकानों एवं रेस्टोरेंट की जांच की। साथ ही रिम्स, कचहरी रोड, मेन रोड और कांके रोड के मिठाई दुकानों एवं रेस्टोरेंट के सैंपल की जांच की । इस दौरान जांच में फेल हुए खाद्य सामग्री को नष्ट किया गया। साथ ही संबंधित प्रतिष्ठान को नोटिस तामिला किया गया।

बरियातू में बाइक सवार दो अपराधियों ने महिला के गले से छीना सोने का चेन, हुए फरार, केस दर्ज

PHOTON NEWS RANCHI : बरियातू थाना क्षेत्र स्थित डीएवी स्कूल के सामने महिला अंगशुमिता के गले से बाइक सवार दो अपराधियों ने सोने का चेन छीनकर फरार हो गए। महिला के बयान पर बरियातू थाना में केस हुआ है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह सब्जी खरीद रही थी। तभी बाइक सवार दो युवक मौके पर पहुंचे और चेन छीनकर फरार हो गए। महिला ने शोर मचाया लेकिन दोनों युवक लोगों की पकड़ से काफी दूर निकल गए थे। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से अपराधियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। बरियातू इलाके मेंलगातार छिनतई की घटना से महिलाएं परेशान हैं। बरियातू में हर दूसरे दिन महिलाओं के साथ छिनतई हो रही है। पुलिस ने कोढ़ा गैंग के एक अपराधियों को गिरफ्तार किया था

लेकिन दो फरार हो गए थे। जिस प्रकार घटना को अंजाम दिया गया है उससे लगाता है कि कोढा गैंग के सदस्यों ने घटना को अंजाम दिया है।

रेकी करने के बाद पीछे से दिया घटना को अंजाम

महिला अंगशुमिता ने बयान दिया है कि अपराधियों ने पीछे से घटना को अंजाम दिया है। पुलिस का कहना है कि जिस प्रकार घटना को अंजाम दिया गया है उससे लगता है कि अपराधियों ने पहले रेकी किया इसके बाद महिला के पीछे पहुंचे और चेन छीनकर फरार हो गए। इस वजह से महिला अपराधियों का चेहरा भी नहीं देख पाई।

साइबर अपराधियों ने युवती के खाते से उड़ाए 81 हजार रुपये

RANCHI : नामकुम थाना क्षेत्र स्थित शिव मंदिर के समीप रहने वाली युवती खुशबू कुमार के खाते से साइबर अपराधियों ने 81 हजार रुपये उड़ा लिया। खुशबू के बयान पर नामकुम थाना में केस हुआ है। खुशबू ने पुलिस को बयान दिया है कि उसके मोबाइल पर साढ़े तीन सौ रुपये की निकासी का एसएमएस आया। उसे पता नहीं चला कि पैसा कैसे कटा। खुशबू ने कस्टर केयर का नंबर निकाला और फोन किया। फोन पर बात करने वाले व्यक्ति ने खुशबू को झांसा में लिया और उसके खात से बारी बारी से 81 हजार रुपये निकाल लिया। पुलिस का कहना है कि केस कर दिया गया है। जिस नंबर से खुशबू की बातचीत हुई थी पुलिस उसका डिटेल निकाल रही है।

युवक पर जानलेवा हमला थाना में हुआ केस

RANCHI : लालपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले युवक राहत राज ने डोरंडा थाना में अमन सिंह,प्रणय वर्मा,सुभान चौहान,मोनू कुमार,प्रफुल और अन्य लोगों पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए इनके खिलाफ डोरंडा थाना में केस किया है। राहत राज ने पुलिस को बयान दिया है कि वह डोरंडा इलाके में स्थित कारनिवल में होली मिलन समारोह में शामिल होने गया था। राहत जब बाहर निकला तो आरोपितों ने हमला कर दिया। पुलिस का कहना है कि आरोपितों के पकडने के बाद इस बात का खुलासा होगा कि क्या विवाद था। पुलिस आरोपितों को पकड़ने का प्रयास कर रही है।

होली को लेकर समाहरणालय में हुई केन्द्रीय शांति समिति की बैठक

विवादित गाने बजाने पर होगी कार्रवाई, सोशल मीडिया पर भी रहेगी प्रशासन की पैनी नजर

PHOTON NEWS RANCHI : होली को लेकर केन्द्रीय शांति समिति की बैठक में समिति के सदस्यों को बताया गया कि रैश ड्राइविंग पर लगाम लगाने के लिए चेकनाका की संख्या बढ़ायी जाएगी। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति के साथ पेट्रोलिंग की भी व्यवस्था होगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि तय मानक के अनुसार डीजे का उपयोग करें, विवादित गाने न बजायें, आदेश की अवहेलना करने पर डीजे जब्त कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

रांची समाहरणालय में आयोजित बैठक के दौरान शांति समिति के सदस्यों ने रमजान के दौरान होलिका दहन एवं होली सांप्रदायिक सौहार्द के साथ मनाने की बात कही। समिति के सदस्यों द्वारा शराब दुकानें बंद रखने, आपराधिक प्रवृति के लोगों पर कार्रवाई करने, रैश ड्राइविंग पर लगाम लगाने सहित कई बातें रखी गई। वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा ने बैठक में कहा कि रांची की सांस्कृतिक विरासत काफी अच्छी है। उन्होंने कहा कि हमेशा से रांची में भाईचारे के साथ अच्छे वातावरण में त्योहार संपन्न होते हैं, इस बार भी सभी के सहयोग से त्योहार संपन्न होगा। वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी तरह की आपराधिक गतिविधि की जानकारी ससमय पुलिस को दीजिए, अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में उपस्थित प्रशासन व शांति समिति के लोग। ● फोटोन न्यूज

तय मानक से ज्यादा ध्वनि पर ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाने पर कार्रवाई : बैठक में पुलिस अधीक्षक नगर सह ग्रामीण सुमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि शांति समिति के सदस्यों की ओर से जिन बिंदुओं पर ध्यान आकृष्ट कराया गया है। उस पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बैठक में अनुमंडल दंडाधिकारी सदर, उत्कर्ष कुमार ने कहा कि जरुरत पड़ने पर शांति समिति के सदस्य सदैव उपस्थित रहते हैं।

होली पर्व को लेकर राज्य में रहेंगे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

PHOTON NEWS RANCHI : होली पर्व को लेकर राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। सुरक्षा को लेकर आठ हजार 820 जवान की अतिरिक्त तैनाती की गयी है। इसमें 4500 अतिरिक्त बल और 4320 होमगार्ड के जवान शामिल है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 24 जिलों में कानून-व्यवस्था के लिए जैप, आईआरबी सहित अन्य बलों की तैनाती की है। साथ ही शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस मुख्यालय ने संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। आईजी अभियान ने इससे संबंधित आदेश शनिवार को जारी कर दिया है। साथ ही रांची, हजारीबाग, गिरिडीह, दुमका, जमशेदपुर में रैप की कंपनी भी तैनात रहेगी। पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी की भी तैनाती की गयी है। सभी को दंगा रोधी सुरक्षा उपकरणों से लैस होकर तैनात रहने का निर्देश दिया गया है।

होली पर्व को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

रांची में होली पर्व को लेकर शनिवार को सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान सांप्रदायिक सौहार्द के साथ होली पर्व मनाने के लिए लोगों से अपील की गयी। हिंदपीढ़ी और लोअर बाजार क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। सिटी एसपी ने कहा कि होली पर्व पर हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। फ्लैग मार्च में डीएसपी, थाना प्रभारी सहित कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

नरेंद्र मोदी को विकसित भारत बनाने की चिंता और विपक्ष को सिर्फ मोदी हटाने की चिंता : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के समक्ष लोजपा युवा मोर्चा और अंबेडकर जन संघर्ष मोर्चा, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रंजीत राम और पूर्व आईजी देव बिहारी शर्मा को पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने 8980808080 टोल फ्री नंबर पर पार्टी की विधिवत सदस्यता दिलाई।

मौके पर बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस-झामुमो-राजद के महागठबंधन पर बड़ा हमला

कार्यक्रम में उपस्थित बाबूलाल मरांडी व अन्य कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

बोला। मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विकसित भारत, आत्म निर्भर भारत स्वाभिमानी भारत बनाने की चिंता है। प्रधानमंत्री मोदी पिछले 10 वर्षों से एक दिन भी बिना छुट्टी लिए राष्ट्र सेवा, गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, आदिवासी, दलित, पिछड़े सभी के कल्याण के लिए जुटे हैं। आज भारत का स्वाभिमान-सम्मान दुनिया में बढ़ा है लेकिन यह विकास और गरीबों का उत्थान विपक्ष को बर्दाश्त नहीं।

मरांडी ने कहा कि जिन्होंने वर्षों तक भ्रष्टाचार किया उन्हें ईमानदार देश सेवक सहन नहीं। इसलिए आज सारे भ्रष्टाचारी एकजुट हो रहे। उन्होंने आह्वान किया कि अपने बूथ पर भाजपा को बहुमत दिलाएं। जनता के आशीर्वाद और कार्यकताओं के परिश्रम से तीसरी बार मोदी सरकार का संकल्प पूरा होगा। झारखंड की 14 लोकसभा सीट एवं देश में 400 का आंकड़ा पार होगा।

रंजीत राम ने कहा कि नरेन्द्र मोदी पर देश को ही नहीं दुनिया को भरोसा है। उन्होंने पार्टी की सदस्यता दिलाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का आभार प्रकट किया। साथ ही कहा कि पार्टी को जीत दिलाने के लिए पूरी ताकत से प्रयास करूंगा। पूर्व आईजी देव बिहारी शर्मा ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि बाबूलाल मरांडी के कार्यों को बहुत नजदीक से देखा हूं। उन्होंने पारिवारिक क्षति उठाते हुए भी राष्ट्र और झारखंड की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी। पार्टी को ऐसे नेतृत्व पर भरोसा है।

चुटिया श्रीराम मंदिर में 340 वर्ष पुरानी है होली मनाने की परंपरा

होली के दिन भगवान के विग्रहों की निकलती है झांकी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में नागवंशी राजाओं के काल से पारंपरिक होली मनायी जा रही है। चुटिया श्रीराम मंदिर में होली मनाने की परंपरा करीब 340 वर्ष पुरानी है। फग डोल जतरा मेला समिति के मुख्य संरक्षक विजय कुमार साहू ने बताया कि नागवंशी राजाओं ने 1685 में चुटिया स्थित श्रीराम मंदिर से फगडोल जतरा (झांकी) निकालने की परंपरा शुरू की। उन्होंने बताया कि होली के दिन फगडोल जतरा यानी भगवान के विग्रहों की झांकी निकाली जाती है। जबकि, होली के दो दिन पूर्व से ही अनुष्ठान शुरू कर दिये जाते हैं। सबसे पहले चुटिया में होलिका

दहन होता है। उसके अगले दिन शहर के बाकी जगहों पर होलिका जलायी जायेगी। इस वर्ष 23 मार्च को रात 10 बजे मुख्य पाहन फगुआ काटने की परंपरा पूरी करेंगे। इससे पूर्व शाम 07:30 बजे से फगुआ गीतों का अनुष्ठान शुरू हो जायेगा। इस दौरान पाहन अरंडी की टहनी की पूजा कर होलिका में चढ़ायेंगे। इसके बाद बिना पीछे देखे आगे बढ़ेंगे। इससे पूर्व मंदिर के मुख्य पुजारी पूजा और आरती की विधि करेंगे।

फगडोल जतरा मेला 26 को: चुटिया जतरा मैदान में पारंपरिक फगडोल जतरा मेला 26 को लगेगा। चुटिया में 26 मार्च को होली के दिन पारंपरिक फगुआ होली खेली जायेगी। वृंदावन की तर्ज पर रंगोत्सव मनेगा। जतरा मैदान में सुबह से दोपहर एक बजे तक लीला रंग खेला जायेगा। इस दिन श्री राम मंदिर से भगवान श्रीराम, लखन और माता जानकी डोली में नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे। चुटिया राम मंदिर से दोपहर दो बजे महादेव मंडा लोअर चुटिया मंदिर तक यात्रा निकाली जायेगी। प्राचीन राम मंदिर का मुख्य डोल जतरा चुटिया के तीन अन्य मंदिरों का भ्रमण करेंगे। मुख्य डोल जतरा अपर चुटिया स्थित जतरा मैदान में रखा जायेगा। डोल जतरा मैदान में शाम को मेला लगेगा। इस दौरान लोग एक-दूसरे को अबीर व गुलाल लगायेंगे।

एजेड सर्विसेज का ट्रेडिंग अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित

RANCHI : वैश्विक स्तर पर ट्रेडिंग/मार्केटिंग की खूबियों के बारे में लोगों को अवेयरनेस प्रोग्राम के तहत शिक्षित करने वाली अंतरराष्ट्रीय स्तर का संस्थान एजेड सर्विसेज ने देश-विदेश के बेरोजगार युवाओं के लिए आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में मार्ग प्रशस्त किया है। उक्त बातें शनिवार (23मार्च) को रांची में एजेड सर्विसेज के एजुकेटर ने अवेयरनेस प्रोग्राम के दौरान कही। एजुकेटर ने बताया कि राजधानी स्थित एक होटल में आयोजित अवेयरनेस प्रोग्राम में लोगों को ट्रेडिंग की जानकारियां दी गई। उन्होंने बताया कि एजेड सर्विसेज का मुख्यालय दुबई में है। यह कंपनी वैश्विक स्तर पर ट्रेडिंग-मार्केटिंग से संबंधित अवेयरनेस प्रोग्राम का संचालन करती है। जिसके तहत लोगों को 9 सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद लोग ट्रेडिंग-मार्केटिंग से संबंधित मामलों की जानकारी प्राप्त कर आर्थिक रूप से स्वावलंबी होकर जीविकोपार्जन कर सकते हैं।

अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को अर्पित किए श्रद्धासुमन

PHOTON NEWS RANCHI : शहादत दिवस पर आज सैनिक संस्था राँची महानगर के तत्वावधान में रातू रोड देवी मंडप रोड हेसल सरोवरनगर में वीर शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव जी को याद कर उनके चित्र पर राष्ट्रीय सैनिक संस्था युवा कमांड के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार पुटू ने तिलक, माल्यार्पण,दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उपस्थित सभी लोगों ने बारी बारी से पुष्प अर्पित किया। मनोज कुमार पुटू ने वीर शहीदों की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए देश के प्रति उनके त्याग, संघर्ष,समर्पण एवं बलिदान की गाथा उपस्थित युवा वर्ग एवं बच्चों को बताई। उन्होंने कहा कि आज के युवा शहीदों को भूलते जा रहे हैं। ऐसे में आवश्यक है कि उनमें संस्कार एवं देश के प्रति निष्ठा एवं अपने महापुरुषों

के प्रति श्रद्धा शुरू से ही विकसित की जाए। प्रारंभ से ही अपने महापुरुषों एवं शहीदों की जीवनी पढ़ाई जाए। ताकि उनके हृदय में उनके प्रति आदर श्रद्धा रहे। देश को आगे ले जाने में युवा शक्ति का विशेष योगदान होता है क्योंकि आज की युवा शक्ति कल की राष्ट्र शक्ति है। जो युवा अपने देश को अपने शहीदों को अपने महापुरुषों को जानेंगे उनके हृदय में सदा ही देश भक्ति की भावना गोते लगाते रहेंगी एवं वही सच्ची निष्ठा के साथ राष्ट्र की सेवा करेंगे और देश के उत्थान में अपना विशेष योगदान देंगे।

ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

25 पुड़िया ब्राउन शुगर, एक बाइक व अन्य समान बरामद

। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर की टेल्को थाना पुलिस ने शनिवार को मिलेनियम पार्क के नजदीक ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपितों के पास से 25 पुड़िया ब्राउन शुगर और एक बाइक सहित अन्य समान बरामद हुए हैं।

गिरफ्तार आरोपित में गोविंदपुर थाना क्षेत्र स्थित न्यू बस्ती घोड़ाबंधा निवासी संजय गोराई और बिरसानगर थाना क्षेत्र स्थित ज्ञानदीप स्कूल के नजदीक रहने वाला राजेश तन्तुबाई शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार बीते शुक्रवार को गुप्त सूचना मिली कि टेल्को थाना क्षेत्र के मिलेनियम पार्क के समीप साई मंदिर के पास दो लड़के ब्राउन शुगर की ब्रिकी कर रहे है। सूचना छापेमारी दल मौके पर पहुंच संजय गोराई एवं राजेश तंतुबाई को 25 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ पकडा। बरामद ब्राउन शुगर की बाजार मूल्य 5000 रुपये है। इस संबंध में टेल्को थाना (कांड सं0-27/24) में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

BRIEF NEWS

होली पर कल से सुधा बेचेगी 10 रुपये का दूध

JAMSHEDPUR : बिहार स्टेट मिल्क को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड की इकाई जमशेदपुर डेयरी होली के अवसर पर 10 रुपये में दूध का पैकेट लांच करने जा रही है। जमशेदपुर डेयरी के विपणन प्रभारी डी.. कुंडू ने बताया कि 25 मार्च से 200 एमएल का डबल टोंड मिल्क पैकेट 10 रुपये और 500 एमएल का फुल क्रीम मिल्क 32 रुपये में उपलब्ध होगा। ज्ञात हो कि अब तक बाजार में अमूल का 10 रुपये वाला दूध मिल रहा है, लेकिन कंपनी इसका प्रचार नहीं करती है।

अनुपमा जेम्स बनीं देवगढ़ की नई एसपी

ROURKELA : शनिवार को 2013 बैच की आईपीएस ऑफिसर अनुपमा जेम्स ने देवगढ़ जिला के नए एसपी के तौर पर पदभार संभाल लिया है। निवर्तमान एसपी राम प्रसाद साहू को स्टेट पुलिस हेड क्वार्टर भेजा गया है। अनुपमा जेम्स इससे पहले विजिलेंस एसपी के तौर पर कार्यरत थीं। एसपी अनुपमा को जिला पुलिस मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया था। इस अवसर पर जिले के सभी थाना अधिकारी समेत पुलिस के आला अधिकारी उपस्थित थे।

बीजेडी ने दी पूर्व मंत्री वरिष्ठ नेता डॉ. राउत को श्रद्धांजलि

ROURKELA : ओडिशा में 7 बार विधायक व कई महत्वपूर्ण पदों पर मंत्री रहे डॉ. दामोदर राउत को श्रद्धांजलि दी गई। बीजू जनता दल ने शाम 5 बजे बीजेडी राउरकेला के नगर अध्यक्ष गगन पांडा की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा हुई, जिसमें सबसे पहले अमर आत्मा के लिए दो मिनट का मौन रखा गया, फिर तस्वीर पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर बीजद के वरिष्ठ नेता आनंद चंद्र महंती, जयंत मिश्रा, श्रीचरण महंती, सुरेंद्र कुमार राउत, अग्नि राउत, संतोष नायक, ज्योस्ना नायक, विभूति पुहान, गंगा जेना, रंजीत छोटराय ने अपने विचार रखे। अन्य लोगों में नारायण प्रधान, काबुली प्रतिहारी, प्रियब्रत भंज, सुशांत राउत, पप्पू महंती आदि भी उपस्थित थे।

छात्र बीजेडी के बीरमित्रपुर निर्वाचन क्षेत्र की कमेटी के नामों की हुई घोषणा

ROURKELA : प्रदेश बीजद अध्यक्ष एवं ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की सहमति से प्रदेश छात्र अध्यक्ष देवीरंजन त्रिपाठी ने आज बीरमित्रपुर विधानसभा क्षेत्र के नये कार्यकर्ताओं के नामों की घोषणा की। मोहम्मद इजाज आलम को वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष, चैतन तिबारी को उपाध्यक्ष, सुभद्री बड़ाइक, जिला महासचिव के रूप में विजय कुमार विश्वकर्मा, मोहम्मद साकिब रजा, हिमांशु पंडा, इब्राहिम अंसारी को जिला सचिव, मोहम्मद जीशान आलम, अजय गोप, भगेश्वर पान, उत्कल बड़ाइक, जेम्स लुगुन, अमित कुमार बारिक और रोहित सिंह को रखा गया है। इसी तरह, बीरमित्रपुर निर्वाचन क्षेत्र के 3 ब्लॉकों और नगरपालिका के लिए छात्र अध्यक्षों और कार्यकारी अध्यक्षों की घोषणा की गई है। बिसरा ब्लॉक के अध्यक्ष सदाम खान कार्यकारी दीपक तिर्की, नुआगाव ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र बड़ाइक, कार्यकारी अध्यक्ष अभिषेक केशरी, कुआरमुंडा ब्लॉक अध्यक्ष के लिए सागर कुअर, कार्यकारी अध्यक्ष प्रिंस चौधरी, बीरमित्रपुर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, कार्यवाहक अध्यक्ष प्रसन्न बाग बने।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

एक घाट पर बाघ-बकरी खेलेंगे होली

अब तक आपने बाघ और बकरी के एक ही घाट पर पानी पीने की कहानी सुनी होगी, लेकिन फागुन के बयार में बाघ-बकरी को एक ही घाट पर होली खेलते हुए भी देखेंगे। इसकी शुरूआत हो चुकी है। अपने पुराने खाकीधारी ने ऐसा कर दिखाया है, वह भी अपने ठिकाने पर बुला कर। इसमें कोई बुराई नहीं है। वैसे भी कहा गया है कि होली पर वर्षों पुराने गिले-शिकवे भूलकर लोग संबंधों की नई शुरूआत करते हैं। यदि ऐसे में चार वर्ष से राजनीति की धुरी में छत्तीस का आंकड़ा रहा भी हो, तो क्या हो गया। अक्सर राजनीति के दिग्गज पर्व-त्योहार और शादी-ब्याह में धुर विरोधी के घर जाते हैं कि नहीं। वह तो हम बेवकूफ प्राणी हैं, जो अपने-अपने नेता की पगड़ी उछालने पर चौके-चौराहे पर अपने ही दोस्तों का कॉलर फाड़ देते हैं।

तेंदुआ को मार गिराएंगे निहत्थे वीर

शहर से सटे आदित्यपुर के कंपनी क्षेत्र में पांच-छह दिन से एक तेंदुआ ने आतंक मचा रखा है। हालांकि उसे अभी तक किसी ने अपनी आंखों से नहीं देखा है, लेकिन उसके डर से फैक्ट्री तो छोड़िए, कॉलेज-बाजार तक बंद हैं। अब तो रेलवे ने भी तेंदुए के सम्मान में धीमी गति से ट्रेन चलाने का फैसला कर लिया है। ऐसा नहीं है कि उसे देखने की कोशिश नहीं की जा रही है। अरे जनाब, उससे लड़ने और उसे मार गिराने के लिए लाठी लेकर वन विभाग और प्रशासन के जवान खोज रहे हैं। इसी बीच एक वीडियो वायरल हो जाता है, जिससे ये निहत्थे वीर दिग्भ्रमित हो जाते हैं, वरना ये उसे कब का मार गिराते। दो दिन पहले कोलकाता से कुछ लोग बेहोश करने वाली बंदूक लेकर उसे ढूंढ रहे हैं, लेकिन उसने जैसे कसम खा ली है, सीसीटीवी में ही फोटोसेशन कराता है।

सब्र का फल मीठा होगा,...

कहते हैं सब्र का फल मीठा होता है। होना भी चाहिए। वैसे हम यहां बात कर रहे हैं लोकसभा चुनाव की, जिसमें कोल्हान से झामुमो के धुरंधरों पर नजरें टिकी हैं। फूल वाले दल ने तो इतनी जल्दबाजी दिखा दी कि बेचारा पहलवान घर से ही नहीं निकल रहा है। उसके सामने धर्मसंकट खड़ा हो गया है कि वह बाहर जाकर क्या करेगा। जब अखाड़े में कोई है नहीं, तो किससे कुश्ती लड़े। उधर, घर बैठे तीर-धनुष चमका रहे उम्मीदवारों के मन में बेहिसाब लड्डू फूट रहे हैं। उनके शागिर्द दूसरे खबरचियों को फोन करके पूछ कर रहे हैं, क्या दादा, कौन बन सकता उम्मीदवार। इस देरी की वजह से पंजा लड़ाने की चाहत रखने वालों की छाती पर सांप लोट रहा है। वे चीख-चीखकर अपने आकाओं से गुहार लगा रहे हैं, इस बार टिकट नहीं मिला, तो सोच लीजिए... हाथ ही कट जाएगा।

हम नहीं लड़ रहे... परेशान मत हो..

आमतौर पर चुनाव आते ही सबके कान यह सुनने को तरसने लगते हैं कि कौन कहां से चुनाव लड़ रहा है, लेकिन अपने शहर में एक नई घोषणा सुनने को मिली। चिरपरिचित चाचा को घेरने वालों ने यह हवा उड़ा दी कि चाचा तो कोयलानगरी में हाथ आजमाने जा रहे हैं। किसी ने कह दिया कि वे झारखंड की उस धरती से संसद पहुंचने जा रहे हैं, जहां कोई भी बिना हथियार के लड़ कर विजयी हो जाता है। अब तक का इतिहास यही रहा है। यहां से अब तक जो भी संसद पहुंचे हैं, उनकी पहले से वहां कोई जान-पहचान नहीं थी। वह जंगल वर्षों से राजनीति की उर्वर भूमि रही है, जहां कोई भी बीज फेंक देने पर फसल लहलहा उठती है। चाचा को सफाई देनी पड़ी कि यह विरोधियों की साजिश है, ताकि उनका ध्यान ठंडी-ठंडी पुरवईया बयार से हटाया जा सके। जब यहां ऊंची-ऊंची दीवार थी, तब तो ठंडी सांस ले ली, अब तो मैदान साफ है।

भोजपुरिया साहित्यकारों के होली मिलन में बही काव्य की रसधार

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर भोजपुरी साहित्य परिषद ने शुक्रवार को बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में होली मिलन किया, जिसमें काव्य की रसधार भी बही। इससे पहले नगर के वरीय साहित्यकार शीतल प्रसाद दूबे रचित भोजपुरी कथा संग्रह ह्यअमर कहाँ गइलह्न का लोकार्पण भी हुआ। वासंती काव्य संध्या का आयोजन परिषद प्रवर समिति सदस्य दिनेश्वर प्रसाद सिंह 'दिनेश' की अध्यक्षता तथा प्रधान सचिव डॉ अजय कुमार ओझा के संचालन में हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत वीणा पांडेय भारती के सस्वर सरस्वती वंदना से हुई । इसके बाद रचनाकारों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामना दी । फिर वासंती काव्य पाठ आरंभ हुआ, जिसमें ब्रजमोहन राय देहाती, शीतल प्र. दूबे, यमुना तिवारी 'व्यथित', कैलाशनाथ शर्मा 'गाजीपुरी', हरिहर राय चौहान, शैलेंद्र पांडेय 'शैल', विक्रमा सिंह देहदुब्बर, डॉ उदय प्रताप हयात, निवेदिता श्रीवास्तव, सोनी सुगंधा, वीणा पांडेय 'भारती सहित 48 कवियों ने रचना सुनाई।

काव्य पाठ करतीं कवियीत्री। ● फोटोन न्यूज

इसी क्रम में आठवें भोजपुरी नाट्य महोत्सव' में परिषद द्वारा प्रस्तुत डॉ रसिक बिहारी ओझा 'निर्भीक' कृत नाटक ₹लेस नायक खूब सिंह₹ के कलाकारों को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, सम्मान पत्र तथा स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ नागरिक समिति के अध्यक्ष शिवपूजन सिंह की उपस्थिति में परिषद अध्यक्ष डॉ प्रसेनजित तिवारी ने स्वागत वक्तव्य दिया।

शहीदों के सम्मान में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, जयघोष से गूंजा शहर

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शहीद भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु के शहादत दिवस पर पिछले आठ वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'नमन परिवार' द्वारा शहर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई, जो एग्रिको स्थित ट्रांसपोर्ट मैदान से भालूबासा, साकची व गोलमुरी होते हुए लौटी। इस दौरान शहर की सड़कों पर राष्ट्रीय ध्वज के साथ जनसैलाब ही दिखाई दे रहा था। पूरी यात्रा में शहीदों के सम्मान में जयघोष से पूरा शहर गूंज रहा था।

सुबह करीब 10 बजे नमन के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले के नेतृत्व में निकली इस यात्रा में कई गणमान्य हस्तियां शामिल हुईं। इनमें सांसद विद्युत वरण महतो, विधायक सरयू राय के अलावा रामाश्रय सिंह, राकेश्वर पांडे, लक्ष्मण टुडू, कुणाल सारंगी, शिवशंकर सिंह, अजय सिंह, विकास सिंह, विनोद सिंह, गुरमीत सिंह तोते, आरके सिंह, भगवान सिंह आदि भी शामिल थे। यात्रा की समाप्ति के बाद एग्रिको मैदान में भोग वितरण किया गया। ज्ञात हो कि भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु की शहादत 23 मार्च 1931 को हुई थी, लेकिन यह तिरंगा यात्रा 2016 से निकल रही है। इसकी शुरूआत तब हुई थी जब जेएनयू में भारत तेरे टुकड़े होंगे... के नारे लगे थे।

। ● फोटोन न्यूज

होली से गुलजार हुआ बाजार

PHOTON NEWS ROURKELA : इस्पात नगरी के बाजार होली के उल्लास से गुलजार हो गए हैं। खासकर, रंगों एवं पिचकारी की बिक्री जोरों पर है। इस बार होली को लेकर दुकानदार हर्बल रंग को लेकर ग्राहकों को ज्यादा प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि ब्रांडेड हर्बल कलर लगाने से साइड इफेक्ट नहीं होने के साथ-साथ शरीर पर इस रंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इस बार बाजार में हर्बल रंग ?40 से लेकर 200 रुपये पैकेट तक बिक रहे हैं। वहीं राउरकेला शहर में ब्रांडेड गुलाल भी बिक रहे हैं। गुलाल रंग एवं पिचकारी की बिक्री जोरों पर है। 20 से लेकर 500 रुपये तक की पिचकारी शहर में बिक रही है। इस बार दुकानदार कोलकाता, रायपुर एवं उत्तर प्रदेश से रंग गुलाल अबीर पिचकारी लाकर बिक्री कर रहे हैं।

राउरकेला शहर में होली को लेकर खासकर डेली मार्केट, ट्रैफिक मार्केट, बसंती कॉलोनी मार्केट, पानपोष मार्केट, सेक्टर-19 गजपति मार्केट, आमबगान, सेक्टर-5 मार्केट समेत शहर के अन्य बाजारों में रंगों की बिक्री जोरों पर है। राउरकेला शहर में 24 तारीख की रात 11 बजे के बाद होलिका दहन किया जाएगा। इसे लेकर राउरकेला शहर में रंगों की दुकान सजाने के साथ ग्राहक रंग अबीर गुलाल खरीदते दिखाई दे रहे हैं। आज होली को लेकर राउरकेला शहर के बाजार में रंग की दुकानों में ग्राहकों की भीड़ देखने को मिली।

कांग्रेस ने जारी किया पांच सूत्री गारंटी घोषणा पत्र

PHOTON NEWS ROURKELA : जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से शनिवार को 5 सूत्री गारंटी घोषणा पत्र जारी किया गया, जिसमें गरीबों, किसानों, छात्रों, युवाओं, महिलाओं व छोटे व्यापारियों के कल्याण की बात कही गई है। संवाददाता सम्मेलन में एआईसीसी ओडिशा के अध्यक्ष अजय कुमार और पीसीसी अध्यक्ष शरत पटनायक ने कहा कि इनमें गृह ज्योति के माध्यम से घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट बिजली बिल मुफ्त, युवाओ के विकास, 5 लाख युवा महिलाओं के लिए रोजगार कानून और बेरोजगारों को 3,000 रुपये का बेरोजगारी भत्ता शामिल है। तीसरी गारंटी में किसान को प्रति क्विंटल धान पर 3,000 रुपये का बोनस, कृषि ऋण माफी, किसानों को 2,000 रुपये की मासिक पेंशन शामिल है। चौथी गारंटी में महिलाओं के लिए गृहलक्ष्मी गारंटी है, जिसमें महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए बैंक ऋण माफी, महिलाओं को 2,000 रुपये का मासिक भत्ता, आदिवासी और उत्पीड़ित महिलाओं को 3,000 रुपये का मासिक भत्ता, 500 रुपये प्रतिमाह गैस सिलेंडर शामिल है। पांचवीं गारंटी में 25 लाख रुपये तक बीमा के जरिए मुफ्त इलाज शामिल है। वृद्धावस्था भत्ता, विधवा भत्ता और विकलांगता भत्ता 2000 रुपये प्रतिमाह। चिटफंड प्रभावित जमाकताओं को 6 महीने के भीतर ब्याज सहित जमा राशि वापस कर देना है। शिक्षा एवं रोजगार में पिछड़े वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण। आदिवासियों और दलितों को अपनी जमीन और जंगल की जमीन पर पूरा अधिकार है। 100 दिनों के अंदर पेसा कानून को सख्ती से लागू किया जाएगा।

घाषणा पत्र जारी करते कांग्रेसी। ● फोटोन न्यूज

दुर्घटना को आमंत्रण देते नुकीले ग्रिल

PHOTON NEWS ROURKELA : छेंड कॉलोनी में सड़क के मध्य डिवाइडर के रूप में लगाए गए नुकीले लोहे के ग्रिल दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे हैं। सड़क के बीच लगे इन ग्रिल के ऊपरी हिस्से में नुकीले लोहे की वजह से राहगीरों की जान पर खतरा बना रहता है। सड़क दुर्घटना होने पर बाइक या अन्य वाहन सवार अक्सर ग्रिल से टकरा जाते हैं तथा इसके नुकीले हिस्से से चोट लगने पर गंभीर रूप से घायल भी हो जाते हैं। ऐसी एक घटना शनिवार की शाम बीएसएनल चौक के निकट देखने को मिली, जब एक मोटरसाइकिल के सामने अचानक एक कुत्ता आ गया। इससे बाइक चालक ने संतुलन खो दिया एवं सीधे ग्रिल से जा टकराया। ग्रिल के नुकीले हिस्से से हाथ व शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोट आ गई। यह देख स्थानीय लोगों ने बाइक चालक को उठाकर पानी पिलाया एवं अस्पताल भेजा। डिवाइडर के रूप में लगे ग्रिल के नुकीले हिस्से को काटने की मांग स्थानीय लोग कर रहे हैं, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना की संभावना को टाला जा सके।

श्री त्रिनाथ मंदिर अखाड़ा में 12 वर्ष से निकल रही रामनवमी शोभायात्रा

श्री त्रिनाथ मंदिर अखाड़ा कमेटी के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : आगामी 17 अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर राउरकेला के सभी अखाड़ा कमेटियों द्वारा भव्य शोभा यात्रा निकालने की तैयारी शुरू कर दी गई है, जिसमें गांधी रोड स्थित श्री त्रिनाथ मंदिर अखाड़ा कमेटी की ओर से भव्य शोभा यात्रा निकलने को लेकर कार्यकताओं ने रूपरेखा तैयार की है। अखाड़ा के अध्यक्ष जसविंदर सिंह गोल्डी ने बताया कि इस वर्ष त्रिनाथ मंदिर अखाड़ा 13वें वर्ष पर शोभायात्रा में बाबुलगांव महाराष्ट्र से ढोल पार्टी को बुलाया जा रहा है। हनुमान की भव्य प्रतिमा तैयार की जा रही है। नवरात्र की शुरूआत 9 अप्रैल से हो जाएगी। इसके साथ ही मंदिर को लाइट से सजा दिया जाएगा। नौ दिनों तक मंदिर परिसर में मां दुर्गा का आह्वान किया जाएगा। कन्या पूजन एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। 17 अप्रैल को नवमी के दिन झंडा पूजन किया जाएगा तथा 18 अप्रैल को शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इसके अलावा कोलकाता के कारीगरों द्वारा भव्य बोर्ड निर्माण का कार्य भी चल रहा है। शोभायात्रा में इस बार विशेष रूप से अन्य प्रदेशों से आए कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक झांकियां तथा करतब दिखाए जाएंगे। इस मौके पर अध्यक्ष व सचिव विनय सिंह के अलावा मने सिंह, दारा सिंह, संतोष सिंह, राजकुमार पटनायक, बिंटू सिंह, सुखविंदर सिंह, क्रांति गुरमीत सिंह, बंटी, छबे सिंह, जेजे, राजू उस्ताद, भाग्य मिस्त्री, रवि सिंह, नीरज शर्मा, विमल शर्मा, गोलू, सुभाष प्रसाद, शंकर लाल, बाबी सिंह, विकास शर्मा सहित सभी कार्यकर्ता को विभिन्न जिमेदारी सौपी गई है।

68वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए एन. चंद्रशेखरन, मिला सर जहांगीर घांदी मेडल फॉर इंडस्ट्रियल एंड सोशल पीस, बोले-

2030 तक 70 प्रतिशत ग्रीन एनर्जी का करेगा इस्तेमाल टाटा ग्रुप

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : एक्सएलआरआइ का 68वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में टाटा स्टील इंडिया एंड साउथ ईस्ट एशिया के एमडी सह एक्सएलआरआइ के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स टीवी नरेंद्रन उपस्थित थे। इस अवसर पर एक्सएलआरआइ से पास आउट होने वाले 551 विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट दिया गया। इसमें 14 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल मिला। दौरान कार्यक्रम के दौरान एन. चंद्रशेखरन को प्रतिष्ठित "सर जहांगीर घांदी मेडल फॉर इंडस्ट्रियल एंड सोशल पीस" से सम्मानित किया गया। मौके पर एन चंद्रशेखरन ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के विकास के लिए यह गोल्डेन टाइम है। हम विश्व गुरु बनने की राह पर हैं। देश का विकास दर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इस दौर में कॉलेज से पास आउट होकर निकलने वाले विद्यार्थियों के सामने अच्छा मौका है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर तेजी से बदलाव हो रहा है। ग्रीन एनर्जी, टेलकॉम सेक्टर, एआइ, मशीन लर्निंग, सप्लाई चेन मैनेजमेंट ये तमाम सेक्टर हैं, जहां सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। कहा कि टाटा ग्रुप ने हाई-टेक चिप विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने जा रही है। जिसे गुजरात में धोलेरा के विशेष औद्योगिक क्षेत्र में ताइवान के पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्प के साथ साझेदारी में स्थापित किया जायेगा। इससे करीब 70,000 रोजगार भी मिलेंगे। उन्होंने टाटा ग्रुप द्वारा किये जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों से जुड़ी जानकारी भी उन्होंने दी। इस मौके पर एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज एसजे, एक्सएलआरआइ के डीन एकेडमिक्स प्रो डॉ संजय पात्रो, डीन एडमिनिस्ट्रेशन फादर डोनाल्ड डिसूजा समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी व अभिभावक मौजूद थे। इस दौरान फैकल्टी, नॉन टीचिंग स्टाफ व मेंटेनेंस स्टाफ को लगातार 15 वर्ष व 25 साल तक सेवा देने के लिए उन्हें लांग सर्विस मेडल से नवाजा गया।

एन चंद्रशेखर ने कहा कि टाटा ग्रुप ग्रीन एनर्जी की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। लिथियम आयन बैटरी बनाने के लिए 20 गीगावॉट की गीगाफैक्टरी शुरू की गयी है। भारत सेमीकंडक्टर के मामले में पूरी तरह दूसरे देशों से किए गए आयात पर निर्भर है। आने वाले समय में भारत में सेमीकंडक्टर की खपत जोरदार होने वाली है। कहा कि हम इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बढ़ती मांगों को पूरा कर सकेंगे। नटराजन चन्द्रशेखरन ने कहा कि टाटा ग्रुप 3295 डिफेंस एयरक्राफ्ट भी बना रहे हैं। शुरूआत में वडोदरा में और फिर धोलेरा में और यह काम तेजी से चल रहा है। टाटा ग्रुप में इलेक्ट्रिक कारों पर काम किया जा रहा है। इस साल कुछ प्रोडक्ट्स मार्केट में दस्तक दे सकते हैं। फिलहाल इलेक्ट्रिक कारों की मार्केट हिस्सेदारी के मामले में टाटा मोटर्स भारत में सबसे आगे है।

। ● फोटोन न्यूज

35 साल पहले चीन कोई ताकत नहीं थी, आज हम चाईना को पीछे छोड़ने की ताकत रखते हैं : टीवी नरेंद्रन

मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में टाटा स्टील इंडिया एंड साउथ ईस्ट एशिया के एमडी सह एक्सएलआरआइ के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स टीवी नरेंद्रन ने कहा कि छात्र जीवन के दौरान जो भी बातें सीखी जाती है, उसका व्यावहारिक जीवन में सकारात्मक तरीके से इस्तेमाल करें। कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। कहा कि आज से 34 साल पहले जब वे ग्रेजुएट हुए थे, तब देश में सिर्फ चार आइआइएम थे। उस वक्त चाइना कोई फैक्टर नहीं था, लेकिन आज स्थिति बदली हुई है। टीवी नरेंद्रन ने कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, यही गति रही तो हम विकास के मामले में चाईना को भी पीछे छोड़ सकते हैं। उन्होंने जीयो पॉलिटिकल परिस्थिति में क्लाइमेट चेंज पर भी अपनी बातों को रखा।

किस कोर्स के कितने स्टूडेंट हुए ग्रेजुएट

- फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट- 13
- ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट- 176
- बिजनेस मैनेजमेंट- 209
- जेनरल मैनेजमेंट (15 माह प्रोग्राम) - 113
- पीजीडीएम इन मैनेजमेंट (इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योर)- 40

एकेडमिक एक्सीलेंस के लिए इन्हें मिला मेडल :

- बेस्ट ऑल राउंड स्टूडेंट- नंदिनी गोयल
- बेस्ट ऑल राउंड वीमेन स्टूडेंट- नंदिनी गोयल
- आउटगोइंग एफपीएम स्टूडेंट- गरिमा मल्लिक
- हाइयेस्ट सीक्यूपीआइ एचआरएम- मयंक नागपुरकर
- सेकेंड हाइयेस्ट सीक्यूपीआइ एचआरएम- प्रतिपन्ना अनुभव
- हाइयेस्ट सीक्यूपीआइ बीएम- केसीराजू लोकेश
- सेकेंड हाइयेस्ट सीक्यूपीआइ बीएम- श्रीनिवास एस
- हाइयेस्ट सीक्यूपीआइ जीएमपी- अनुराग कुमार
- एक्सएलआरआइ मेडल फॉर सोशल इनिशिएटिव- महक शर्मा, अर्जुन पांडे, अमन वर्मा, धनंजय गजानन कदम, कार्तिका वी जे, मनीषा मंडल।

आवारा कुत्तों के झुंड ने भेड़ों पर किया हमला 67 की मौत

बिहार। स्थानीय नगर पंचायत के वॉर्ड दो स्थित गंगवलिया वन के समीप गुरुवार की देर रात 18 से 20 आवारा कुत्तों के झुंड ने समूह में सो रही भेड़ों पर हमला कर दिया। जिससे 57 भेड़ों की मौत कुछ ही देर में हो गई। 10 भेड़ों की मौत शुक्रवार को समय से इलाज नहीं मिलने के कारण हो गई।अभी डेढ़ दर्जन भेडें. गंभीर बताई जा रही हैं और सभी भेड़ स्थानीय वार्ड तीन निवासी चिरकुट पाल की बताई गई हैं। भेड़ों का बीमा नहीं होने से लगभग आठ से 10 लाख से

अधिक का नुकसान हुआ है। जिले में अवारा कुत्तों के झुंड का इस तरह का पहला हमला बताया जाता है। भेड़पालक के पुत्र सोनू पाल ने बताया कि लगभग दो सौ भेड़ों को चराने के बाद वे नदी किनारे गंगवलिया वन के समीप खेत में भेड़ों को एक जगह कर अपने भी तिरपाल लगा सो गए थे। रात लगभग एक बजे 18 से 20 अवारा कुत्तों का झुंड भेड़ों पर हमला कर दिया। कई भेड़ें बच्चा देने वाली थी, जिन्हें कुत्तों ने काटकर जख्मी कर दिया। बताया कि वे और उनके साथ एक व्यक्ति और थे जो कुत्तों को किसी तरह भगाने में कामयाब हुए। भय था कि कुत्ते उन पर भी हमला नहीं कर दें। घटना की सूचना घर पर दी गई, जिसके बाद लोग पहुंचे। इस क्रम में 90 भेड़ों को कुत्तों ने नोच डाला था। रात में चिकित्सीय सुविधा के अभाव में 57 भेड़ों की मौत हो गई। भेड़पालक ने बताया कि इसकी सूचना स्थानीय पशु चिकित्सा पदाधिकारी को दी गई, इसके बावजूद भी वे समय पर नहीं पहुंच सके। दिन में पशु अस्पताल के चिकित्सक आए तो उनके पास एंटि रैबिज दवा नहीं थी। बाजार में पांच सौ से कम में नहीं मिल पा रहा था। चिकित्सक के एक सहयोगी के प्रयास से 15 सौ में 10 एंटिरैबिज इंजेक्शन लगाया गया। उसमें से भी आज 10 भेड़ों ने दम तोड़ दिया। सोनू ने बताया कि भेड़ों का बीमा नहीं हुआ था। इस बारे में किसी अधिकारी ने कोई जानकारी भी हम भेड़ पालकों को नहीं दी है। एक भेड़ की कीमत 12 से 15 हजार रुपये तक है। आठ से 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। भेड़ों की मौत से भेड़ पालक परिवार सदमे में है। पशु चिकित्सा पदाधिकारी डा.आशुतोष कुमार सुमन ने दो दर्जन भेड़ों की मौत की पुष्टि की है। बताया कि सात भेड़ों का इलाज चल रहा है, जिनकी स्थिति गंभीर है। मृत भेड़ों का पोस्टमॉर्टम भी नहीं कराया गया। लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में पकड़ने की मांग की है।

पिछले 25 साल से गया पर मांझी का कब्जा

गया। संसदीय क्षेत्र में पिछले 25 साल से मांझी प्रत्याशी ही जीत दर्ज कर रहे हैं। उम्मीदवार भी ज्यादा मांझी समुदाय से ही होते हैं। इसकी दो वजह है। पहली यह सीट रिजर्व है। दूसरी यहां बड़ी आबादी मांझी समुदाय की है। इस बार गया सीट एनडीए में हम के खाते में गई है। जीतम राम मांझी खुद चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। गया में करीब 14 फीसदी मांझी हैं। वहीं, महागठबंधन की ओर से राजद ने पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत को उम्मीदवार बताया गया है। इस बार लालू प्रसाद ने ट्रेंड बदल दिया है। उन्होंने मांझी समुदाय को छोड़ कर पासवान जाति से आने वाले सर्वजीत को प्रत्याशी बनाया है। गया लोकसभा में मतदाता की कुल आबादी करीब 18,13000 है। इसमें सबसे ज्यादा यादव मतदाता 2,73,144 है। जबकि दूसरे पायदान पर मांझी समाज की है। इनके मतदाताओं की संख्या 2,49,988 है। इसके बाद तीसरे नंबर पर मुसलमान हैं। इसके मतदाताओं की संख्या 2,24,685 है। इसके बाद ही जनरल जाति का नंबर आता है। इस लोकसभा क्षेत्र में चुनाव के दौरान कोई भी मुद्दा नहीं रहता है। रिजर्व सीट होने के कारण हर बार एससी कैंडिडेट को चुन कर खड़ा किया जाता है। यहां किसी भी पार्टी का उम्मीदवार जनता के मुद्दे पर बात करता नहीं दिखता है। गया संसदीय क्षेत्र 1967 से रिजर्व सीट घोषित है। इससे पूर्व यह सामान्य सीट था। यही वजह रही कि शुरू के तीन लोकसभा चुनाव 1952 से लेकर 1962 तक सामान्य वर्ग के कैंडिडेट ब्रजेश्वर प्रसाद ने इंडियन नेशनल कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल की थी। वे तीन बार गया से सांसद रहे थे। इसके बाद से यह सीट अतिपिछड़ा वर्ग के कोटे में चला गया। गया को पौराणिक धर्म नगरी भी है। सनातनी और बौद्ध धर्मावलम्बी का केंद्र रहा है। इसे बिहार की धार्मिक राजधानी भी कहा जाता है। गया जी भगवान विष्णु की मोक्ष नगरी है तो भगवान बुद्ध के ज्ञान की नगरी बोधगया भी।

राजद ने कर लिया महागठबंधन का सीट बंटवारा

बिहार। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा था कि एक दो दिन में महागठबंधन में सीटों का बंटवारा हो जाएगा। लेकिन, महागठबंधन में सीट शेयरिंग की औपचारिक एलान से पहले राष्ट्रीय जनता दल ने कई सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम फाइनल कर दिया है। कहा जा रहा है कि अन्य दलों को छोड़कर जो भी लालू प्रसाद की शरण में आ रहा है वह सिंबल लेकर जा रहा है। इतना ही नहीं राजद ने इन्हें सिंबल भी दे दिया। बताया जा रहा है कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की बेटी

रोहिणी आचार्या और मीसा भारती भी इस बार चुनाव लड़ेंगी। रोहिणी को छपरा और मीसा को पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से राजद चुनाव लड़ाने की तैयारी कर रहा। इससे पहले राजद ने सुरेंद्र यादव को जहानाबाद, आलोक मेहता को उजियारपुर, अशोक महतो की पत्नी अनिता देवी को मुंगेर, अभय कुशवाहा को औरंगाबाद, कुमार सर्वजीत को गया और अर्चना रविदास जमुई से सिंबल दे दिया है। इनमें से कई नेताओं की तस्वीर लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव के साथ सिंबल लेते हुए दिखी। एक दिन पहले उपमुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद पर जमकर हमला बोला था। सम्राट चौधरी ने कहा था कि टिकट बेचने में लालू प्रसाद यादव ने अपनी बेटी को भी नहीं छोड़ा। पहले अपनी बेटी की किडनी ली और उसके बाद लोकसभा चुनाव का टिकट दे दिया। तंज कसते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि जो अपनी बेटी को भी नहीं छोड़ा हो, उसका नाम है लालू प्रसाद यादव। वह टिकट बेचने में माहिर खिलाड़ी हैं।

राहगीर को ठोकर मार भाग रहे थे स्विफ्ट सवार हड़बड़ी में बोलेरो से भिड़ंत

लखीसराय। में शुक्रवार रात स्विफ्ट और बोलेरो में टक्कर हो गई। हादसे में एक की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। इसमें पांच छात्राएं शामिल हैं। स्विफ्ट में मृतक सहित 6 लोग सवार थे। जो गढ़ी बिशनपुर से लड़की की विदाई कराकर खुटूकपार पर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में स्विफ्ट ने बुजुर्ग राहगीर कपिल यादव को टक्कर मार दी। बुजुर्ग को ज्यादा चोट नहीं लगी। जिसके बाद स्विफ्ट चालक हड़बड़ा गया और भागने लगा। इसी दौरान बोलेरो से टक्कर हो गई। बोलेरो में बिहार दिवस महोत्सव

कार्यक्रम में शामिल होकर कस्तूरबा स्कूल की छात्राएं हॉस्टल जा रहीं थीं। बोलेरो पर 5 छात्राएं बैठीं थीं। एक चालक था। घटना में स्विफ्ट और बोलेरो सवार घायल हो गए। हादसा नगर थाना क्षेत्र के गढ़ी चौक के समीप का है। घायल छात्रों की पहचान लखीसराय जिले के पीरि बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बंगाली बांध निवासी खुशबू कुमारी, सुनीता कुमारी, नेहा कुमारी, संगीता कुमारी, ममता कुमारी के रूप में हुई है। इसके अलावा बोलेरो ड्राइवर कृष्ण बल्लभ भी घायल हैं। वहीं, स्विफ्ट पर सवार घायलों में सुनील कुमार, बादल कुमार, विशाल कुमार, कंचन कुमारी शामिल हैं। मृतक कार ड्राइवर पिंटू कुमार है। पुलिस और स्थानीय लोगों ने बोलेरो में सवार सभी घायल छात्रों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही स्विफ्ट कार पर सवार सभी व्यक्तियों की गंभीर स्थिति को देखते हुए लखीसराय सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान कार ड्राइवर पिंटू कुमार की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डीएम-एसपी सदर अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल-चाल जाना। स्विफ्ट वाले सदर अस्पताल में भर्ती हैं और बोलेरो वालों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। एसपी पंकज कुमार ने बताया कि बिहार दिवस महोत्सव से कार्यक्रम खत्म कर छात्रों को बोलोरो से उनके हॉस्टल भेजा जा रहा था।

बैग में था 3 सेंटर का पैसा बाइक को ओवरटेक कर गन प्वाइंट पर घटना को दिया अंजाम

पूर्णिया। में बाइक सवार बेखौफ बदमाशों ने एसबीआई के सीएसपी संचालक से गन प्वाइंट पर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। हथियारों से लैस बदमाश सीएसपी संचालक से 11 लाख 82 हजार लूटकर फरार हो गए। संचालक रइकब्रांच से 3 सेंटर का पैसा लेकर लौट रहे थे तभी बाइक सवार बदमाशों ने बाइक को ओवरटेक रोका और हथियार दिखा पैसे से भरा बैग लेकर फरार हो गया। बदमाशों ने लूट की इस वारदात को कसबा थाना क्षेत्र के मिलन चौक के समीप अंजाम दिया। वहीं, लूट की घटना की जानकारी मिलते ही

पुलिस मौके पर पहुंची। बदमाशों की धड़ पकड़ के लिए कसबा थाना क्षेत्र के बॉर्डर को सील कर दिया है। पीड़ित सीएसपी संचालक की पहचान जलालगढ़ थाना क्षेत्र के बोचगांव पंचायत के जलकर गांव निवासी मो. आसिफ के रूप में हुई है। पीड़ित मो आसिफ डुमरी चौक पर एसबीआई की सीएसपी चलाते हैं। घटना की जानकारी देते हुए सीएसपी संचालक मो. आसिफ ने बताया कि वे शुक्रवार शाम भारतीय स्टेट बैंक के कसबा शाखा से 6 लाख 18 हजार कैश बैग में सीएसपी सेंटर लौट रहे थे। इस कैश बैग में मो. काशिफ के 3 लाख 17 हजार और बोचगांव के सीएसपी संचालक मो नश्तर के 2 लाख 47 हजार एक सौ रुपए को मिलाकर कुल 11 लाख 862 हजार एक सौ रुपए रखे थे। इसी बीच मिलनचौक के समीप पल्सर बाइक पर सवार हथियार से लैस दो बदमाश आ धमके। उनकी बाइक को ओवरटेक किया और फिर अपनी बाइक उनके आगे लाकर खड़ी कर दी। जब तक वे कुछ समझ पिस्टल निकालकर गन प्वाइंट पर बैग में रखे 11 लाख 862 हजार रुपए की लूट कर ली। बदमाश कैश बैग लेकर भाग निकलें। जब तक उन्होंने शोर किया और मौके पर लोगों की भीड़ जुटी बदमाश काफी दूर निकल चुके थे। घटना के फौरन बाद उन्होंने कॉल कर पुलिस को घटना की सूचना दी। जिसके बाद कसबा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। खुलासा कर लिया जाएगा।

100 से ज्यादा की स्पीड में टकराई 2 कार

पटना। में शनिवार सुबह साढ़े 9 बजे सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 9 लोग घायल बताए जा रहे हैं। बिहटा थाना के परेव गांव के पास 100 किमी प्रति घंटे से भी ज्यादा की रफ्तार से फोर लेन पर 2 कार में आमने-सामने भिड़ंत हुई। हादसे में कार सवार 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंच चुकी है। बिहटा आरा मुख्य मार्ग में सह थाना क्षेत्र के परेव गांव के पास ये हादसा हुआ, जहां फोर लेन ऑल्टो और क्रेटा में टक्कर हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑल्टो के परखच्चे उड़ गए। जानकारी के मुताबिक कोइलवर में क्रेटा पटना से आरा जा रहा थी,जबकि ऑल्टो आरा से

पटना आ रही थी। क्रेटा रॉन्ग साइड से आ रही थी। इस वजह से टक्कर हुई। बताया जा रहा है कि ऑल्टो कार में महिला थी, जो होली में अपने मायके जा रही थी। कार में उसका दुपट्टा और दूसरे सामान बिखरे पड़े हैं। घटना में कार सवार नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज अस्पताल में भर्ती कराया है।

लगातार छठवीं बार देश में सबसे पहले रिजल्ट मुजफ्फरपुर के कई छात्र हो सकते टॉपर्स लिस्ट में

बिहार। बोर्ड आज 12वीं कक्षा की परीक्षाओं का रिजल्ट जारी करेगा। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार और बोर्ड के अध्यक्ष आनंद किशोर दोपहर डेढ़ बजे रिजल्ट जारी करेंगे। ये 6वीं बार है, जब बिहार ने देश में सबसे पहले रिजल्ट जारी किया है। बिहार बोर्ड इंटर परीक्षा के लिए इस साल कुल 13 लाख 4 हजार 352 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें से छात्रों की संख्या 6 लाख 77 हजार 921 है और छात्राओं की संख्या 6 लाख 26 हजार 431 है। काफी समय से ये छात्र अपने रिजल्ट का इंतजार कर रहे थे। 1 फरवरी से 12 फरवरी तक परीक्षा का आयोजन किया गया था। इंटर रिजल्ट जारी करने के पहले बिहार बोर्ड की ओर से 12वीं के कई छात्राओं का इंटरव्यू लिया गया। बुधवार और गुरुवार को मुजफ्फरपुर जिले के इंटर के

परीक्षार्थियों को पटना बुलाया गया था। उनसे फिजिक्स से जुड़े कई तरह के सवाल किए गए थे। केमिस्ट्री के भी सवाल किए गए थे। मुजफ्फरपुर जिले से कई छात्र टॉपर लिस्ट में शामिल हो सकते हैं। पिछले साल यानी 2023 में बिहार बोर्ड 12वीं के रिजल्ट 83.70 प्रतिशत रहा था। वहीं लड़कियों ने लड़कों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया था। साल बिहार बोर्ड के रिजल्ट में विज्ञान के 8 टॉपर्स में से 4 महिलाएं थीं। कला स्ट्रीम में 8 टॉप छात्रों में से थीं।

7% आबादी को साधने की कोशिश

बिहार। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद की नजर कुशवाहा वोट बैंक पर है। शायद यही वजह है कि उन्होंने पहले चरण के लोकसभा चुनाव के लिए जो सिंबल बांटा उसमें दो कुशवाहा समाज से आते हैं। आपको याद होगा सिंबल बांटने से कुछ दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी खेती-किसानी करती हुईं नजर आई थीं। खेत में मूली उखाड़ते हुए उनका वीडियो काफी देखा गया था। तब राबड़ी देवी ने कुशवाहा या कोयरी समाज को मैसेज देने की कोशिश की थी कि उनका जुड़ाव खेती-किसानी से खूब है। लालू प्रसाद ने राजपूत बहुल इलाका औरंगाबाद से अभय कुशवाहा, नवादा से श्रवण कुशवाहा को सिंबल दिया है। जानकारी है कि उजियारपुर से

आरजेडी के आलोक मेहता चुनाव लडेंगे। बता दें बीजेपी कुशवाहा वोट बैंक पर खासा फोकस कर रही है। बीजेपी ने उपेन्द्र कुशवाहा जैसे कुशवाहा के बड़े नेता को तो एनडीए में रखा ही साथ ही, वहां बिहार प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी को डिप्टी सीएम का पद भी सत्ता में दिया। बात जेडीयू की करें तो वहां बिहार प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा हैं। यानी कुशवाहा राजनीति सत्ता पक्ष में इस तरह से है कि लालू प्रसाद इसकी ताकत को इग्नोर नहीं कर सकते। तेजस्वी यादव को यह दिखाना भी है कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल सिर्फ यादव और मुसलमान की पार्टी नहीं है बल्कि अ टू ` या इअअढ की पार्टी भी है। इअअढ का मतलब है- बहुजन, अगड़ी, आधी आबादी और गरीब। बिहार जाति सर्वे में कोयरी और कुर्मी मिलाकर 7 फीसदी हैं। यानी यह वोट बैंक चुनाव परिणाम को प्रभावित करने की ताकत रखता है। बता दें कुशवाहा की उत्पत्ति राम-सीता के बेटे कुश से मानी जाती है। इसलिए इस जाति के लोग खुद को राम का वंशज भी मानते हैं। ब्राह्मण, भूमिहार और राजपूत भी खुद को किसान कहते हैं, लेकिन उनकी किसानी और कुशवाहा समाज की किसानी में फर्क है। अगड़ी जातियों के पास जमीनें ज्यादा भले हैं लेकिन असली खेती कोईरी- कुर्मी और अन्य जातियां ही बिहार में कर रही हैं। भूमि सुधार आयोग की रिपोर्ट में भी इसका जिक्र है दिखता है कि बिहार में बटाई पर खेती करने वाले किसान ही ज्यादा हैं। कुशवाहा समाज से सबसे बड़े नेता हुए जगदेव प्रसाद। नए दौर के नेताओं में सम्राट चौधरी और उपेन्द्र कुशवाहा का बड़ा नाम है। सम्राट डिप्टी सीएम भी हैं। आरजेडी में आलोक मेहता कुशवाहा समाज से बड़े नेता हैं। पढ़े-लिखे नेताओं में प्रेम कुमार मणि का भी नाम है लेकिन उन्होंने लालू प्रसाद को लंबा नसीहत भरा पत्र लिखकर आरजेडी से त्याग पत्र दे दिया था, वे अब नीतीश कुमार के साथ भी नहीं हैं। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता कुंतल कृष्ण कहते हैं कि लालू प्रसाद और आरजेडी के शासन काल में कुशवाहा समाज और बिहार के अन्य पिछड़े और अति पिछड़े के साथ ज्यादती हुई, परेशान किया गया। आरजेडी एमवाई और भूरा बाल साफ करने वाली पार्टी है। कुशवाहा समाज को किसी दल ने अगर बिहार में सम्मान दिया है तो बीजेपी ने दिया है। सम्राट चौधरी को डिप्टी सीएम बनाया। लालू प्रसाद वोट के लिए किसी भी समाज को अपना बनाने लगते हैं। लालू प्रसाद की प्राथमिकता एमवाई है। वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार कहते हैं कि लालू प्रसाद ने एक साथ तीन नेताओं को उम्मीदवार बनाकर मचा दी है।

संक्षिप्त डायरी

रामनगर में कलाकारों ने जमकर लगाए ठुमके झांकी रहा आकर्षण का केंद्र

बगहा। के रामनगर संस्कृत पाठशाला के प्रांगण में शुक्रवार की रात रंगारंग होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। शहर के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। होली मिलन समारोह के दौरान भक्ति गीत के साथ बरसाने की होली की झांकी प्रस्तुत की गई। कलाकारों ने राधा और कृष्ण की वेशभूषा धारण कर अपने कल के माध्यम से होली की रूपरेखा दशार्यी। साथ ही भोजपुरी और हिंदी गीत पर भी कलाकारों ने अपनी कला की प्रस्तुति की। इस दौरान शहर के विभिन्न वार्डों से आए लोगों ने कार्यक्रम की खूब सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य पंडित दिनेश शुक्ला और संचालन सुनील सारंग ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ रामनगर के डॉक्टर किरण शंकर झा, संयोजक पिंटू कुमार, रामनगर सभापति प्रतिनिधि नागेंद्र शाह, उपसभापति प्रतिनिधि सुजल सिंह आदि लोगों ने फीता काटकर शुरू किया। होली मिलन समारोह के दौरान लोगों ने गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की बधाईयां दी।

सुपौल में दंपती मामा के घर जा रहा था 4 लोगों ने पीछा कर किया शूट

सुपौल। के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बताया गया कि वह पति के साथ कसहा जा रही थी। घटना त्रिवेणीगंज नगर परिषद के वार्ड-15 स्थित बघला नदी के पुरबिया बांध की है। मृतक की पहचान पिंकी देवी के रूप में हुई है। वह अपने पति बेचन यादव के साथ बाजार से पति के मामा के घर त्रिवेणीगंज प्रखंड क्षेत्र के कसहा गांव जा रही थी। जैसे ही वह वार्ड 15 स्थित बघला नदी के पुबरिया बांध पर पहुंची, पीछे से दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने पीछाकर गोली मार पिंकी की हत्या कर दी। महिला के पति बेचन यादव ने कहा कि शनिवार को जमीन का रजिस्ट्रेशन होना था। फोटो के काम के लिए त्रिवेणीगंज आए और शुक्रवार रात में लौट रहे थे। तीन-चार साल से कुछ लोगों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दलबल के साथ मौके पर पहुंचे त्रिवेणीगंज एसडीपीओ विपिन कुमार ने बताया कि अपने पति के साथ बाइक से जा रही महिला को अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। मौके से खोखा भी बरामद किया गया है।

सिर्फ 1 बार अन्य की हुई जीत पूर्व पीएम चंद्रशेखर भी यहां से बने हैं सांसद

बिहार। लोकसभा चुनाव को लेकर उम्मीदवारों ने तैयारी शुरू कर दी है। महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र राजपूतों का गढ़ माना जाता है। यहां उनका वर्चस्व ऐसा है कि अब तक हुए 17 लोकसभा में 16 बार राजपूत प्रत्याशी की जीत हुई है। पार्टी भले ही बदली हो, लेकिन चेहरा सिर्फ राजपूत जाति का ही रहा है। इस बार एनडीए की ओर से यह सीट भाजपा के खाते में है। पिछली बार भी भाजपा उम्मीदवार की ही जीत हुई थी। इस बार भी भाजपा से जनार्दन सिंह सिग्रिवाल उम्मीदवार हो सकते हैं। इधर, महागठबंधन की ओर से राजद के रणधीर सिंह को चुनावी मैदान में उतारा जा सकता है। पूर्व विधायक रणधीर सिंह महाराजगंज लोकसभा सीट से दो बार राजद के प्रत्याशी रह चुके हैं। पूर्व में राजद से विधायक भी रहे हैं। छपरा विधानसभा सीट से उपचुनाव के दौरान जीत हासिल किया था। पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के बड़े बेटे है। इनके चाचा केदारनाथ सिंह महाराजगंज के अंतर्गत आने वाले बनियापुर विधानसभा क्षेत्र से राजद के विधायक हैं। रणधीर सिंह का राजनीति विरासत मजबूत रहा है। पिता प्रभुनाथ सिंह महाराजगंज लोकसभा से तीन बार सांसद रह चुके हैं। राजपूत के बड़े चेहरा के रूप में गिने जाते हैं। महाराजगंज लोकसभा में राजपूतों का वर्चस्व का अंदाजा इससे भी लगा सकते है कि पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर भी महाराजगंज से चुनाव लड़ चुके हैं। 1985 में पूर्व पीएम चंद्रशेखर ने एक साथ बलिया और महाराजगंज से चुनाव लड़ा था। दोनों सीट पर जीतने के बाद उन्होंने महाराजगंज को छोड़ दिया था। उन्होंने दो बार से सांसद रहे कृष्ण प्रताप सिंह उर्फ नन्हे जी को चुनाव में हराया था। तत्कालीन सांसद कृष्ण प्रताप सिंह राजीव गांधी और इंदिरा गांधी के बहुत करीबी नेता में से एक थे। स्थानीय लोगों ने कृष्ण प्रताप सिंह को हराने के लिए चंद्रशेखर को निमंत्रित किया था। उन्होंने भी जातीय समीकरण के चलते महाराजगंज से चुनाव लड़ा था। महाराजगंज लोकसभा दो जिला सारण और सीवान के विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर बनाया गया है। हालांकि, महाराजगंज सीवान जिला का अनुमंडल मुख्यालय है। इसको जिला बनाने की मांग लोगों की ओर से लगातार की जाती रही है।

राज्यपाल को संदेश

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि को अंततः सर्वोच्च न्यायालय की फटकार के बाद नियमों के अनुरूप आचरण के लिए मजबूर होना पड़ा। किसी भी स्तर पर नियमों की अनदेखी किसी न किसी चरण में भारी पड़ती है। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने शुक्रवार दोपहर राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक के नेता पोनमुडी को राज्य मंत्रिमंडल में फिर से शामिल कर लिया। तमिलनाडु में जो हुआ, वह बहुत अफसोसजनक है। राज्यपाल ने पोनमुडी को मंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार कर दिया था। पोनमुडी को साल 2011 के एक मामले में दोषी पाया गया था और तीन साल की सजा भी सुनाई गई थी, लेकिन सजा पर सर्वोच्च अदालत ने रोक लगा दी, ऐसे में, पोनमुडी के मंत्रिमंडल में शामिल होने का रास्ता खुल गया था। पोनमुडी की तो सदस्यता भी चली गई थी, पर सजा पर रोक लगने के बाद वह कानूनन योग्य हो गए थे और मुख्यमंत्री को यह पूरा अधिकार है कि वह किसी विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल कर सके। यह बात छिपी नहीं है कि तमिलनाडु की सरकार और वहां के राज्यपाल के बीच खींचातानी लगातार चल रही है। राज्यपाल किसी न किसी नियम या नैतिकता के बहाने राज्य सरकार की राह में अड़चन बनते रहे हैं। इसी मामले में राज्यपाल ने कहा था कि वह पोनमुडी को शपथ दिलाने में असमर्थ हैं, क्योंकि यह सांविधानिक नैतिकता के खिलाफ होगा। वह यह भी कह रहे थे कि सुप्रीम कोर्ट ने केवल सजा पर रोक लगाई है, सजा को पलटा नहीं है। राज्यपाल ने ही राज्य सरकार को सर्वोच्च न्यायालय जाने के लिए मजबूर किया। गुरुवार को प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने राज्यपाल रवि पर कड़ा प्रहार किया। यह कहना ही चाहिए कि राज्यपाल को नियमों के तहत पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए थी, फटकार का मौका देकर राज्यपाल ने खुद को ही नैतिक रूप से कमजोर किया है। हमारे लोकतंत्र में अनेक परंपराएं दशकों से चली आ रही हैं, ऐसा माना जाता है कि राज्यपाल राज्य सरकार के साथ मिलकर ही काम करेगा। असंतोष जताने के अपने माध्यम हैं, पर राज्य सरकार के किसी फैसले में रोड़ा बनने की नौबत नहीं आनी चाहिए। तमिलनाडु का यह मामला तमाम राज्यपालों के लिए गौरतलब होना चाहिए। राज्यपाल न सिर्फ राज्य सरकार, बल्कि शीर्ष अदालत के भी प्रतिकूल व्यवहार कर रहे थे और उनके व्यवहार के प्रति सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीर चिंता का इजहार किया। खैर, देर से ही सही, राज्यपाल ने अब यथोचित कार्रवाई की है और उन्हें आगे किसी भी तरह के अवरोध में शामिल नहीं होना चाहिए। शुक्रवार को अगर राज्यपाल नहीं मानते, तो सर्वोच्च न्यायालय ने साफ इशारा कर दिया था कि वह कड़े फैसले ले सकता है। ध्यान रहे, राज्यपाल के विरुद्ध पहले भी तमिलनाडु सरकार अदालत का दरवाजा खटखटा चुकी है। यह बात फिर स्पष्ट हुई है किएक बार जब न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि के आदेश को निलंबित कर दिया जाता है, तब कोई दोषसिद्धि नहीं रह जाती है। तब आप यह नहीं कह सकते कि फलां नेता या व्यक्ति दागी है।

नई क्षमताएं

बीते 11 मार्च को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से एक ही मिसाइल पर कई परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम देशों के एक छोटे समूह में भारत के शामिल होने का एलान किया। यह उपलब्धि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा मिशन दिव्यास्त्र के तहत ह्यमल्टीप्ल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) तकनीक से लैस 5,000 किलोमीटर से अधिक दूरी की मारक क्षमता वाली भारत की सबसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 के पहले उड़ान परीक्षण के साथ हासिल की गई। अप्रैल 2012 में अपने पहले परीक्षण के बाद से, अग्नि-5 की हैंडलिंग और संचालन को और ज्यादा आसान बनाने के लिए ह्यकैनिस्तराईजेशनह्ण सहित कई परीक्षण और विकास हुए हैं। एमआईआरवी प्रणाली के स्वदेशी वैमानिकी (एवियोनिक्स) प्रणाली और उच्च सटीकता वाले सेंसर पैकेज यह सुनिश्चित करते हैं कि पुनः प्रवेश करने वाले वाहन (री-एंट्री व्हीकल) लक्ष्य बिंदुओं तक सटीक तरीके से पहुंचें। डीआरडीओ ने कहा कि इस मिशन ने निर्धारित किए गए सभी मापदंडों को पूरा किया। यह परीक्षण मिशन शक्ति के तहत भारत के पहले एंटी-सैटेलाइट (एसैट) परीक्षण के पांच साल बाद हुआ है। दिनांक 27 मार्च, 2019 को, बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के एक संशोधित इंटरसेप्टर का इस्तेमाल कर-के लगभग 300 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की निचली कक्षा में एक जीवित उपग्रह को मार गिराया गया था। यह एक महत्वपूर्ण तकनीकी सफलता है जो भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ाती है और दोबारा हमले की क्षमता को मजबूत करती है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण इसलिए भी है क्योंकि भारत का परमाणु सिद्धांत पहले इस्तेमाल न करने की नीति, विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध और पहली बार हमला होने की स्थिति में बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई पर आधारित है। इस सिद्धांत को 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद 2003 में अपनाया गया था। अग्नि-5 पर एमआईआरवी, जो तीन चरणों वाले ठोस ईंधन पर आधारित एक इंजन है, का विकल्प इसलिए उल्लेखनीय है क्योंकि इसके दायरे के मद्देनजर यह चीन की ओर केंद्रित है और इसके विविध हथियार इसे मिसाइल रक्षा कवच को भेदने की क्षमता प्रदान करते हैं।

आखिर क्यों जरूरी है नागरिकता संशोधन कानून ?

ANALYSIS

मुनीष त्रिपाठी

आगामी लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है । इसी के साथ देश में अब सीएए लागू हो गया है । सीएए के अमल में आ जाने के बाद अब बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया है । साल 2020 में देशभर में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे, इसलिए आइए समझते हैं कि सीएए लागू होने से क्या बदलेगा ? तकनीकी तौर पर सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए से सिटीजनशिप एक्ट ऑफ 1955 में संशोधन किया गया है । इससे होगा ये कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए उन लोगों को नागरिकता मिल जाएगी जो 31 दिसम्बर,2014 से पहले किसी न किसी तरह की प्रताड़ना से तंग होकर भारत आए थे । इससे इन मुस्लिम देशों के अल्पसंख्यक समुदायों को फायदा होगा जिनमें हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं ।

मोदी सरकार ने बहुप्रतिक्षित नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है । इसी के साथ देश में अब सीएए लागू हो गया है । हम यहां यह समझने की कोशिश करेंगे आखिर यह क्यों जरूरी है । साल 2020 में देशभर में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे । इन प्रदर्शनों में कई ऐसे लोग भी थे जिन्हें कानून की कम या गलत जानकारी थी । इसलिए आइए समझते हैं कि सीएए लागू होने से क्या बदलेगा । आगामी लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है । इसी के साथ देश में अब सीएए लागू हो गया है । सीएए के अमल में आ जाने के बाद अब बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया है । साल 2020 में देशभर में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे, इसलिए आइए समझते हैं कि सीएए लागू होने से क्या बदलेगा ? तकनीकी तौर पर सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए से सिटीजनशिप एक्ट ऑफ 1955 में संशोधन किया गया है । इससे होगा ये कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए उन लोगों को नागरिकता मिल जाएगी जो 31 दिसम्बर,2014 से पहले किसी न किसी तरह की प्रताड़ना से तंग होकर भारत आए थे । इससे इन मुस्लिम देशों के अल्पसंख्यक समुदायों को फायदा होगा जिनमें हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं । भाजपा पार्टी के एजेंडा में सीएए का काफी पहले से जिक्र होता आया है । मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में साल 2016 में इसे लोकसभा में पेश किया गया । यहां

से पास होने के बाद इसे राज्यसभा में भेजा गया, लेकिन वहां इसे बहुमत से पास नहीं कराया जा सका । अटकने के बाद इसे संसदीय समिति के पास भेजा गया था । 2019 में जब लोकसभा चुनाव हुए तो दोबारा बहुमत जीतने के बाद मोदी सरकार बनी । सरकार बनते ही इसे दोबारा लोकसभा में पास किया गया । दो दिन बाद 09 दिसंबर,2019 को राज्यसभा में भी इस पर मुहर लग गई । दोनों सदनों में पास होने के बाद सीएए को 10 जनवरी,2020 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई । हालांकि, इसके लागू में होने में काफी देरी हो गई । इसकी प्रमुख वजह रही देशभर में होने वाले विरोध प्रदर्शन । सरकार ने अपने बयान में कहा है कि सीएए के जरिए मिलने वाली नागरकता वन-टाइम बेसिस पर ही होगी । यानी कि 31 दिसम्बर,2014 के बाद गैरकानूनी तरीके से पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों को नागरिकता नहीं दी जाएगी । इस कानून के अमल में आने के बाद भारत के किसी भी नागरिक चाहे वो किसी भी धर्म का हो, की नागरिकता को कोई प्रभाव नहीं होगा । सीएए की आवश्यकता इसलिए थी क्योंकि हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन और ईसाई अल्पसंख्यक जो दशकों से भारत में आए और देश में बस गए, वे पूर्व-संशोधित नागरिकता कानून के तहत भारतीय नागरिकता हासिल नहीं कर सकते थे । इसके चलते वो भारतीय नागरिकता के कई लाभों से वंचित थे । संशोधन के बाद उन्हें अब अनिश्चित जीवन नहीं जीना पडेगा । भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के आने के कई कारण थे-उत्पीड़न, भेदभाव, शारीरिक असुरक्षा, जबरन धर्म परिवर्तन का खतरा, इत्यादि । आधिकारिक आंकड़े मुस्लिम बहुल पड़ोसी देशों से बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यकों के पलायन की गवाही देते हैं । 1947 में पाकिस्तान में अल्पसंख्यक, ज्यादातर हिंदू और सिख, आबादी का लगभग 23% थे; आज वो लगभग 5% हैं । हिंदू लगभग 1.65% ही रह गए हैं । इसी तरह 1971 में जब बांग्लादेश बना, तब हिंदू आबादी का 19% थे. 2016 में वे केवल 8% ही थे। जबकि भारत में अल्पसंख्यकों की संख्या दोगुना हुई है. 1947 में भारत में मुसलमानों की संख्या 9.2 करोड़ थी. आज उनकी अनुमानित संख्या लगभग 20 करोड़ है जो लगभग 14% से अधिक है । बांग्लादेश के प्रसिद्ध लेखक सलाम आजाद ने अपनी पुस्तक. बांग्लादेश से आखिर क्यों भाग रहे है हिन्दू में बांग्लादेश के हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों और पलायन पर तथ्यात्मक विवेचन किया है। उन्होंने जो आंकड़े दिए हैं वे बांग्लादेश के हिंदुओं की हकीकत बयां करते है । उन्होंने लिखा कि बांग्लादेश के मुस्लिम कट्टरपंथी संगठनों के बेतहाशा अत्याचारों के चलते 475 हिन्दू, बौद्ध प्रतिदिन बांग्लादेश छोड़ने के लिये बाध्य होते है अर्थात एक साल में लगभग 1,73,000 हिन्दू, बौद्ध बांग्लादेश से पलायन कर जाते है ।आजाद ने अपने शोध से ये आंकड़े 1974 से 1991 के बीच अवधि के लिये जारी किये हैं । 1991 के बाद के वर्ष में भी बांग्लादेश के हिंदुओ , बौद्ध अनुयायियों के हालात ठीक नहीं हुए है। 06 दिसम्बर 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचा गिर जाने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं के 28,000 घरों, 2200 व्यापारिक प्रतिष्ठानों और 3600 मंदिरों को ध्वस्त कर दिया गया था। इन सबके बावजूद तत्कालीन खालिदा जिया सरकार ने हिंदुओं पर अत्याचार और पलायन को रोकने के लिये कोई कदम नहीं उठाए। ये भी सही है कि खालिदा जिया सरकार में शेख हसीना सरकार के मुकाबले अल्पसंख्यकों पर कुछ ज्यादा ही अत्याचार होते हैं। 2001 के बांग्लादेश के आम संसदीय चुनाव में भी हिंदुओं पर जमकर हमले हुए थे जिसके कारण हजारों हिन्दू अपनी जानमाल की रक्षा के लिए पश्चिम बंगाल के कई जिलों में शरण लेनी पड़ी थी। 2014 में भी बांग्लादेश में हिंदुओं पर भयावह अत्याचार हुए थे । मौजूदा समय में बांग्लादेश की कुल आबादी में लगभग सवा करोड़ हिन्दू हैं, यदि हिंदुओं का पलायन इसी तरह न हुआ होता तो आज बांग्लादेश में लगभग सवा तीन करोड़ हिन्दू नागरिक होते। बांग्लादेश सरकार के 2014 के जनसांख्यकीय आंकड़ो के अनुसार 1941 में पूर्वी पाकिस्तान अब बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी लगभग 28 प्रतिशत थी, 1951 में यह घटकर 22 प्रतिशत हुई । वर्ष 1961 में 18.5 प्रतिशत, 1974 में 13.5 प्रतिशत, 1981 में 12.13 प्रतिशत,1991 में 11.6 प्रतिशत, 2001 में 9.6 प्रतिशत और 2011 में यह घटकर मात्र 8.2 प्रतिशत रह गई । आंकड़े बताते है कि बांग्लादेश की आबादी में हिंदुओं और बौद्ध लोगों की लगातार जनसंख्या घट रही है ।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

अब महिला वोट करते हैं बड़ी चोट

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में 18 वीं लोकसभा के चुनाव का बिगुल बज गया है। चुनावा आयोग ने सात चरणों में मतदान कार्यक्रम जारी कर दिया है। चार जून को मतगणना की तारीख तय की गई है। सीधी सी बात है कि दोपहर बाद तक 18 वीं लोकसभा की तस्वीर साफ हो जाएगी। खैर यह सब अलग बात है पर विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत दो चुनाव में देश की महिला वोटर्स ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मजे की बात यह भी है कि 2019 के चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया। अब तो यह माना जाने लगा है कि देश के करीब एक दर्जन राज्यों में महिलाओं के वोट ही नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं। तस्वीर का सकारात्मक पक्ष यह भी है कि मतदान ही नहीं चुनाव में सक्रियता से हिस्सा लेने और उम्मीदवार को जिताने में भी महिलाएं आगे आई हैं। देश के पहले और दूसरे लोकसभा के आम चुनाव में जहां 22 महिला सांसद चुन कर आई थीं वहीं गत

2019 के आम चुनाव में 78 महिला सांसद चुन कर आईं। हालांकि आधी आबादी को मुख्य धारा में लाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नए-नए सब्जबाग दिखाने के बावजूद टिकट वितरण के समय महिलाओं की हिस्सेदारी कम ही रह जाती है। अनुभव तो यही बताता है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा आधी तो दूर की बात एक तिहाई सीटों पर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए जाते हैं। खैर सबसे अच्छी बात यह है कि गांव हों या शहर, महिलाएं अब घर की चारदीवारी में कैद रहने वाली या पुरुष के कहे अनुसार मतदान करने वाली नहीं रही हैं। पुरुषों के हां में हां मिलाने वाली स्थिति से बहुत बाहर आ चुकी हैं। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में महिलाएं सक्रियता से हिस्सा लेने लगी हैं। इस साल देश में 96 करोड़ 88 लाख मतदाता हैं तो इनमें से महिला मतदाताओं की संख्या 47 करोड़ 15 लाख के करीब है। एक मोटे अनुमान के अनुसार पुरुषों की तुलना में करीब दो करोड़ महिला मतदाता कम हैं। यही स्थिति 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान थी। इस सबके बावजूद पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं के मतदान का आंकड़ा अधिक है। 2019 के चुनाव में पुरुष मतदाताओं का प्रतिशत 67.02 प्रतिशत रहा तो महिलाओं के मतदान का प्रतिशत 67.18 प्रतिशत रहा। पूर्वोत्तर, हिमाचल प्रदेश, गोवा, बिहार सहित बहुत से प्रदेशों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक रहा। यह तो रही मतदान की बात तो दूसरी और नई सरकार बनाने में भी महिला मतदाताओं की अधिक भूमिका रही है। देखा जाए तो महिलाओं ने जिस दल पर अधिक भरोसा जताया उसी की सरकार बनी। मजे की बात यह है कि 2014 में मोदी सरकार बनने और 2019 में रिपीट होने का प्रमुख कारण भी महिलाओं को भाजपा और खासतौर से नरेन्द्र मोदी पर अधिक भरोसा जताने को जाता है। 2004 के चुनाव में 22 प्रतिशत महिलाओं ने भाजपा और 26 प्रतिशत पुरुषों ने कांग्रेस को वोट दिया था वहीं 2019 के चुनाव आते आते इसमें जबरदस्त बदलाव देखने को मिला। 2019 के चुनाव में महिलाओं द्वारा मोदी में विश्वास व्यक्त करने का आंकड़ा 36 प्रतिशत पहुंच गया। यानी कि 2019 के चुनाव में 36 फीसदी महिलाओं ने भाजपा को वोट दिया। महिलाओं के अधिक मतदान का ही परिणाम रहा कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और नरेन्द्र मोदी को जबरदस्त बहुमत प्राप्त हुआ। विगत दो लोकसभा चुनाव परिणामों से सबक लेते हुए अब सभी राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के हर संभव प्रयास में जुट गए हैं। यही कारण है कि महिलाओं को लुभाने वाली योजनाएं की जा रही हैं। केंद्र की उज्ज्वला योजना, मध्य प्रदेश की लाडली योजना, लखपति लाड़ली योजना, महिला मुखिया को नकद राशि और मुफ्त बस यात्रा का करिश्मा देखा जा चुका है। आम आदमी पार्टी महिला सम्मान योजना के माध्यम से महिलाओं को लुभाने का प्रयास कर रही है। लगभग सभी राजनीतिक दल इस दिशा में आगे आ रहे हैं। बहरहाल लोकतंत्र के इस महापर्व में देश की महिलाएं अग्रणी भूमिका निभाने जा रही हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी इसे शुभ संकेत माना जा सकता है। चुनाव के दौरान आने वाले दिनों में महिलाओं की और सभी राजनीतिक दलों की नजर रहेगी। इसे देश और लोकतंत्र दोनों के लिए ही सकारात्मक कहा जा सकता है। दुनिया के देशों के लिए भी भारत की महिलाएं एक मिसाल बन कर सामने आएंगी।

Social Media Corner

सच के हक में...

राष्ट्र मां भारती के सच्चे सपूत वीर भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत को श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहा है। शहीद दिवस पर देशभर के अपने परिवारजनों की ओर से उन्हें नमन और वंदन। जय हिंद!

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

लोहिया जी कहा करते थे– अगर सड़क खामोश हो जाएगी तो ये संसद आवारा हो जाएगी।न विपक्ष को कुचलने की कोशिश करने वाली तानाशाही के इस कठिन दौर में, लोहिया जी के विचार हमें आगे बढ़ने की राह दिखाएंगे। प्रसिद्ध समाजवादी विचारक राम मनोहर लोहिया जी की जयंती पर, उन्हें शत शत नमन।

(सीएम चम्पाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

राजधानी रांची नशे के कारोबार के चपेट में आ रही है। पड़ोसी राज्यों से भी अवैध ड्रग्स तस्करी की सूचना मिलते रहती है। आजकल नशे का कारोबार करने वाले गिरोह स्कूल, कॉलेजों के आसपास तथा कई सार्वजनिक क्षेत्रों में भी नशीली दवाइयाँ बेचकर युवाओं को नशे का शिकार बना रहे हैं। नशे की लत लगने से युवा राह भटक कर अपराध की ओर मुड़ रहे हैं। झारखंड पुलिस युवा पीढ़ी के उज्जवल भविष्य की सुरक्षा और कई परिवारों को बिखरने से बचाने के लिए तत्काल नशे के कारोबार पर सख्ती से रोक लगाएं।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जल संकट पर नये सिरे से चर्चा हो

अब इसमें बहस की जगह तो बची नहीं कि देश में पानी का संकट लगातार बढ़ रहा है। बेंगलुरु, जिसे भारत का सिलिकॉन सिटी कहा जाता है, में ये सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है और वहां ठीक वैसी ही स्थिति पैदा हो गयी है, जैसी कोपेनहेगन में थी, जहां पानी राशन में बिका था। असल में पानी, हवा और मिट्टी के प्रति हमने कभी समझ नहीं बनायी। लेकिन अब जब हालात बिगड़ने लगे हैं, तब हमारी बहस शुरू रही है। पानी हमारे लिए आवश्यक है, इसमें कोई सवाल नहीं है। जल बिन जीवन संभव नहीं है। प्रतिदिन दो से तीन लीटर पानी पीने का तो चाहिए ही। उसके अलावा 135 लीटर पानी की आवश्यकता हर व्यक्ति की है। पर 3.5 करोड़ से अधिक लोग आज इस देश में पानी के अभाव में जी रहे हैं और हमारी आवश्यकता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। करीब 812 करोड़ लीटर पानी का हम प्रतिदिन दोहन कर लेते हैं। ऐसे में सवाल यह भी पैदा होता है कि हमारी पानी की उपलब्धता क्या है। साल 1947 में जब भारत स्वतंत्र हुआ था, तो प्रति व्यक्ति 5,000 क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध था। साल 2021 से 2031 के बीच यह 1,486 से गिरकर 1,367 क्यूबिक मीटर हो जायेगा। इसका अर्थ यह है कि ऐसी कम उपलब्धता के साथ हम पानी के संकट में हैं। चिंताजनक यह भी है कि जितना कम पानी उपलब्ध होगा, उतना ही वह प्रदूषित भी होता चला जायेगा। हमें 4,000 अरब क्यूबिक मीटर पानी जो बारिश की कृपा से मिलता है, उसका हम मात्र 1,100 क्यूबिक मीटर ही उपयोग में ला पाते हैं। अपने देश में 70 फीसदी पानी उपयोग के लिए अयोग्य पाया गया है। यही कारण है कि बोतलबंद पानी का व्यापार लगातार बढ़ता जा रहा है। ध्यान रहे, एक लीटर पानी की बोतल के पीछे तीन लीटर पानी खराब होता है और बोतलें प्लास्टिक प्रदूषण भी पैदा कर रही हैं। जब इस्तेमाल किया गया भारी मात्रा में गंदा जल नदियों, जलाशयों या अन्य जल निकायों में जायेगा, तो कई बीमारियों को जन्म देगा। साल 2019 में करीब 23 लाख लोग असमय मौत के शिकार हुए थे। जब शहरों में 17 प्रतिशत की दर से आबादी बढ़ रही हो, तो उसी के अनुसार पानी की मांग भी बढ़ेगी और पानी प्रदूषित भी होगा। एक बेहतर आर्थिकी तभी संभव होती है, जब हमारी पारिस्थितिकी भी मजबूत हो। आज शायद कोई भी राज्य ऐसा नहीं है, जहां पानी का संकट किसी न किसी रूप में खड़ा ना हो। बिहार में पहले 1,200 से 1,500 मिलीमीटर बारिश होती थी, जो अब 800 मिलीमीटर रह गयी है। उसमें भी हम कितना पानी संरक्षित करते हैं, यह सवाल भी है। इसी राज्य में करीब 18 जिले ऐसे हैं, जो आर्सेनिक प्रदूषण की चपेट में हैं। यहां पानी की गंदगी के पीछे बहुत बड़ा कारण यहां की नालियां और घरेलू गंदा पानी हैं, जो सीधे नदियों और अन्य जल निकायों में जाकर मिलते हैं। बिहार में वन क्षेत्र भी कम है। यहां नदियां अवश्य हैं, लेकिन उनको सिंचित करने के लिए वन नहीं हैं। हरियाणा में मात्र 2.3 प्रतिशत वन है। यहां भूजल स्तर में कमी बड़ा संकट बन चुकी है। हमारे देश में मानसून पानी का सबसे बड़ा स्त्रोत है। इसका संचय करने की व्यवस्था को लेकर सवाल हैं। कैच द रेन, अमृतसरोवर जैसे कार्यक्रम इंगित करते हैं कि सरकार इस पर गंभीर हुई है। लेकिन राज्यों के स्तर पर समुचित सक्रियता नहीं है। यह तो तय है कि आने वाले समय में अगर हम सामूहिक रूप से नहीं जुटेंगे, तो संकट बहुत गहरा हो जायेगा। हमें ऐसी समृद्धि चाहिए, जिसमें विकास के अलावा हवा, पानी और मिट्टी भी हो क्योंकि जीवन सुविधाओं से अधिक आवश्यकताओं पर चलता है। पानी आवश्यकता ही नहीं, हमारे प्राणों से जुड़ा है। इसके लिए हम सबकी पहल जरूरी है, अन्यथा आने वाले समय में क्या देश और क्या दुनिया सभी को प्यासा ही गुजर करना होगा।

त्रिकोणीय मुकाबला

तमिलनाडु 2019 के उलट, 2024 में त्रिकोणीय मुकाबले के लिए तैयार दिख रहा है। राज्य में डीएमके-नीत मोर्चा एकजुट है, भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) एक और पार्टी पीएमके को साथ लाने में जुटा है, और एआईएडीएमके छोटे संगठनों के साथ रह गयी है। डीएमके नेतृत्व ने अपने सभी सहयोगियों को यथासंभव बढ़िया ढंग से समायोजित करते हुए, उन्हें गठबंधन में बनाये रखा है। राज्य की 39 सीटों में से 22 पर डीएमके किस्मत आजमायेगी। इसमें एक वह सीट भी शामिल है जो कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके) को आवंटित की गयी है और डीएमके के ह्यउगते सूरजह्ण निशान पर लड़ी जा रही है। पहले की ही तरह, कांग्रेस के पास पुडुचेरी समेत 10 सीटें, और दो वाम दलों के पास दो-दो सीटें हैं। अभिनेता रह चुके कमल हासन की अगुवाई वाले एमएनएम को डीएमके गठबंधन में हाल ही में शामिल किया गया है। उसे इस बार कोई सीट तो आवंटित नहीं की जा सकी, लेकिन राज्यसभा सीट का वादा किया गया है। हासन ने सही कदम उठाया है। शायद उन्हें यह एहसास हो गया है कि दो प्रमुख द्रविड़ पार्टियों में से किसी एक का दामन थामे बिना मैदान में टिके रहना लगभग असंभव होगा। डीएमडीके के अलावा, एआईएडीएमके के पास ऐसा कोई सहयोगी नहीं है जो उसके मत आधार (वोट बेस) में जरा भी योगदान कर सके। छह महीने पहले, उसने भाजपा के राज्य नेतृत्व, खासकर उसके अध्यक्ष के. अन्नामलाई, के साथ मतभेद को लेकर एनडीए छोड़ दिया था। अन्नामलाई ने पूर्व मुख्यमंत्रियों सी.एन. अन्नादुरई और जयललिता की आलोचना की थी। हालांकि ऐसी खबरें आती रही हैं कि भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व एआईएडीएमके के साथ हाथ मिलाना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जयललिता के बारे में प्रशंसात्मक उल्लेख करते रहे हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

मारुति सुजुकी ने वापस बुलाईं 16 हजार गाड़ियां

- गाड़ियों के फ्यूल पंप मोटर के एक हिस्से में खराबी आने पर लिया फैसला

मुंबई ।

बलोनो और वैगनआर गाड़ियों के फ्यूल पंप मोटर के एक हिस्से में संभावित खराबी की वजह से मारुति सुजुकी इंडिया ने बाजार से करीब 16 हजार गाड़ियां वापस बुलाने का फैसला किया है। कंपनी के बलोनो और वैगनआर गाड़ियों के फ्यूल पंप मोटर के एक हिस्से में संभावित खराबी की जानकारी मिली है। जिसे ठीक करने के लिए कंपनी बलेनो और वैगनआर की 16,000 से अधिक इकाइयों को वापस मंगा रही है। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी ने कहा कि कंपनी 30 जुलाई, 2019 और 1 नवंबर, 2019 के बीच बनी बलेनो की 11,851 इकाइयों और वैगनआर की 4,190 इकाइयों को वापस बुला रही है। फाइलिंग में कहा गया है कि ऐसा संदेह है कि इन गाड़ियों के फ्यूल पंप मोटर के एक हिस्से में संभावित खराबी है, जिससे इंजन से जुड़ी समस्या हो सकती हैं। साथ ही कंपनी ने कहा कि इस अवधि के दौरान बनी गाड़ियों को जो ग्राहक खरीद चुके हैं वे उनसे संपर्क करेगी और उन्हें इस समस्या को ठीक करवाने के लिए उनसे डीलरशिप से संपर्क करने के लिए कहेगी। मारुति सुजूकी इंडिया का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 33.3 फीसदी बढ़कर 3,207 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही के दौरान जिंस कीमतों में नरमी और स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) एवं सीएनजी कारों की दमदार बिक्री से मुनाफे को बल मिला।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान जिंस कीमतों में नरमी आने से कंपनी की सामग्री लागत एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले महज 9.7 फीसदी बढ़कर 18,561 करोड़ रुपये हो गई। तिमाही के दौरान कंपनी ने 5,01,207 वाहनों की बिक्री की जो एक साल पहले की इसी अवधि के मुकाबले 7.6 फीसदी अधिक है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 642.50 अरब डॉलर

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 मार्च को समाप्त सप्ताह में 6.396 अरब डॉलर बढ़कर 642.492 अरब डॉलर हो गया। इससे एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 10.47 अरब डॉलर की उच्च वृद्धि के साथ 636.095 अरब डॉलर हो गया था। अक्टूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन वैश्विक गतिविधियों के कारण उत्पन्न दबावों के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपए की गिरावट को थामने के लिए पूंजी भंडार का उपयोग किया जिससे मुद्रा भंडार में थोड़ी कमी आई थी। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 15 मार्च को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 6.034 अरब डॉलर बढ़कर 568.386 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लिखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 42.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 51.14 अरब डॉलर हो गया।

रिजर्व बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.276 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा भी 12.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.689 अरब डॉलर हो गई।

देश में विस्तार की योजना बना रही इंडिगो

- बेड़े में हर हफ्ते एक से ज्यादा विमान जोड़ने की योजना

मुंबई ।

देश की प्रमुख एयरलाइन कंपनियों में से एक इंडिगो अपने विस्तार को लेकर योजना बना रही है। कंपनी ने संभावना जताई है कि वित्त वर्ष 2025 में उसके बेड़े में हर हफ्ते एक से अधिक विमान शामिल हो सकते हैं। इसी के साथ कंपनी का वित्त वर्ष 2024- 25 में करीब 6000 कर्मचारियों को जोड़ने का भी लक्ष्य है। एयरलाइन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले वित्तीय वर्ष में क्षमता के साथ-साथ कंपनी के पास यात्रियों की संख्या में भी दोहरे अंकों वृद्धि होने की उम्मीद है। बता दें इंडिगो की घरेलू बाजार में करीब 60 फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी है इसी के साथ ये एक कम लागत वाली एयरलाइन भी है। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 के लिए क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। जो कि वित्त वर्ष के लिए था। फरवरी के अंत तक कंपनी के पास 366 विमान थे, जबकि वित्त वर्ष 2013 के अंत में इसके बेड़े की संख्या 304 थी। एयरबस के पास इंडिगो के पास 960 विमान ऑर्डर हैं। यह भी दावा किया जा रहा है कि यह 2030 तक 600 से ज्यादा विमानवाहक पोत बनने

की ओर अग्रसर है। 2005 में स्थापित इंडिगो बाजार हिस्सेदारी के मामले में भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी है और 350 से अधिक विमानों के बेड़े का संचालन करती है। एयरलाइन वर्तमान में लगभग 2000 दैनिक उड़ानें संचालित कर रही है और 85 से अधिक घरेलू गंतव्यों और 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ रही है। इंडिगो हाल ही में 2,000 दैनिक उड़ानें संचालित करने और एक वर्ष में 100 मिलियन यात्रियों को ले जाने वाला भारत का पहला वाहक बन गया है। बता दें कि कम लागत वाली वाहक अकासा, जो अंतरराष्ट्रीय उड़ाने शुरू करने वाली सबसे नई कंपनी है, के बेड़े में 24 विमान हैं और अभी ऑर्डर पर 202 विमान हैं। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 25 में अपने बेड़े में नए विमानों को जोड़ने के साथ अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में विस्तार करना भी है। वित्त वर्ष 2023 में इंडिगो 100 मिलियन यात्रियों को सेवा देने वाली पहली भारतीय

होली से पहले असम, छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। शुक्रवार को क्रूड 3.77 फीसदी की गिरावट के साथ 78.01 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बंद हुआ, जबकि ब्रेंट क्रूड 1.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81.90 के स्तर पर बंद हुआ। क्रूड की कीमतों में गिरावट का पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ज्यादा असर देखने को नहीं मिल रहा है। इस बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने देशभर में पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। सिर्फ चेन्नई को छोड़कर किसी भी महानगर में ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

चेन्नई में पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ है। वहीं बिहार समेत कुछ राज्यों में भी कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा आंध्रा प्रदेश, असम और छत्तीसगढ़ समेत कुछ प्रदेशों में ईंधन की कीमतें कम हुई हैं। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर हि। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.47 रुपये प्रति लीटर है। गुरुग्राम में पेट्रोल 94.91 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 105.23 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.53 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर` बिक रहा है।

एप्पल स्मार्टवाच के डिस्पले डिजाइन विभाग को करेगी बंद, कर्मचारियों पर संकट

वाशिंगटन ।

आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल सेल्फ ड्राइविंग कार से जुड़ा अपना प्रोजेक्ट बंद करने के बाद अब अपनी स्मार्टवाच के डिस्पले डिजाइन और डेवलप करना भी बंद करेगी। कंपनी अब डिस्प्ले इंजीनियरिंग की टीम में बदलाव कर रही है। एप्पल के इस प्रोजेक्ट को बंद करने से अमेरिका और एशिया में दर्जनों नौकरियां खतरे में आएगी। एप्पल ने अपनी स्मार्टवॉच के लिए डिस्प्ले बनाने का यह प्रोजेक्ट सात साल पहले शुरू किया गया था। हालांकि कंपनी पहले से ही अपने प्रोडक्ट्स में डिस्प्ले को कस्टमाइज करती है, लेकिन वे काफी हद तक एलजी डिस्प्ले कंपनी और सैमसंग एसडीआई कंपनी जैसे पार्टनर्स के डिजाइन पर आधारित हैं। एप्पल के इतने पुराने प्रोजेक्ट के बंद होने से इससे जुड़े कर्मचारियों की नौकरी पर संकट आ गया है। सूत्रों के हवाले जानकारी दी है कि कंपनी जिन प्रोजेक्ट्स को बंद कर रही है, उससे जुड़े कर्मचारियों को यह मौका दे रही है कि वे कंपनी के भीतर ही किसी दूसरे डिपार्टमेंट में अपने लिए कोई काम खोज लें। अगर उन्हें कंपनी के अंदर ही कोई और पोस्ट मिल जाती है, तब वे कंपनी में बने रह सकते हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि ये बात भी तय है कि बंद होने वाले प्रोजेक्ट से जुड़े सभी कर्मचारियों को कंपनी के भीतर नई भूमिका मिलना मुश्किल है। इसके बाद कई कर्मचारियों को नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। जिन कर्मचारियों की नौकरी जाएगी उन्हें कंपनी सेवरेंस पैकेज देगी। एप्पल की योजना अपनी अधिकतर तकनीक को अपने यहां बनाने की थी। इसकारण डिस्प्ले प्रोजेक्ट शुरू किया गया था। एप्पल की योजना थी कि अगर यह काम वह अपने यहां करती है, तब विरोधियों पर उस बढ़त मिलेगी। इसके अलावा कंपनी को माइक्रो एलईडी बनाने में भी फायदा दिखा और यह इसे भी डेवलप करना चाहती थी।

जनवरी-मार्च में छह शहरों में 35 फीसदी बढ़ेगी कार्यालय मांगः कोलियर्स

नई दिल्ली । रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया का कहना है कि देश के छह प्रमुख शहरों में कार्यालय मांग मजबूत बनी हुई है। इन शहरों में जनवरी-मार्च तिमाही में कार्यालय स्थलों की मांग सालाना आधार पर 35 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। कोलियर्स इंडिया ने चालू तिमाही के खत्म होने के नौ दिन पहले जनवरी-मार्च के लिए कार्यस्थल बाजार पर आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के अनुसार 2024 की पहली तिमाही के दौरान छह प्रमुख शहरों बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और पुणे में कुल कार्यालय पट्टे 1.36 करोड़ वर्ग फीट तक बढ़ने का अनुमान है। एक साल पहले इसी अवधि में पट्टे 1.01 करोड़ वर्ग फुट के थे। रिपोर्ट के मुताबिक हैदराबाद, मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली-एनसीआर में मांग बढ़ने की उम्मीद है, जबकि चेन्नई में गिरावट आ सकती है।

इंश्योरेंस खरीदने वालों की खत्म होगी दिक्कत, इरडा ने बीमा सुगम को मंजूरी दी

नई दिल्ली । भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने अपनी 125वीं बोर्ड मीटिंग में 7 अन्य नियमों के साथ इलेक्ट्रॉनिक बीमा बाजार बीमा सुगम को मंजूरी दे दी है। इरडा के इस फैसले के बाद से इंश्योरेंस खरीदने वालों के लिए काफी आसानी होगी। अब से इंश्योरेंस खरीदने के लिए लोगों को हर कंपनी की वेबसाइट या कंपनी के एजेंट्स से संपर्क ही एकमात्र रास्ता नहीं है। बीमा सुगम के द्वारा एक ऐसा इंश्योरेंस इंफ्रास्ट्रक्चर मिलेगा जहां सभी इंश्योरेंस कंपनियों की जानकारी एक प्लेटफॉर्म पर मौजूद होगी। बीमा नियामक के बोर्ड ने 'बीमा सुगम' प्लेटफॉर्म को मंजूरी दे दी है, जहां पॉलिसीधारक प्रीमियम की तुलना कर सकते हैं, और बीमा उत्पादों की एक पूरी रेंज को देखकर और अपनी जरूरत के हिसाब से खरीद सकते हैं। ये प्लेटफार्म जीवन, स्वास्थ्य और सामान्य बीमा कैटेगरी के इंश्योरेंस को लिस्ट करने के लिए तैयार है। इस बार में आईआरडीएआई ने कहा, यह बाज़ार ग्राहकों, बीमाकर्ताओं, मध्यस्थों और एजेंटों सहित सभी बीमा हितधारकों के लिए वन-स्टॉप सॉल्यूशन के रूप में काम करता है, जिससे इंश्योरेंस पॉलिसी से में पारदर्शिता और सहयोग को बढ़ावा मिलता है। इसके पहले, इरडा के अध्यक्ष ने बीमा सुगम को बीमा उद्योग के लिए यूपीआई जैसा कहा था। फरवरी में जारी मसौदा नियमों में, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत गठित बीमा सुगम को गैर-लाभकारी इकाई के रूप में नोट किया गया था, जहां उपभोक्ताओं से मंच की सेवाओं का लाभ उठाने के लिए शुल्क नहीं लिया जाएगा।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी रिलायंस पावर की परियोजना का अधिग्रहण करेगी

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी की इकाई जेएसडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी ने महाराष्ट्र के वाशपेट में रिलायंस पावर की 45 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का 132 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि जेएसडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी (कोटेड) लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इसके मुताबिक रिलायंस पावर ने महाराष्ट्र के वाशपेट में अपनी 45 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना की बिक्री के लिए जेएसडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी के साथ 132 करोड़ रुपये में बिक्री समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सौदा 21 मई 2024 तक पूरी होने की संभावना है। कंपनी के सूत्रों के अनुसार बिक्री से प्राप्त आय का उपयोग कर्ज चुकाने के लिए किया जाएगा। रिलायंस पावर का लक्ष्य इस वित्त वर्ष के अंत तक कर्ज मुक्त कंपनी बनना है। 31 मार्च, 2023 तक रिलायंस पावर का कुल कर्ज लगभग 700 करोड़ रुपये था। रिलायंस पावर बैंकों के साथ अपना बकाया कर्ज चुका रही है। सूत्रों ने कहा कि पिछले तीन महीनों में इसने तीन बैंकों-डीबीएस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के साथ अपना कर्ज चुकाया है।

फोर्टिसहेल्थकेयर को आयकर विभाग ने भेजा नो टिस

- 89 करोड़ के टैक्स और ब्याज की मांग

मुंबई ।

हेल्थकेयर सेक्टर की कंपनी फोर्टिसहेल्थकेयर लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी फोर्टिस हॉस्पिटल्स लिमिटेड को आयकर विभाग की तरफ से नोटिस मिला है। इस नोटिस में कंपनी से 89.53 करोड़ रुपये के टैक्स और ब्याज जमा करने की मांग की गई है। इस रकम में 9.54 करोड़ रुपये का ब्याज भी शामिल है। आगे इस बारे में कंपनी ने कहा कि वह इस ऑर्डर पर विचार कर रही है। कंपनी ने ये भी कहा कि आने वाले समय में वह इस पर उचित कार्रवाई करेगी। फोर्टिस हेल्थकेयर ने मार्च तिमाही के परिणाम घोषित कर दिए हैं। अस्पताल कारोबार में मजबूत प्रदर्शन से मार्च तिमाही में फोर्टिस का मुनाफा 59 फीसदी बढ़कर 138 करोड़ रुपये हो गया। बता दें कि हेल्थकेयर प्रमुख ने वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में 87 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। फोर्टिस हेल्थकेयर ने एक बयान में कहा कि कुल आय चौथी तिमाही में बढ़कर 1,656 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में 1,384 करोड़ रुपये थी। मार्च 2023 में समाप्त तिमाही के लिए, कंपनी का नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2021-22 के मुकाबले 790 करोड़ रुपये से घटकर 633 करोड़ रुपये रह गया। वहीं कंपनी का ऐ बिटडा में 25 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। कंपनी का हॉस्पिटल रेवेन्यू जो कुल आय का 80 फीसदी से अधिक है। बता दें कि रेवेन्यू 29.7 फीसदी साल-दर-साल बढ़कर 1,350 करोड़ रुपये हो गया है। डायग्नोस्टिक्स से कंपनी की आय 13.3 फीसदी घटकर 292 करोड़ रुपये हो गई। ऑक्यूपेंसी तिमाही और पूरे साल दोनों के लिए 67 फीसदी तक बढ़ गई है जो कि पिछले वित्त वर्ष में यह 59 फीसदी और 63 फीसदी था।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में हल्की कमजोरी रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह वैश्विक बाजारों में कमजोरी और अमेरिका के फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं होने से घरेलू शेयर बाजारों में हल्की कमजोरी रही। बीते सप्ताह कमजोरी के साथ शुरू हुए शेयर बाजार सप्ताह के ओ खिर में तेजी के साथ बंद हुए। शेयर बाजार में सप्ताह में तीन` दिन` गिरावट और दो` दिन तेजी के साथ शुरुआत हुई। बीते पांच कारोबारी` दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत` गिरावट के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 48 अंक बढ़कर 72,798 पर खुला और 104.99 अंक की बढ़त के साथ 72748.42 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 9 अंक की गिरावट के साथ 22,015 पर खुला और 32.35 अंक तेजी के साथ 22055.70 पर बंद हुआ। शेयर बाजार के इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ 72,397 पर खुला और 736.37 अंक टूटकर 72,012.05 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी हल्की` गिरावट के साथ 21,953 के स्तर पर खुला और 238.25 अंक के नुकसान से 21,817.45 पर बंद हुआ। ब्याज दरों पर यूएस फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले वैश्विक बाजारों से मिले संकेतों के आधार पर भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। सेंसेक्स 212 अंक बढ़कर 72,233 पर खुला और 89.64 अंक की बढ़त के साथ 72,101.69 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 71 अंक की बढ़त के साथ 21,888 पर खुला और 21.65 अंक चढ़कर 21,839.10 पर बंद हुआ। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 595.02 अंक मजबूत होकर 72,696.71 पर खुला और 539.50 अंक की तेजी के साथ 72,641.19 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 181.85 अंक चढ़कर 22,020.95 अंक पर खुला और 172.90 अंक की बढ़त के साथ 22,012.00 अंक पर बंद हुआ। आईटी सेवा प्रदाता कंपनी एसेंचर की ओर से वित्तीय वर्ष 2024 के लिए राजस्व में कमी की आशंका जताने के बाद सेक्टर के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 422 अंक टूटकर 72,218 पर खुला और 190.75 (0.26 फीसदी) अंकों की मजबूती के साथ 72,831.94 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 116 अंक फिसलकर 21,895 पर खुला और 84.80 (0.39 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 22,096.75 पर बंद हुआ।

डीजीसीए ने एयर इंडिया पर ठोका 80 लाख का जुर्माना

- उड़ान से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने का मामला

नई दिल्ली ।

डीजीसीए ने विमानन कंपनी एयर इंडिया पर उड़ान से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने के लिए 80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। चालक दल के लिए अल्ट्रा-लंबी दूरी की उड़ानों से पहले और बाद में आराम न देने के नियमों में अनियमितता बरतने के लिए यह जुर्माना लगाया गया। डीजीसीए ने उच्च स्तर की सुरक्षा को देखते हुए एफडीटीएल और एफएमएस नियमों के अनुपालन को लेकर जनवरी में एयर इंडिया का स्पॉट ऑडिट किया था। ऑडिट के दौरान साक्ष्य एकत्र किए गए और रिपोर्टों का विश्लेषण किया गया। डीजीसीए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि रिपोर्टों की जांच में यह बात सामने आई कि एयर इंडिया ने कुछ मामलों में 60 साल से अधिक उम्र के दोनों फ्लाइट क्रू के साथ उड़ानें संचालित की, जो एयरक्राफ्ट रूल्स, 1937 के नियम 28 ए के उप नियम (2) का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेटर को अल्ट्रा-लॉन्ग रेंज उड़ानों से पहले और बाद में पर्याप्त साप्ताहिक आराम और फ्लाइट क्रू को लेओवर पर पर्याप्त आराम प्रदान करने में भी कमी पाई गई, जो एफडीटीएल पर नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं के मौजूदा प्रावधानों का उल्लंघन है। इसके अलावा ऑडिट के दौरान ड्यूटी अवधि से अधिक होने, गलत तरीके से चिह्नित प्रशिक्षण रिकॉर्ड, ओवरलैपिंग कर्तव्यों आदि में भी कमी पाई गई।

मेघा इंजीनियरिंग ने आसपास ही खरीदे कई चुनावी बांड

नई दिल्ली । मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने महत्वपूर्ण परियोजनाओं को हासिल करने की तारीख के आसपास ही कई चुनावी बांड खरीदे। इसमें जम्मू-कश्मीर में 4,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाई जा रही जोजिला सुरंग परियोजना भी शामिल है। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा जारी चुनावी बॉन्ड से संबंधित आंकड़ों के मुताबिक हैदराबाद स्थित कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) ने कुल 966 करोड़ रुपये के चुनावी बांड खरीदे। चुनावी बांड खरीदने के लिहाज से यह कंपनी दूसरे स्थान पर रही है। इसी साल कंपनी ने अक्टूबर-नवंबर में केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में एशिया की सबसे लंबी सड़क सुरंग परियोजना हासिल की थी। एमईआईएल ने मार्च, 2023 में मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में बुलेट ट्रेन स्टेशन के निर्माण के लिए 3,681 करोड़ रुपये की परियोजना हासिल की थी। इसके अगले महीने अप्रैल, 2023 में कंपनी ने कुल 140 करोड़ रुपये के बांड खरीदे। एमईआईएल ने अक्टूबर 2019 में पांच करोड़ रुपये के बांड खरीदे थे। नवंबर 2019 में कंपनी को आंध्र प्रदेश में राज्य सरकार से 4,358 करोड़ रुपये की परियोजना मिली थी।

बचपन

जिराफ की गर्दन लम्बी कैसे हुई?

जिराफ की लम्बी गर्दन के लिये पूर्व अफ्रीका में एक कहानी प्रचलित है। सृष्टि की शुरुआत के समय ईश्वर ने जिराफ को दूसरे जानवरों की तरह ही सामान्य पैर और गर्दन दी, उस समय जिराफ बहुत कुछ बडे सांभर से मिलता जुलता सा था। सब कुछ अच्छा चल रहा था, जिराफ भी संतुष्ट था। किन्तु एक वर्ष भयंकर अकाल और सूखा पडा। सारे जानवर भूख और प्यास से बिलबिलाने लगे क्योंकि सारा पानी सूख चुका था और सारी घास पहले ही चर ली गई थी बाकि सूख गई थी। यहाँ तक कि सूखी घास भी खाकर जानवरों ने खत्म कर ली। बस सूखी कंटीली टहनियों और पीली और कडवी टर्पेन्टाईन घास के अलावा कुछ न बचा था। जानवर पानी और भोजन की तलाश में हर रोज मीलों दूर चल कर जाते जहाँ पानी के कुछ गड्ढे बचे थे। यह वह समय था जबकि सबसे स्वस्थ और शक्तिशाली जानवर ही बच सकते थे।

एक दिन जिराफ सूखे मैदानी इलाके में जहाँ रेतीले चक्रवात राक्षस की तरह घूमते थे और क्षितिज पर गर्म धूप चमकती थी, अपने दोस्त गैंडे से मिला। वे दोनों साथ साथ पानी के गड्ढे की तलाश में आए थे। दोनों इस कठिन समय और भोजन पानी के अकाल की बातें करने लगे।

ओह मित्र देखो सारे जानवर कैसे इस सूखे मैदान में भोजन ढूंढते हुए व्याकुल घूम रहे हैं। लेकिन देखो वहाँ पलाश के उन पेडों को।

जिराफ ने कहा

हूँ! गैंडे ने बस सर हिलाया क्योंकि वह आज भी ज्यादा बातूनी नहीं है।

कितना अच्छा होता अगर हम उन पेडों की सबसे ऊंची डालियों तक पहुँच पाते जहाँ कोमल नाजुक नई पत्तियाँ हैं। वहाँ हमें पर्याप्त भोजन मिल सकता है किन्तु न तो मैं पेड पर चढ सकता हूँ, और ना ही तुम। जिराफ कहता रहा।

गैंडे ने सर उठा कर देखा, सचमुच उन पेडों पर हरी भरी कोमल पत्तियों का घना छतनार था।

अँशायद हमें जादूगर के पास जाना चाहिये वह एक आदमी है जो कि बहुत शक्तिशाली और बुध्दिमान है। गैंडे ने सूखी डाली चबाते हुए सोच समझ कर कहा।

वाह क्या सूझी है तुम्हें भी। चलो दोस्त चलें, किधर से चलें? क्या वह सच में हमारी मदद कर सकेगा? जिराफ उत्सुक हो उठा।

दोनों मित्र सूर्य डूबने तक चलते रहे, बस एक दो बार कीचड भरे गड्ढे में पानी पीने को पल भर रुके होंगे। एक लम्बी यात्रा के बाद मध्य रात्रि को वे आधे रास्ते तक ही पहुँचे। ज़रा विश्राम के बाद वे फिर चल पडे अब सुबह हो चली थी और अन्ततः वे जादूगर तक पहुँच ही गये और अपनी समस्या उसके सामने रखी।

जादूगर ठठा कर हंस पडा, ओऽ ह यह तो मेरे लिये बहुत आसान है। तुम कल दोपहर यहाँ फिर आना और मैं तुम्हें जादूई जडीबूटी खाने को दूंगा। जो कि तुम्हारी टाँगों और गर्दन को इतना लम्बा बना देगी कि तुम पेडों के शिखर तक पहुंचने के काबिल हो जाओगे। जादूगर जडी बूटी ढूंढ कर तैयार करने में व्यस्त हो गया और प्रसन्नता से भरे गैंडा और जिराफ पास के पानी के गड्ढे पर विश्राम के लिये चले आए।

सुबह तयशुदा समय पर जादूगर की कुटिया पर केवल जिराफ पहुँचा और गैंडा कहीं पीछे छूट गया, क्योंकि उसे कहीं पीछे हरी घास का एक टुकडा मिल गया था जो कि किसी तरह अन्य जानवरों की नजर से बचा रह गया था। और लालची गैंडा उस घास को हबड हबड ख़ाने में इतना मशगूल हो गया कि वह जिराफ से पीछे तो छूट ही गया और उसे दोपहर तक भी जादूगर की कुटिया तक पहुँचने की याद न आई।

काफी देर के इंतजार के बाद जिराफ के बहुत कहने पर भी जादूगर ने इंतजार नहीं किया, उसने जिराफ को सारी तैयार जडी बूटी दे दी और स्वयं अपनी कुटिया में चला गया यह कह कर कि , जल्दी खा लेना, वरना इसका असर खत्म हो जाएगा।

बेचारे जिराफ ने न चाह कर भी पूरी जडी बूटी खा ली। खाते ही उसकी गर्दन और टाँगों में एंठन होने लगी और अचानक उसे लगा कि पृथ्वी से वह उपर उठा जा रहा है। कितना अजीब मगर मजेदार अनुभव था। जिराफ ने रोमांच से आंखे बंद कर लीं, जब खोलीं तो सारा संसार बदला सा लगा। वह बहुत उपर था हवा में, मीलों तक देख पा रहा था। उसने अपने लम्बे लम्बे पैरों और गर्दन को देखा और मुस्कुरा दिया। जादू काम कर गया! उसने पाया कि उसकी ही लम्बाई पर पलाश के पेडों की हरी पत्तियों का छतनार शीर्ष था। उसकी खुशी का पारावार न था।

उधर गैंडे को जब याद आया शाम ढले जब वह घास का वह पूरा टुकडा चर चुका था तब वह भागा भागा जादूगर की कुटिया पर पहुंचा। वहाँ दरवाजा बन्द था। उसे देर हो चुकी थी। उसने वहाँ देखा नये लम्बे सुन्दर जिराफ को, जो कि मजे से उपर की डालियों की पत्तियां खा रहा था, दूसरे जानवरों से उसका कोई लेना देना न था, उपर की डालियों का सारा का सारा भोजन उसका ही था।

तब उसने कुटिया का दरवाजा खटखटाया। अन्दर से निकल कर जादूगर ने कहा कि तुम देर से आए सारी जडी बूटी खत्म। गैंडे को लगा कि उसके साथ जादूगर ने धोखा किया है तो उसे गुस्सा आ गया, उसने अपनी नाक का सींग उठाया और आदमी पर हमला करने भागा और तब तक उसके पीछे भागता रहा जब तक कि वह झाडियों में न जा छिपा।

वह दिन और आज का दिन कि गैंडा बहुत गुस्सैल हो गया, जब भी वह लोगों को देखता है उसे जादूगर की जिराफ को दी गई लम्बी टाँगे और गर्दन याद आ जाती है और वह अपनी नाक का सींग उठा कर आदमियों के पीछे भागता है।

चाणक्य के 10 अमर वाक्य

दोस्तों क्या तुम जानते हो कि दुनिया का सबसे महान अर्थशास्त्री कौन है। जी हां वह हैं हिंदुस्तान के गौरव आचार्य चाणक्य। आचार्य चाणक्य की ही नीतियां आज भी बड़े-बड़े अर्थशास्त्री उपयोग करते हैं। उनके इतिहास पर भारत को गर्व है। चाणक्य एक महान शिक्षक, प्रखर राजनीतिज्ञ एवं अर्थशास्त्रकार थे। आपके लिए प्रस्तुत है आचार्य चाणक्य के पंद्रह अमर वाक्य।

1 हर मित्रता के पीछे कोई स्वार्थ जरूर होता है, यह कड़वा सच है।

2 दूसरों की गलतियों से सीखो, अपने ही ऊपर प्रयोग करके सीखने को तुम्हारी आयु कम पड़ेगी।

3 व्यक्ति अपने आचरण से महान होता है जन्म से नहीं।

4 अगर कोई सर्प जहरीला नहीं है तब भी उसे जहरीला दिखना चाहिए। वैसे दंश भले ही न दो पर दंश दे सकने की क्षमता का दूसरों को अहसास करवाते रहना चाहिए।

5 किसी भी व्यक्ति को बहुत ईमानदार नहीं होना चाहिए। सीधे वृक्ष और व्यक्ति पहले काटे जाते हैं।

6 भय को नजदीक न आने दो, अगर यह नजदीक आए इस पर हमला कर दो यानी भय से भागो मत इसका सामना करो।

7 दुनिया की सबसे बड़ी ताकत पुरुष का विवेक और महिला की सुन्दरता है।

8 काम का निष्पादन करो, परिणाम से मत डरो।

9 ईश्वर चित्र में नहीं चरित्र में बसता है, अपनी आत्मा को मंदिर बनाओ।

10 सुगंध का प्रसार हवा के रुख का मोहताज होता है, पर अच्छाई सभी दिशाओं में फैलती है।

बाल कहानी

होशियार दोस्त

शोभित और उसकी क्लास के सभी बच्चे दिल्ली के चिडियाघर घूमने गए थे। टूर पर साथ आए क्लास टीचर ने जब दोबारा शोभित को बाघ के बाड़े के नजदीक जाने पर तेज आवाज में डांटा, तो उसने सर से कहा–सॉरी सर, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी..

शोभित और उसकी क्लास के सभी बच्चे दिल्ली के चिडियाघर घूमने गए थे। टूर पर साथ आए क्लास टीचर ने जब दोबारा शोभित को बाघ के बाड़े के नजदीक जाने पर तेज आवाज में डांटा, तो उसने सर से कहा-सॉरी सर, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी.. जब तक उसने सर को सॉरी कहा, तब तक उसका पैर फिसल चुका था। वह सीधे बाघ के बाड़े में जा गिरा। कुछ आहट पाकर जब बाघ ने पीछे मुड़कर देखा, तो शोभित डर गया। बाघ उठकर धीरे-धीरे उसके पास आने लगा। बाघ को अपने नजदीक आते देखा, तो उसका दिल धक से रह गया। उसने अपनी आंखें मींच ली, क्योंकि वह जानता था कि उसका वहां से भागना व्यर्थ है। वहां पर उपस्थित लोगों में भी इतना साहस न था कि वे जाकर उसे बचा लें। सोहम भी अन्य छात्रों के साथ वहां टूर पर आया हुआ था। वह शोभित का मित्र भी था। वह बड़ा होशियार और चतुर लड़का था। उसे जानवरों से भी बेहद प्यार था। तभी उसे याद आया कि उसके पास जो मोबाइल है, उसमें अलग-अलग जानवरों की आवाजें रिकॉर्ड हैं। उसने इन आवाजों को तब रिकॉर्ड किया था, जब वह अपने परिवार के साथ वाइल्ड लाइफ सैंचुरी गया था। तभी उसे एक युक्ति सूझी और उसने मोबाइल पर हाथी के आवाज की रिकॉर्डिंग चला दी। हाथी की आवाज सुनकर बाघ का ध्यान उस तरफ हो गया और वह वहां रुक गया। उसी समय शोभित के अध्यापक ने उसे बाहर की ओर खींच लिया। एक पल के लिए शोभित चौंक गया। जब उसे पता चला कि सोहम की बुद्धिमानी से ही आज वह जिंदा बच पाया है, तो उसने उसे बहुत-बहुत धन्यवाद कहा। उसने सोहम से कहा, 'अगर आज तुम अपनी चतुराई न दिखाते, तो मैं यहां सुरक्षित न खड़ा होता। आज तुमने साबित कर दिया है कि होशियारी से हम बड़ी से बड़ी मुसीबत का समाधान निकाल सकते हैं।' वहां उपस्थित सभी लोगों ने सोहम की तारीफ की और तालियां भी बजाई। सॉरी कहा, तब तक उसका पैर फिसल चुका था। वह सीधे बाघ के बाड़े में जा गिरा। कुछ आहट पाकर जब बाघ ने पीछे मुड़कर देखा, तो शोभित डर गया। बाघ उठकर धीरे-धीरे उसके पास आने लगा। बाघ को अपने नजदीक आते देखा, तो उसका दिल धक से रह गया। उसने अपनी आंखें मींच ली, क्योंकि वह जानता था कि उसका वहां से भागना व्यर्थ है। वहां पर उपस्थित लोगों में भी इतना साहस न था कि वे जाकर उसे बचा लें। सोहम भी अन्य छात्रों के साथ वहां टूर पर आया हुआ था। वह शोभित का मित्र भी था। वह बड़ा होशियार और चतुर लड़का था। उसे जानवरों से भी बेहद प्यार था। तभी उसे याद आया कि उसके पास जो मोबाइल है, उसमें अलग-अलग जानवरों की आवाजें रिकॉर्ड हैं। उसने इन आवाजों को तब रिकॉर्ड किया था, जब वह अपने परिवार के साथ वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी गया था। तभी उसे एक युक्ति सूझी और उसने मोबाइल पर हाथी के आवाज की रिकॉर्डिंग चला दी। हाथी की आवाज सुनकर बाघ का ध्यान उस तरफ हो गया और वह वहां रुक गया। उसी समय शोभित के अध्यापक ने उसे बाहर की ओर खींच लिया। एक पल के लिए शोभित चौंक गया। जब उसे पता चला कि सोहम की बुद्धिमानी से ही आज वह जिंदा बच पाया है, तो उसने उसे बहुत-बहुत धन्यवाद कहा। उसने सोहम से कहा, 'अगर आज तुम अपनी चतुराई न दिखाते, तो मैं यहां सुरक्षित न खड़ा होता। आज तुमने साबित कर दिया है कि होशियारी से हम बड़ी से बड़ी मुसीबत का समाधान निकाल सकते हैं।' वहां उपस्थित सभी लोगों ने सोहम की तारीफ की और तालियां भी बजाई।

बाल कविता

लुका लुकौअल

चुन्नू आओ, आओ मुन्नू,
छिवा छिवौअल खेलें
हंसते हंसते दौड़ लगाकर,
लुका लुकौअल खेलें
अब्बक–दब्बक दांय दीन में,
कल सोहन हारा था
भटका इधर–उधर जैसे वह,
बादल आवारा था
दौड़–भाग में नंदूजी के,
घुटने खिसल गए थे
कल्लू के तो पैरों से ही,
जूते निकल गए थे
दादा बोले घर में बैठो,
उड़ा उडौअल खेलें
पिट्ठू खेली कल दिन भर तो,
मिला ना घर में खाना
दादी ने डांटा टिल्लू को,
अब घर पर मत आना
बिना बताए बुद्धु भैया,
नदी नहाने गए थे
गिरते–गिरते बचे घाट पर,
पंजे फिसल गए थे
काका बोले बैठ यहां पर,
पढ़ा पढ़ौअल खेलें
खेल खेलना बहुत जरूरी,
पापाजी कहते हैं
रोज खेल जो खेला करते,
स्वस्थ सदा रहते हैं
पर यह भी बात जरूरी,
रोज नियम से पढ़ना
धीरे–धीरे कदम बढ़ाना,
प्रतिपल आगे बढ़ना
रखना अपना मन काबू में,
मना मनौअल खेलें।

पंजाब में संदिग्ध जहरीली शराब पीने से छह की मौत.... कुल संख्या 20

चंडीगढ़। पंजाब के संगरूर में संदिग्ध जहरीली शराब पीने से छह और लोगों की मौत के बाद मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 20 हो गई है। इस बीच, घटना के संबंध में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में चार सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। वहीं 11 लोगों का पटियाला के राजिंदरा अस्पताल और छह लोगों का संगरूर के सिविल अस्पताल में इलाज हो रहा है। संगरूर के सिविल सर्जन कृपाल सिंह ने बताया कि इस घटना में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि दिड़बा और सुनाम ब्लॉक के गुजरां, टिब्बी रविदासपुरा और ढंडोली खुर्द गांवों से लोगों की मौत होने की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले में अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पूरे मामले में साठगांठ का पता लगाने के सिलसिले में पेशेवर और वैज्ञानिक तरीके से जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। पंजाब के एडीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) गुरिंदर सिंह ढिल्लों की अध्यक्षता में चार सदस्यीय एसआईटी जांच की निगरानी करेगी। उप महानिरीक्षक (पटियाला रेंज) हरचरण भुल्लर, संगरूर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरताज चहल और अतिरिक्त आयुक्त (आबकारी) नरेश दुबे एसआईटी का हिस्सा बने हैं। पुलिस ने कहा, एसआईटी साजिश की तह तक जाएगी। इसमें शामिल पाए गए किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

गैंगस्टर पुजारी को चीन से निर्वासन के बाद भारत लाया गया

–जबरन वसूली और अपहरण सहित कई मामले

मुंबई। जबरन वसूली और अपहरण सहित कई गंभीर अपराधों में शामिल होने के आरोपी गैंगस्टर प्रसाद पुजारी को शनिवार सुबह चीन से निर्वासन के बाद भारत वापस लाया गया। यहां मुंबई पुलिस ने गैंगस्टर प्रसाद पुजारी को गिरफ्तार कर लिया। गैंगस्टर पुजारी उर्फ सुभाष विट्ठल उर्फ सिद्धार्थ शेट्टी उर्फ सिद्धू उर्फ सिद्ध उर्फ जॉनी गैंगस्टर कुमार पिल्लई और छोटा राजन के नेतृत्व वाले गिरोह का पूर्व सदस्य है। वह चीन में रह रहा था, जहां पिछले साल गैंगस्टर प्रसाद पुजारी को गिरफ्तार कर लिया गया था। उन्होंने बताया कि उसके बाद मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच लगातार गैंगस्टर को देश वापस लाने की कोशिश करती रही। विक्रोली के टैगोर नगर का निवासी, वह वर्षों पहले देश से भाग गया था। अपराध शाखा के अधिकारी ने कहा कि उसने कथित तौर पर पूर्वी मुंबई में बिल्डरों और व्यापारियों को निशाना बनाया था। पुजारी का नाम दिसंबर 2019 में विक्रोली इलाके में रहने वाले शिवसेना कार्यकर्ता चंद्रकांत जाधव पर गोलीबारी के मामले आया था। गैंगस्टर पुजारी को फरवरी 2023 में हांगकांग में अधिकारियों ने पकड़ लिया था। इंटरपोल की एक गुप्त सूचना के बाद, पुजारी फर्जी पासपोर्ट रखने के आरोप में पिछले साल मार्च में हांगकांग में गिरफ्तार किया गया था। पुजारी को तब पकड़ा गया जब वह हांगकांग से शेनझेन के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। पुजारी, जिसने एक चीनी नागरिक से शादी की है, शेनझेन में रह रहा था गिरफ्तारी के समय उनकी पत्नी और एक बच्चा था। 2020 में मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने पुजारी की मां इंदिरा विट्ठल पुजारी को विक्रोली के एक बिल्डर से जबरन वसूली के मामले में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया था। अधिकारी ने कहा कि उस एक डेवलपर से कथित तौर पर 10 लाख की जबरन वसूली करने के आरोप में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। प्रसाद पुजारी अंतर्राष्ट्रीय नंबरों का उपयोग करके व्यवसायियों और जाने–माने लोगों से भी पैसे वसूलता था और कुछ प्रमुख फिल्म निर्देशकों, निर्माताओं और बॉलीवुड अभिनेताओं को जान से मारने की धमकी देता था। उन्होंने कहा कि उसका गिरोह मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई इलाकों में बहुत सक्रिय है। चीन से डिपोर्ट किए जाने के बाद शनिवार देर रात करीब 1 बजे उन्हें भारत लाया गया।

कंपनी में निवेश के नाम पर 62.54 लाख रुपये की ठगी

जींद। हरियाणा के जींद जिले में कंपनी में निवेश करने पर भारी मुनाफा दिलाने के नाम पर 62.54 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। शिकायतकर्ता खरैंटी गांव निवासी दीपक के मुताबिक फरवरी 2021 में उनकी मुलाकात गोहाना रोड पर आयोजित एक कार्यक्रम में कथित तौर पर हर्बल उत्पाद बनाने वाली कंपनी के मालिक एवं राजपुरा भैण गांव निवासी अशोक व चरखी–दादरी जिले के ढांडी छिल्लर गांव निवासी दिनेश से हुई। दीपक के मुताबिक दोनों ने कंपनी में निवेश करने पर भारी मुनाफा देने का प्रलोभन दिया और वह उनके झांसे में आ गए। शिकायत के मुताबिक पीड़ित ने अलग–अलग मौकों पर कुल 62.54 लाख रुपये का निवेश कथित कंपनी में किया लेकिन दो साल बीतने पर भी कोई राशि नहीं मिलने पर वह अर्बन एस्टेट स्थित कंपनी के कार्यालय गया, जहां आरोपियों ने उनसे गाली–गलौज की और नतीजे भुगतने की धमकी दी।

बदायूं हत्या कांड का दूसरा आरोपी जावेद रात भर जेल में करवटें बदलता रहा

बरेली। बदायूं में दो मासूम बच्चों की हत्या का दूसरा आरोपी जावेद की पहली रात डर से करवटें बदलता रहा। हत्या के दूसरे आरोपी जावेद की पहली रात जेल में करवटें बदलते बीती है। उसे जेल के अस्पताल सेल में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है। उसकी सुरक्षा में 2 रक्षकों को भी लगाया है और सीसीटीवी कैमरे से उसकी निगरानी की जा रही है। गौरतलब है कि बदायूं की बाबा कॉलोनी में 19 मार्च की शाम विनोद ठाकुर के पुत्र आयुष (13) और अहान उर्फ हनी (6) की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। विनोद के घर के सामने सैलून चलाने वाले साजिद ने इस वारदात को अंजाम दिया था। उस वक्त उसका भाई जावेद भी उसके साथ था। जावेद ने बताया कि घटना के दिन वह विनोद कुमार के घर के दरवाजे पर खड़ा था। इसी दौरान साजिद ने दोनों बच्चों का गला रेत दिया था। घटना के बाद वह दिल्ली भाग गया था। वहां से वह बृहस्पतिवार को बरेली पहुंचा जहां उसने आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके बाद बदायूं पुलिस उसे लेकर आई। उससे गहन पूछताछ की गई। उसने खुद को निर्दोष और अपने भाई साजिद को हत्यारा बताया। शुक्रवार को जावेद को सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया जहां से 14 दिन की न्यायिक हिरासत में उसे जेल भेज दिया गया था। शाम के समय जेल में उसकी रजिस्टर पर एंट्री हुई। इस दौरान जावेद को अंडर ट्रॉयल नंबर 751 मिला। जावेद की पहली रात डर के साये में बीती। जानकारी के मुताबिक वह डर की वजह से रात भी करवटें बदलता रहा। उसे अस्पताल सेल में कड़ी सुरक्षा में रखा गया है।

बाइक सवार ने फुटपाथ पर सो रहे लोगों को कुचला, एक की मौत

कोल्लम। केरल के कोल्लम जिले में शुक्रवार देर रात एक बाइक सवार ने सड़क के पास बनी फुटपाथ पर सो रहे लोगों पर बाइक चढ़ दी जिससे वहां सो रहे एक युवक की मौत हो गई कई अन्य घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक केरल के कोल्लम जिले के जोनाकापुरम में शुक्रवार देर रात एक तेज गति से बाइक चले रहे बाइकसवार ने फुटपाथ पर सो रहे लोगों पर चढ़ दी जिसमें एक दिव्यांग की मौत हो गई। कई अन्य घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौक पर पहुंच गई। पुलिस ने बताया मरने वाले व्यक्ति की पहचान पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के रहने वाले अरुमुघम (60) के रूप में हुई है। पुलिस ने बाइक सवार को हिरासत में ले लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

35 समुद्री लुटेरों को लेकर मुंबई पहुंचा आईएनएस कोलकाता

कोलकाता। आए दिन अरब सागर में समुद्री लुटरों द्वारा जहाजों को लुटने से कई देश परेशान थे। इसे लेकर भारतीय नौसेना एक अभियान चला और इस अभियान को नाम दिया ऑपरेशन संकल्प। इस ऑपरेशन के तहत भारतीय नौसेना ने कई जहानों को लुटने से बचाया और लुटरों को भागने का मजबूर किया और कुछ लुटेरो को बंधक भी बनाया। भारतीय नौसेना के 'ऑपरेशन संकल्प' के तहत की गई कार्यवाही में पकड़े गए 35 समुद्री लुटेरों को लेकर मुंबई पहुंचा युद्धपोत आईएनएस कोलकाता। नौसेना ने इसकी जानकारी दी। उसने कहा कि यहां लाने के बाद इन समुद्री लुटेरों को मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया है। 'ऑपरेशन संकल्प' के तहत भारतीय नौसेना के जहाजों को अरब सागर और अदन की खाड़ी में तैनात किया गया है ताकि क्षेत्र से गुजरने वाले नाविकों और मालवाहक पोतों की सुरक्षा प्रदान की जा सके।

औकात में रहें... केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद फूटा भगवंत मान का गुस्सा

मुंबई (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय की रिमांड पर लेने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा सरकार विपक्ष में किसी को भी चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं देती है। मान ने कहा कि बीजेपी यही चाहती है कि उनके सामने कोई चुनाव न लड़े। हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लो। ममता दीदी को प्रचार करने से रोको। उन पर सीबीआई, ईडी की रेड कर दो। तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु, पंजाब सभी जगह पर ऐसा देखने को मिल रहा है। ये अपने आप को भगवान समझने लगे हैं। इन्हें अहंकार हो गया है कि हम ही चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे।

भगवंत मान ने कहा कि अगर इतना ही अपनी लहर पर यकीन है तो वोट मांगें और लोगों के सामने अपना विजन बताए हम अपना बताएंगे। लेकिन ये सरासर गलत है कि विपक्ष को लड़ने ही नहीं दोगे। उनके नेताओं को झूठे केस में उठाकर अंदर कर दोगे। मध्य प्रदेश में व्यापम घोटाला हुआ था उसका किंगपिन कौन है। कभी ईडी ने यूपी, गुजरात में रेड मारी। जहां इनकी सरकार है वहां तो सब ठीक है। जिनसे ये नहीं जीतते उनसे नफरत करने लगते हैं। आज 23 मार्च के दिन शहीद ए आजम भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को फांसी हुई थी।

मान ने कहा कि डेमोक्रेसी के लिए उन्हें फांसी हुई थी। आज उनकी आत्मा तड़पती होगी कि इसी डेमोक्रेसी के लिए हमने 22-24 साल की उम्र में फांसी दी थी। भगवंत मान ने कहा कि 4 जून को आम आदमी पार्टी एक राजनीतिक शक्ति बनकर उभरेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शाखों से टूट जाएँ वो पत्ते नहीं हैं हम, आंधी से कोई कह दो के औकात में रहे।

सीएम स्टालिन ने मछुआरों की रिहाई पर विदेश मंत्री को लिखा पत्र

–सुरक्षा और भलाई के लिए बिना देरी कार्रवाई करें

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने श्रीलंका नौसेना द्वारा पकड़े गए मछुआरों और उनकी नौकाओं को रिहा करने के लिए भारत के विदेश मंत्री को पत्र लिखा है कि मछुआरों की सुरक्षा और भलाई के लिए बिना किसी देरी के निर्णायक कार्रवाई की जानी चाहिए। स्टालिन ने श्रीलंका द्वारा पकड़े गए 76 मछुआरों और उनकी मछली पकड़ने वाली नौकाओं की तत्काल रिहाई और उन्हें कानूनी सहायता सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर को पत्र लिखा। डॉ. जयशंकर को लिखे एक अर्ध–आधिकारिक पत्र में स्टालिन ने कहा, मैं आपको श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी से जुड़ी हाल की घटनाओं के बारे में पत्र लिख रहा हूं। उन्होंने कहा, पिछले कुछ हफ्तों में, भारत के मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा हिरासत में लेने की कई घटनाएं हुई हैं, जिससे उनके परिवारों और समुदायों में संकट पैदा गया है। स्टालिन ने पत्र में लिखा कि मैं आपसे हमारे सभी मछुआरों और उनकी नौकाओं की तत्काल रिहाई और श्रीलंका द्वारा हिरासत में लिए गए मछुआरों को कानूनी सहायता प्रदान करने का आग्रह करता हूं। इस गंभीर मुद्दे के समाधान के लिए और प्रभावित मछुआरों की सुरक्षा तथा भलाई सुनिश्चित करने के लिए बिना किसी देरी के निर्णायक कार्रवाई करें। सी स्टालिन ने कहा कि जिन मछुआरों को श्रीलंकाई की अदालत ने सजा सुनाई है, उनके लिए अतिरिक्त कानूनी मदद देने की जरुरत है।

'जो कल तक नैतिकता की बात करते थे, आज वो जेल से सरकार चलाने की बात कर रहे', केजरीवाल पर बीजेपी का वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बीजेपी ने निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि शराब घोटाले में कई नेता जेल में हैं। और झूठ की शुरुआत केजरीवाल ने की थी। जो लोग कल तक लोगों को क्लीन चिट देते थे वे आज जेल में हैं। उन्होंने सिसोदिया का भी जिक्र किया। ठाकुर ने कहा कि शुचिता की राजनीति की बात करते-करते, आज शराब घोटाले की दल-दल में फंस चुकी आम आदमी पार्टी की शराब की बात करें, तो ये एक राज्य से दूसरे राज्य तक जाती है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि जहां एक ओर शराब घोटाले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह और ऐसे उनके कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता आज जेल में हैं। वहीं मुख्यमंत्री और कट्टर बेईमान अरविंद केजरीवाल भी भ्रष्ठ की गिरफ्त में हैं। उन्होंने कहा कि तथाकथित 'ईमानदारी' और 'क्लीन चिट' की बात करने वाले देश के सामने बेनकाब हो गए हैं। मैंने कहा था कि केवल 'दलाल' ही सलाखों के पीछे है और सरगना को अभी जेल जाना बाकी है। और देखिए, आज 'कतर ईमानदार' का सच हम सबके सामने आ गया है।

भाजपा नेता ने कहा कि जो कल तक नैतिकता की बात करते थे, आज वो कह रहे हैं कि मैं जेल से भी सरकार चलाऊंगा। इनके दूसरे राज्य पंजाब में, जहां ये सत्ता में ये कहकर आए थे कि हम नशे के खिलाफ अभियान चलाएंगे। कल वहां नकली शराब के चलते 20 से अधिक लोगों की जान चली गई। सोचिए, जब मुख्यमंत्री के अपने जिले की ये हालात हैं, तो पूरे पंजाब की क्या हालत होगी? उन्होंने कहा कि शर्मनाक क्से जुड़ी एक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, कल पंजाब में जहरीली शराब के सेवन से 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई। केजरीवाल ने कहा था कि सत्ता में आने पर वह पंजाब में नशे के खिलाफ अभियान चलाएंगे। लेकिन देखो, क्या हो रहा है!

ठाकुर ने कहा कि सोचिए अगर मुख्यमंत्री के अपने जिले का यह हाल है तो पूरे पंजाब का क्या हाल होगा? उन्होंने कहा कि मैं भगवंत मान जी से पूछना चाहता हूं... वह कहां सो रहे हैं? वो सत्ता के नशे में सोए हैं या फिर... कुछ पता नहीं। उनके राज्य में 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और अभी तक उनका एक भी बयान सामने नहीं आया है।

लोहे का बना है, आपका भाई आपका बेटा

–केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, सीएम का वीडियो मैसेज को पढ़कर सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इन दिनों ईडी की गिरफ्त में हैं। उन्हें गिरफ्तार करने को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता समेत अन्य सहयोगी दल भी केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं। अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने आज शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सीएम के द्वारा जेल से भेजे गए संदेश को पढ़कर सुनाया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का संदेश पढ़ते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुनीता ने कहा, कि मेरे प्यारे देशवासियों, मुझे गिरफ्तार कर लिया गया है। अब मैं अंदर रहूं या बाहर, हर पल देश की सेवा करता रहूंगा। मेरी जिंदगी का एक-एक पल देश को समर्पित है। मेरे शरीर का एक-एक कतरा देश के लिए ही है। उन्होंने आगे कहा- इस पृथ्वी पर मेरा जीवन ही संघर्ष हेतु हुआ है। इसीलिए यह गिरफ्तारी मुझे अचंभित नहीं करती। पिछले जन्म में अवश्य ही मैंने पुण्य किए रहे होंगे, जो मैं भारत जैसे महान देश में पैदा हुआ। हमें मिलकर भारत को फिर से महान बनाना है। देश के अंदर और बाहर ढेरों ऐसी शक्तियां हैं, जो भारत को कमजोर कर रही हैं।

सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने इसी के साथ कहा कि हमें सचेत रहना है और इन शक्तियों को पहचानना है और हराना भी है। भारत में ऐसी ढेर ताकतें हैं, जो देशभक्त हैं और भारत को आगे बढ़ाना चाहती हैं। इन ताकतों के साथ जुड़ना और इन्हें मजबूत करना है। संदेश पढ़ते हुए उन्होंने आगे कहा, कि दिल्ली की मेरी मां-बहनें सोच रही होंगी कि केजरीवाल तो अंदर चले गए पता नहीं 1000 रूपए मिलेंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसी सलाखें नहीं बनी हैं जो आपके भाई और बेटे को कैद करके रख सकें। आगे पढ़ते हुए उन्होंने कहा, कि मैं जल्द ही बाहर आऊंगा और अपना वादा भी पूरा करूंगा। उन्होंने कहा, क्या आज तक ऐसा हुआ है कि केजरीवाल ने कोई वादा किया हो और वो पूरा नहीं हुआ हो। आपका भाई और बेटा लोहे का बना हुआ है। उन्होंने निवेदन करते हुए कहा, कि एक विनती है कि मंदिर जरूर जाना और भगवान से मेरे लिए आशीर्वाद मांगना। इसके अंत में सुनीता ने सीएम केजरीवाल का संदेश पढ़ते हुए कहा, कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील है कि लोकसेवा का कार्य रुकना नहीं चाहिए और इस कारण से भाजपा वालों से नफरत मत करना, बीजेपी वाले भी हमारे भाई-बहन हैं। मैं जल्द ही लौट कर आऊंगा।

मेघालय में एनपीपी को समर्थन देगी बीजेपी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बीजेपी ने मेघालय में लोकसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के प्रत्याशियों को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। यह जानकारी दी विगत दिवस अधिकारियों ने दी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता वाले बीजेपी के सर्वोच्च निकाय ने लिया। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने अपने एक्स पर कहा, माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी के निर्देशों के अनुसार, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बीजेपी मेघालय की दोनों सीट शिलांग और तुरा में एनपीपी प्रत्याशियों को अपना समर्थन देगी।

गैर भाजपाइयों के लिए जेल भरो अभियान चला रही भाजपा : राकेश टिकैत

सहारनपुर (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार गैर भाजपाइयों के लिए जेल भरो अभियान चला रही है। देश पूंजिपतियों के हाथों में सौंप दिया है। किसानों की जमीनें व्यापारी खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार से ना डर करके जनता के हितों की आवाज मजबूती से उठाएं। किसान नेता राकेश टिकैत शनिवार को सहारनपुर के नागल के गांव मुस्तापुर में भाकियू अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष का पद छोड़कर टिकैत में शामिल हुए नरेश स्वामी के संयोजन में आयोजित घर वापसी कार्यकर्ता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने के लिए व्यवस्थापक की भूमिका में रहने की नसीहत दी। खर्च पर नियंत्रण और पुश्तैनी जमीनों को बेचने से किसान परहेज करें। टिकैत का घर वापसी करने वाले नरेश स्वामी, नीरज पहलवान और वीरेंद्र चौधरी ने पगड़ी पहना कर स्वागत किया। राष्ट्रीय सचिव चौधरी विनय कुमार ने पुनीत चौधरी को युवा मंडल महासचिव और वीरेंद्र चौधरी को मंडलीय मंत्री बनाने की घोषणा की।

लोहे का बना है, आपका भाई आपका बेटा

–केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, सीएम का वीडियो मैसेज को पढ़कर सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इन दिनों ईडी की गिरफ्त में हैं। उन्हें गिरफ्तार करने को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता समेत अन्य सहयोगी दल भी केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं। अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने आज शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सीएम के द्वारा जेल से भेजे गए संदेश को पढ़कर सुनाया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का संदेश पढ़ते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुनीता ने कहा, कि मेरे प्यारे देशवासियों, मुझे गिरफ्तार कर लिया गया है। अब मैं अंदर रहूं या बाहर, हर पल देश की सेवा करता रहूंगा। मेरी जिंदगी का एक-एक पल देश को समर्पित है। मेरे शरीर का एक-एक कतरा देश के लिए ही है। उन्होंने आगे कहा- इस पृथ्वी पर मेरा जीवन ही संघर्ष हेतु हुआ है। इसीलिए यह गिरफ्तारी मुझे अचंभित नहीं करती। पिछले जन्म में अवश्य ही मैंने पुण्य किए रहे होंगे, जो मैं भारत जैसे महान देश में पैदा हुआ। हमें मिलकर भारत को फिर से महान बनाना है। देश के अंदर और बाहर ढेरों ऐसी शक्तियां हैं, जो भारत को कमजोर कर रही हैं।

सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने इसी के साथ कहा कि हमें सचेत रहना है और इन शक्तियों को पहचानना है और हराना भी है। भारत में ऐसी ढेर ताकतें हैं, जो देशभक्त हैं और भारत को आगे बढ़ाना चाहती हैं। इन ताकतों के साथ जुड़ना और इन्हें मजबूत करना है। संदेश पढ़ते हुए उन्होंने आगे कहा, कि दिल्ली की मेरी मां-बहनें सोच रही होंगी कि केजरीवाल तो अंदर चले गए पता नहीं 1000 रूपए मिलेंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसी सलाखें नहीं बनी हैं जो आपके भाई और बेटे को कैद करके रख सकें। आगे पढ़ते हुए उन्होंने कहा, कि मैं जल्द ही बाहर आऊंगा और अपना वादा भी पूरा करूंगा। उन्होंने कहा, क्या आज तक ऐसा हुआ है कि केजरीवाल ने कोई वादा किया हो और वो पूरा नहीं हुआ हो। आपका भाई और बेटा लोहे का बना हुआ है। उन्होंने निवेदन करते हुए कहा, कि एक विनती है कि मंदिर जरूर जाना और भगवान से मेरे लिए आशीर्वाद मांगना। इसके अंत में सुनीता ने सीएम केजरीवाल का संदेश पढ़ते हुए कहा, कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील है कि लोकसेवा का कार्य रुकना नहीं चाहिए और इस कारण से भाजपा वालों से नफरत मत करना, बीजेपी वाले भी हमारे भाई-बहन हैं। मैं जल्द ही लौट कर आऊंगा।

सीबीएसई ने 20 विद्यालयों की मान्यता रद्द की, तीन विद्यालयों के ग्रेड कम किए

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने डमी छात्रों और अयोग्य उम्मीदवारों को दाखिला देने के आरोप में 20 विद्यालयों की मान्यता रद्द कर दी है, इस सूची में पांच दिल्ली के विद्यालय शामिल हैं। यह जानकारी बोर्ड के सचिव हिमांशु गुप्ता ने दी। सीबीएसई बोर्ड ने तीन विद्यालयों के ग्रेड का स्तर भी कम कर दिया है। बोर्ड के सचिव गुप्ता ने कहा, ''यह पता लगाने के लिए कि क्या सीबीएसई स्कूल संबद्धता और परीक्षा उपनियमों में निहित प्रावधानों और मानदंडों के अनुसार चल रहे हैं, देशभर के सीबीएसई विद्यालयों में किए गए एक औचक निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कुछ स्कूल डमी विद्यार्थियों और अयोग्य उम्मीदवारों को अपने स्कूल में दाखिले के लिए विभिन्न प्रकार के कदाचार कर रहे थे और रिकॉर्ड को दुरुस्त नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, ''गहन जांच के बाद 20 विद्यालयों की मान्यता रद्द करने और तीन का ग्रेड कम करने का निर्णय लिया गया है।

जलवायु परिवर्तन के कारण जीवनदायिनी गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र के अस्तित्व पर संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के लिए खतरा बन चुका है। एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जलवायु परिवर्तन का खतरनाक प्रभाव गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र सहित दक्षिण एशिया की प्रमुख नदी घाटियों पर महसूस होगा। रिपोर्ट में बताया गया कि मानवजनित गतिविधियों और जलवायु परिवर्तन के कारण करीब एक अरब लोगों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इन तीन नदियों पर नदी बेसिन प्रबंधन के लिए जलवायु लचीला दृष्टिकोण अपनाने की तुरंत जरूरत है। बता दें, हिंदू कुश हिमालय (एचकेएच) दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों के लिए मीठे पानी का स्रोत हैं। उनकी बर्फ, ग्लेशियरों और वर्षा से उत्पन्न पानी एशिया की 10 सबसे बड़ी नदी प्रणालियों को भरता है। गंगा भारतीय उपमहाद्वीप में 60 करोड़ से अधिक व्यक्तियों के लिए पवित्र और आवश्यक मानी जाती है। अब यह भी वर्तमान बढ़ते पर्यावरणीय खतरों का सामना कर रही है। तेजी से औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और गहन कृषि प्रथाओं ने नदी के पारिस्थितिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डाला है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सीवेज और औद्योगिक कचरे ने पानी को गंभीर रूप से प्रदूषित किया है, जिससे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए जोखिम बढ़ गया है। मानसून का मौसम, जो जल संसाधनों को फिर से भरने के लिए महत्वपूर्ण होता है, वहां मानसूनी पानी आज विनाशकारी बाढ़ लाता है। जबकि शुष्क मौसम पानी की कमी सामने खड़ा कर देता है, खासकर बांग्लादेश जैसे निचले इलाकों में। रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु संबंधी ये खतरे महिलाओं, विकलांग लोगों और हाशिए के समुदायों सहित कमजोर समूहों को असमान रूप से प्रभावित करते हैं।

इस तरह, इंडस नदी पाकिस्तान, भारत, अफगानिस्तान और चीन के 26.8 करोड़ लोगों के जीने का सहारा है। हालांकि, अभी जलवायु परिवर्तन के कारण यह सही हालत में नहीं है। बढ़ता तापमान और अनियमित मानसून इस संकट की ओर धकेल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिंधु बेसिन में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का पैमाना खाद्य सुरक्षा, आजीविका और जल सुरक्षा को कमजोर कर रहा है। मानसूनी बारिश के समय और तीव्रता में भिन्नता का बेसिन के स्वास्थ्य और स्थिरता पर पहले से ही गहरा प्रभाव पड़ रहा है।

वेल्स की राजकुमारी केट मिडल्टन ने वीडियो जारी कर दी कैंसर की जानकारी

लंदन। ब्रिटेन की राजगद्दी के उत्तराधिकारी प्रिंस विलियम की पत्नी केट मिडल्टन को कैंसर है। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर इसके बारे में खुलासा किया है। इसके पहले सोशल मीडिया पर केट मिडल्टन के स्वास्थ्य को लेकर कई अफवाहें चलने लगी थीं, खासतौर पर जब जनवरी में एक सर्जरी के बाद से वो सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखी थीं। वीडियो संदेश में केट ने कैंसर पता लगने को बड़ा सदमा बताते हुए कहा है कि मैं ठीक हूं और हर दिन मजबूत हो रही हूं।

केट ने बताया कि वो कीमोथेरेपी ले रही हैं। केट और विलियम की शादी साल 2011 में हुई थी। दोनों के तीन बच्चे हैं- प्रिंस जॉर्ज (10), राजकुमारी शॉर्लेट (8) और प्रिंस लुइस (5)। बताया जा रहा है कि केट ने फरवरी के अंत में कीमोथेरेपी की शुरुआत की थी। उन्होंने और विलियम ने इसका खुलासा करने के लिए अब तक इंतजार किया, क्योंकि शुक्रवार को उनके बच्चों के स्कूल की ईस्टर की छुट्टियां शुरू हो रही हैं। वीडियो संदेश में केट ने कहा, सर्जरी से उबरने और इलाज शुरू करने में मुझे समय लगा। लेकिन, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जॉर्ज, शार्लेट और लुइस को उनके लिए उचित तरीके से सब कुछ समझाने और उन्हें आश्वस्त करने में हमें समय लगा है कि मैं ठीक हो जाऊंगी। केट ने यह नहीं बताया है कि उन्हें किस तरह का कैंसर है। जनवरी में केट मिडल्टन की पेट की सर्जरी हुई थी। उस दौरान ये कहा गया था कि ये गैर-कैंसर थी, लेकिन बाद में आई जांच रिपोर्ट में इसमें कैंसर का पता चला है। ये कैंसर किस प्रकार का है, इस बारे में पैलेस की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। केट ने अपने वीडियो संदेश में कहा, मैं उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करके हर दिन मजबूत हो रही हूं, जो मुझे ठीक होने में मदद करेंगी। उन्होंने इस कठिन वक्त में उनकी प्राइवेसी का ध्यान रखने की अपील की। ब्रिटेन के शाही परिवार के लिए ये कठिन समय है। कुछ समय पहले ही किंग चार्ल्स को भी प्रोस्टेट कैंसर होने का पता चला था, जिसके बाद उन्होंने सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेना बंद कर दिया है।

गाजा में रमजान के दौरान संघर्षविराम के प्रस्ताव पर वोटिंग करने को तैयार यूएन

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद मुस्लिमों के पवित्र महीने रमजान के दौरान गाजा में मानवीय संघर्षविराम की मांग वाले प्रस्ताव पर मतदान करने को तैयार है। हालांकि, अमेरिका ने चेताया है कि इस तरह के कदम से हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को रिहा कराने के इजराइल के प्रयासों को झटका लग सकता है। परिषद में शनिवार को मतदान होने की संभावना है। परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को रूस और चीन का समर्थन प्राप्त है, जबकि दोनों देशों ने गाजा में तत्काल युद्धविराम संबंधी एक अमेरिकी प्रस्ताव पर वीटो का इस्तेमाल किया था। संयुक्त राष्ट्र में 22 देश के अरब समूह ने बयान जारी कर परिषद के सभी 15 सदस्यों से ''एकता व तत्परता के साथ कार्य करने, रक्तपात को रोकने, मानव जीवन की रक्षा करने'' के संकल्प के साथ मतदान करने की अपील की। क्षेत्र में रमजान की शुरुआत 10 मार्च को हुई और यह नौ अप्रैल को समाप्त होगा।

मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जर्मनी ने दिया बयान

बर्लिन। जर्मनी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की शराब नीति मामले में गिरफ्तारी को लेकर बयान दिया है। जर्मन विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस घटना पर ध्यान दिया है। मंत्रालय ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। जर्मनी ने इसके पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मानहानि मामले में दोषसिद्धि के बाद संसद की सदस्यता से अयोग्य ठहराने को लेकर ऐसा ही बयान जारी किया था। जर्मन विदेश मंत्रालय ने कहा, आरोपों का सामना करने वाले किसी भी व्यक्ति की तरह केजरीवाल निष्पक्ष और तटस्थ सुनवाई के हकदार हैं, इसमें बिना किसी प्रतिबंध के सभी उपलब्ध कानूनी रास्तों का उपयोग करना शामिल है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि निर्दोषता का अनुमान कानून के शासन का एक केंद्रीय तत्व है और यह उन पर भी लागू होना चाहिए। इसके पहले राहुल गांधी को मोदी सरनेम मामले में संसद की सदस्यता से अयोग्य घोषित किया था, तब जर्मनी ने बयान दिया था। तब जर्मन विदेश मंत्रालय ने कहा था कि उनकी सरकार ने राहुल गांधी के खिलाफ प्रथम दृष्टया फैसले और उनके संसदीय जनादेश के निलंबन पर ध्यान दिया है।

चीन ने फिर किया फिलीपींस की एक सप्लाई नौका पर हमला

मनीला। विवादित दक्षिणी चीन सागर में चीन ने अपनी दादागिरी दिखाने से बाज नहीं आ रहा है। शनिवार को दो चीनी तटरक्षक जहाजों ने फिलीपींस की एक सप्लाई नौका के ऊपर पानी की बौछार की, जिसमें नौका को भारी नुकसान पहुंचा है। फिलीपींस के अधिकारियों ने चीन की उकसावे वाली कार्रवाई की जानकारी दी। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है, कि इस हमले में फिलीपींस के जहाज को उनैजाह मे-4 के चालक दल का कोई सदस्य घायल हुआ है या नहीं। नौका गंतव्य तक पहुंची या नहीं, इसका भी पता नहीं चल पाया है। फिलीपींस तटरक्षक बल के प्रवक्ता कोमोडोर जे. तारिएला ने कहा कि नौका को बचाने की कोशिश कर रहे फिलीपींस तटरक्षक जहाज को भी चीनी तटरक्षक जहाज और दो संदिग्ध मिलिशिया जहाजों ने रोककर घेर लिया। तारिएला ने कहा कि चीनी सेना समुद्र में टकराव को रोकने के उद्देश्य से बने अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रही है। फिलीपींस सेना द्वारा जारी वीडियो में दो चीनी तटरक्षक जहाजों को लकड़ी की नौका पर पानी की तेज बौछार से हमला करते हुए देखा जा सकता है। इस महीने में यह दूसरी बार है जब चौकी को फिर से आपूर्ति करने के प्रयास के दौरान उनैजाह क्षतिग्रस्त हुआ है। दक्षिणी चीन सागर के विवादित तट पर एक उथली जगह पर फिलीपींस ने अपना एक जहाज ले जाकर खड़ा कर दिया था।

अरब समूह की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों से अपील

-गाजा में संघर्ष विराम के प्रस्ताव के पक्ष में करें मतदान

जिनेवा,(ईएमएस)। अरब समूह ने एक बयान जारी कहा है कि अरब समूह सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों से अपील करता है कि वे निर्वाचित सदस्यों द्वारा पेश किए गए मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करें। बयान में कहा गया कि अरब समूह रमजान के पवित्र महीने में गाजा में हो रहे खून खराबे को रोकने को रोका जाए ताकि मासूम लोगों की जानें बच सकें। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों ने गाजा में संघर्ष विराम का आह्वान करते हुए एक मसौदा प्रस्ताव तैयार किया है, जिस पर आज सुबह न्यूयॉर्क में मतदान होना है। अरब समूह सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों से अपील करता है कि वे निर्वाचित सदस्यों द्वारा पेश किए गए मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करें, जिससे परिषद को एक आवाज में बोलने और इस गंभीर स्थिति का सामना करने में बिना किसी देरी के कार्य करने की अनुमति प्राप्त हो सके। इससे पहले शुक्रवार को, यूएनएससी ने गाजा पर अमेरिका द्वारा तैयार प्रस्ताव पर मतदान हुआ था जिस पर रूस, चीन ने वीटो कर लिया और अल्जीरिया ने विपक्ष में मतदान किया। तीनों देशों ने कहा कि वे इस प्रस्ताव में संघर्ष विराम के आह्वान को अपर्याप्त मानते हैं। संयुक्त राष्ट्र में रूसी राजदूत ने कहा कि रूस संघर्ष विराम के किसी भी आह्वान को स्वीकार नहीं करेगा जिसका कोई परिणाम नहीं निकलता है। उन्होंने प्रस्ताव में संघर्ष विराम के आह्वान को अमेरिका द्वारा किया गया घोटाला बताया।

मॉस्को में आतंकी हमले की संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने की निंदा

जिनेवा। मॉस्को के कॉन्सर्ट हॉल में हुए आतंकवादी हमले की संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कड़ी निंदा की। इसकी जानकारी संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन डुजारिक ने दी। श्री डुजारिक ने विगत दिवस एक बयान में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मॉस्को के बाहर एक कॉन्सर्ट हॉल में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं जिसमें कम से कम 40 लोग मारे गए और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं हम किसी भी देश में हुए इस तरह के आतंकी हमलों की कड़ी निंदा करते हैं।

मॉस्को में गोलीबारी की घटना के बाद जलते हुए क्रोकस सिटी हॉल कॉन्सर्ट स्थल के बाहर रूसी आपातकालीन सेवाओं की एम्बुलेंस और वाहन।

बाइडेन को चुनाव की चिंता, रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमला रोक यूक्रेन

वाशिंगटन (ईएमएस)। रुस-यूक्रेन जंग के बीच अमेरिका ने यूक्रेन से रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमले रोकने का आदेश दिया है। बाइडन प्रशासन ने कहा है कि अगर ड्रोन हमला नहीं रोका गया, तब इससे रूस जवाबी कार्रवाई बताकर और ज्यादा हमले करेगा। अगर रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया जाता है, तब इससे वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें बढ़ सकती है। रूस दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा निर्यातक देशों में से एक है। यूक्रेन पर आक्रमण से पहले यूरोपीय देश रूसी तेल और गैस के सबसे बड़े उपभोक्ता थे। वर्तमान में भारत और चीन बड़ी मात्रा में रूसी तेल का आयात कर रहे हैं। मामले से जुड़े लोगों का हवाला देकर रिपोर्ट में बताया गया है कि बाइडन प्रशासन ने यूक्रेन से तत्काल रूसी ऊर्जा संयंत्रों पर हमला रोकने का आदेश दिया है। यूक्रेन ने पिछले कुछ हफ्तों में रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया है। इससे 12 मार्च के बाद से अब तक तेल की कीमतें करीब 4 प्रतिशत तक बढ़ी हैं। बाइडन प्रशासन को डर है कि अमेरिका में गैसोलीन की कीमतों में और बढ़ोतरी से राष्ट्रपति बाइडन की रेटिंग कमजोर हो जाएगी और उनके दोबारा चुनने की संभावना कम होगी। बाइडन 2024 में फिर अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हो सकता है।

मोदी-मैक्रों के ऐलान से घुसपैठियों में खौफ, फ्रांस-भारत में शुरू हुआ एक्शन

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत और फ्रांस के एक फैसले ने दुनिया में हलचल पैदा कर दी है। दरअसल, भारत और फ्रांस एक जैसी ही समस्या से जूझ रहे थे और अब फैसला भी एक जैसा ही लिया है। आपको याद होगा कि कैसे मुस्लिम शरणार्थियों ने फ्रांस के अलग-अलग शहरों पर हमला कर दिया था। ये सभी कानूनी तरीके से फ्रांस आए थे। फ्रांस की पुलिस को पता था कि कौन कहां रहता है। लेकिन इसके बावजूद जब शरणार्थियों ने हमला किया तो फ्रांस की पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सब फेल हो गई। अब अंदाजा लगाईए कि भारत में तो हजारों रोहिंग्या घुस चुके हैं, वो भी अवैध तरीके से। हजारों का तो अता-पता तक नहीं है। अगर ये हमला करेंगे तो क्या होगा। वैसे इसका ट्रेलर हम 2019 में देख चुके हैं। जब सीएए कानून लाया गया था तो उस वक्त दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में रोहिंग्या पत्थरबाजी और आगजनी में शामिल पाए गए थे।

लेकिन अब भारत और फ्रांस खतरा भांप चुके हैं। फ्रांस ने तो अपनी संसद में एक बिल पास कर दिया है। जिसके बाद फ्रांस की सरकार घुसपैठियों को आसानी से देश से बाहर निकाल देगी। फ्रांस ने विदेशी मौलानाओं को भी देश से निकालना शुरू कर दिया है। अब भारत ने भी बड़ा बयान देते हुए कहा है कि देश से अवैध रोहिग्या शरणार्थियों को भगाया जाएगा। मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि रोहिंग्या अवैध अप्रवासी हैं और उन्हें निवास करने और बसने का अधिकार नहीं है, जो केवल नागरिकों के लिए उपलब्ध एक मौलिक अधिकार है।

दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और सीमित संसाधनों वाले विकासशील देश के रूप में देश के अपने नागरिकों को प्राथमिकता दी जानी आवश्यक है। इसलिए, विदेशियों को शरणार्थी के रूप में पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया जा सकता, खासकर जहां ऐसे अधिकांश विदेशियों ने अवैध रूप से देश में प्रवेश किया है। गृह मंत्रालय के अवर सचिव द्वारा हस्ताक्षरित हलफनामे में नीतिगत मामले के रूप में अवैध प्रवासन के खिलाफ सरकार के रुख पर जोर दिया गया है। इसका समर्थन करने के लिए, इसने विदेशी अधिनियम के तहत एक अवैध प्रवासी व्यक्ति को निर्वासित करने के अपने कानूनी दायित्व को भी रेखांकित किया है।

चुनाव सामने अकड़ गई निकल...मुइज्जू ने भारत को करीबी सहयोगी बताया

माले (एजेंसी)। बीते दिनों से अपनी भारत विरोधी बयानबाजी के बाद, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने सुलह का रुख अपनाकर कहा कि भारत उनके देश का करीबी सहयोगी बना रहेगा। उन्होंने भारत से मालदीव को ऋण राहत प्रदान करने का आग्रह किया। पिछले साल के अंत तक मालदीव पर भारत का लगभग 40 करोड़ नौ लाख अमेरिकी डॉलर का बकाया था। पिछले साल नवंबर में राष्ट्रपति पद की शपथ लेकर चीन समर्थक मुइज्जू ने भारत के प्रति सख्त रुख अपनाकर मांग की थी कि तीन विमानन प्लेटफॉर्म का संचालन करने वाले भारतीय सैन्यकर्मियों को 10 मई तक उनके देश से वापस भेजा जाए।

मुइज्जू ने कहा कि भारत ने मालदीव को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और सबसे बड़ी संख्या में परियोजनाओं को लागू किया है। मुइज्जू ने कहा कि भारत मालदीव का करीबी सहयोगी बना रहेगा और इसमें कोई संशय नहीं है। भारत पिछले कुछ वर्षों से दो हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान के जरिये मालदीव के लोगों को मानवीय और चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा है।

इंटरव्यू में मुइज्जू ने भारत से आग्रह किया कि वह मालदीव के लिए सरकारों द्वारा लिए गए भारी ऋणों के पुनर्भुगतान में ऋण राहत उपायों को शामिल करे। दरअसल भारत के प्रति मुइज्जू की यह सकारात्मक टिप्पणियां अप्रैल के मध्य में मालदीव में होने वाले संसद चुनावों से पहले आईं है। उन्होंने कहा कि मालदीव ने भारत से बड़े पैमाने पर ऋण लिया है। वह वर्तमान में मालदीव की आर्थिक क्षमताओं के अनुसार ऋण चुकाने के विकल्प तलाशने के लिए भारत सरकार के साथ चर्चा कर रहे हैं।

मॉस्को में आतंकी हमला- रुस को यूक्रेन पर शक, जेलेंस्की ने दी सफाई

मास्को (एजेंसी)। मॉस्को में एक बड़े कॉन्सर्ट हॉल के अंदर कुछ बंदूकधारियों की गोलीबारी में कम से कम 70 लोगों की मौत हो गई और 115 लोग घायल हुए हैं। रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रमुख मुराशको ने बताया कि घायलों में 60 की हालत गंभीर है। इन हमलावरों ने गोलीबारी के साथ यहां बम धमाके भी किए, जिससे कॉन्सर्ट हॉल में भीषण आग लग गई। उधर रूस की सुरक्षा परिषद के उपप्रमुख दिमित्री मेदवेदेव ने चेतावनी दी कि अगर यूक्रेन की संलिप्तता साबित हो जाती है, तो इसमें शामिल लोगों का पता लगाया जाएगा और उन्हें बिना किसी दया के मार दिया जाएगा। इस बीच, यूक्रेन ने अपनी संलिप्तता से इनकार किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जे़लेंस्की के सलाहकार मायखाइलो पोडोल्याक ने कहा कि उनके देश ने कभी भी आतंकवादी तरीकों का इस्तेमाल नहीं किया है। पीएम मोदी ने इस आतंकी हमले की निंदा करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने लिखा, हम मॉस्को में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। दुख की इस घड़ी में भारत रूसी संघ की सरकार और लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। इस्लामिक स्टेट ने एक बयान में कहा कि उसने मॉस्को के बाहरी इलाके क्रास्नोगोर्स्क में ईसाइयों की एक बड़ी सभा पर हमला किया, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और घायल हो गए. हालांकि उसके इस दावे की प्रामाणिकता सत्यापित नहीं की जा सकी है। दरअसल आईएसआईएस पिछले कुछ हफ्तों से रूस में सक्रिय है। इससे पहले 7 मार्च को रूस की शीर्ष सुरक्षा एजेंसी ने दावा किया था कि उसने इस्लामिक स्टेट सेल द्वारा मॉस्को में एक आराधनालय पर हमले को विफल कर दिया। वहीं इसके कुछ दिन पहले रूसी अधिकारियों ने कहा था कि रूस के अस्थिर काकेशस क्षेत्र में इंगुशेटिया में गोलीबारी में आईएसआईएस के 6 कथित सदस्य मारे गए थे। अभी तक हमलावरों के बारे में ज्यादा कुछ पता नहीं चल पाया है। हालांकि, अधिकारियों का दावा है कि हमलावरों ने सैनिकों की पोशाकें पहन रखी थीं. रूसी मीडिया और टेलीग्राम चैनलों पर पोस्ट किए गए वीडियो में बार-बार गोलीबारी की आवाजें सुनी जा सकती हैं।

मॉस्को आतंकी हमले के बाद पूर्व रूसी राष्ट्रपति बोले-ढूंढ कर मार डालो

- आतंकवादी केवल आतंक की भाषा समझते हैं : मेदवेदेव

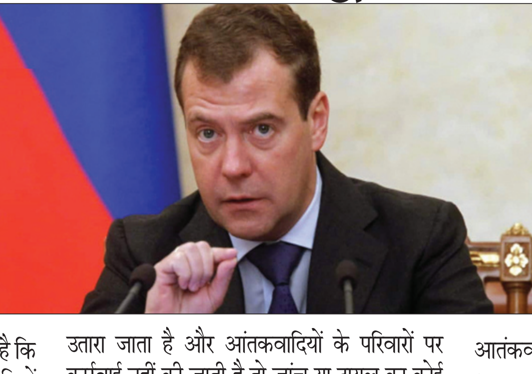

पूर्व रूसी राष्ट्रपति ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

मास्को (एजेंसी)। मॉस्को के मशहूर कॉन्सर्ट हॉल क्रोकस सिटी में हुए इस आतंकी हमले में अब तक 60 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है. इस हमले की कथित जिम्मेदारी कथित रूप से आईएसआईएस ने ली है। इस भयानक आतंकी हमले को लेकर पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि मॉस्को कॉन्सर्ट पर हुए आतंकवादी हमले के अपराधियों को ढूंढ कर उन्हें मौत के घाट उतार देना चाहिए।

रूसी सूत्रों के मुताबिक, दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि आतंकवादी जवाब में केवल आतंक की भाषा समझते हैं. अगर ताकत का मुकाबला ताकत से नहीं किया जाता है, आंतकवादियों को मौत के घाट नहीं उतारा जाता है और आंतकवादियों के परिवारों पर कार्रवाई नहीं की जाती है तो जांच या ट्रायल का कोई फायदा नहीं है। आतंक से निपटने का यही दुनिया का तरीका है। बता दें शुक्रवार को मॉस्को शहर के पास एक कॉन्सर्ट हॉल में पांच बंदूकधारियों ने गोलीबारी की। जिसमें 60 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। वहीं, लगभग 150 लोग बुरी तरह घायल हो गए थे।

पूर्व रूसी राष्ट्रपति का यह बयान पुतिन के उस बयान से मेल खाता है जो उन्होंने 1999 में कहा था। पुतिन उस वक्त रूस के प्रधानमंत्री थे और उत्तरी काकेशस में आतंकवाद विरोधी कार्रवाई शुरू करने वाले थे। पुतिन ने उस वक्त कहा था, हम हर जगह आतंकवादियों को ढूंढ रहे हैं। अगर आतंकवादी हमें शौचालय में मिलते हैं तो हम उन्हें आउटहाउस में मौत के घाट उतार देंगे। शौचालय को कवर करने वाली जगह को आउटहाउस कहा जाता है. साल 2011 में अपने इस बयान पर टिप्पणी करते हुए पुतिन न कहा था कि उनके द्वारा इस्तेमाल शब्द किसी को बुरा लग सकता है, लेकिन इसके पीछे की भावना ईमानदार और सही थी।

कुरान के पन्ने जलाने वाली महिला को उम्रकैद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक कोर्ट ने एक 40 साल की महिला को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उसने कुरान के पन्ने जलाए थे। इसके बाद महिला पर ईशनिंदा के आरोप लगाए गए थे। ऐसे ही एक मामले में 9 मार्च को कोर्ट ने 22 साल के छात्र को मौत की सजा सुनाई और 17 साल के छात्र को उम्रकैद की सजा दी थी। पाकिस्तान के सबसे ज्यादा आबादी वाले पंजाब प्रांत की लाहौर सेशन कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। जज ने कहा- आसिया बीबी ने लाहौर में अपने घर के बाहर कुरान जलाई। यह कुरान का अपमान है, इसलिए आसिया बीबी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

अमेरिका ने दी थी रुस में आतंकी हमले की सूचना, पुतिन ने अनसुना किया

मॉस्को (एजेंसी)। रूस की राजधानी मॉस्को के एक बड़े कॉन्सर्ट हॉल में आतंकियों ने हमला किया। इस्लामिक स्टेट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हमले में 70 लोगों की मौत हो गई और 150 से ज्यादा लोग घायल हो गए। रूस में यह हमला तब हुआ है, जब व्लादिमीर पुतिन एकबार फिर राष्ट्रपति बन गए हैं। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने हमले की निंदा कर भीषण त्रासदी बताया। हालांकि ऐसी रिपोर्ट्स आ रही है कि हमले को लेकर चेतावनी अमेरिका ने रूस को दी थी।

एक बयान में इस्लामिक स्टेट ने कहा कि उसने मॉस्को के बाहरी इलाके क्रास्नोगोर्स्क में 'ईसाइयों की सभा पर बड़ा हमला किया। लेकिन इस बयान की पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिकी अधिकारियों ने इस्लामिक स्टेट की ओर से इस हमले की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि जो जानकारी उनके पास है उससे संदेह का कारण नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों को पता था कि आईएसकेपी हमले की प्लानिंग कर रहा है। उन्होंने संभावित हमले को लेकर रूसी अधिकारियों को जानकारी दी थी। अमेरिका में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा, इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी सरकार को रूस में एक योजनाबद्ध आतंकी हमले की जानकारी मिली थी। इसमें एक बड़े समारोह को निशाना बनाया जा सकता था, जिसमें संगीत कार्यक्रम शामिल था। इस कारण विदेश विभाग ने रूस में निवासरत अमेरिकियों के लिए एक सार्वजनिक सलाह जारी की। उन्होंने कहा, अमेरिकी सरकार की लंबे समय से चेतावनी देने वाली नीति है, इसके तहत रूसी अधिकारियों से भी यह साझा किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक हमलावरों ने बम फेंके, जिससे हॉल में भीषण आग लग गई। जिस समय हमला हुआ, तब 6000 लोग मौजूद थे। वहीं इमारत से बाहर का वीडियो आया, जिसमें आसमान में धुएं का गुबार दिख रहा है। सड़क पर दर्जनों फायर ट्रक, एंबुलेंस और पुलिस की गाड़ियां पहुंचीं। यह हमला तब हुआ जब प्रसिद्ध रूसी रॉक बैंड पिकनिक का संगीत सुनने के लिए भीड़ जमा हुई थी। चश्मदीदों का कहना है कि सेना की वर्दी में यह लोग हॉल में घुसे थे।

लखनऊ सुपर जाइंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला आज

–तेजी से आप क

जयपुर (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाइंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच रविवार को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल की फॉर्म और फिटनेस पर सभी की नजर टिकी रहेगी। राहुल चोटिल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम चार टेस्ट मैच में नहीं खेल सके थे। लखनऊ का कप्तान न सिर्फ एक बल्लेबाज बल्कि नेतृत्वकर्ता के रूप में भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा। लखनऊ की टीम उनकी अगुवाई में पिछले दो सत्र में प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही थी।

आईपीएल के शुरुआती चरण में राहुल विशुद्ध बल्लेबाज के रूप में खेल सकते हैं, लेकिन विकेटकीपिंग की अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने से उनकी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम ने जगह बनाने की संभावना बढ़ जाएगी।

रॉयल्स की टीम 2022 में फाइनल में पहुंची थी जहां टीम को गुजरात टाइटंस से हार का सामना करना पड़ा था। पिछले सत्र में भी उसने शुरू में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन आखिर में पांचवें स्थान पर रही थी। रॉयल्स की बल्लेबाजी काफी मजबूत है, जिसमें कप्तान सैमसन के अलावा बेहतरीन फॉर्म में चल रहे यशस्वी जायसवाल और जोस बटलर शामिल हैं। टीम के पास ध्रुव जुरेल के रूप में अच्छा फिनिशर है जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था।

सैमसन वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर और रोवमैन पॉवेल को टीम में रखकर मध्यक्रम मजबूत करने की कोशिश कर सकते हैं। जहां तक लखनऊ का सवाल है तो उसकी बल्लेबाजी का दारोमदार कप्तान राहुल के अलावा क्विंटन डी कॉक, मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरण पर टिका रहेगा। इन मंझे बल्लेबाजों तथा रॉयल्स के अनुभवी स्पिनरों रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है।

लखनऊ के पास भी रवि बिश्नोई के रूप में उपयोगी स्पिनर है, जो आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर विश्व कप की टीम में जगह बनाने के लिए मजबूत दावा पेश करने की कोशिश करेगा। साथ ही 41 वर्षीय स्पिनर अमित मिश्रा के अनुभव का भी लखनऊ को फायदा मिलेगा, लेकिन मार्क वुड और डेविड विली के बाहर होने तथा भारतीय खिलाड़ियों मयंक यादव और मोहसिन खान के फिटनेस से जुड़े मुद्दों के कारण उसका तेज गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आता है।

टीम

राजस्थान रॉयल्स: जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन (कप्तान, विकेटकीपर), रियान पराग, शिमरोन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, ध्रुव जुरेल, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, अवेश खान, ट्रेंट बोल्ट।

लखनऊ सुपर जाइंट्स : क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, दीपक हुडा, केएल राहुल (कप्तान), निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, मार्कस स्टोइनिस, क्रुणाल पंड्या, नवीन-उल-हक, यश ठाकुर, रवि बिश्नोई।

पेरिस ओलंपिक के लिए दोहा क्वालीफायर में उतरेंगे श्रेयसी, मेराज सहित 12 निशानेबाज

दोहा (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज श्रेयसी सिंह, मेराज अहमद खान के अलावा गनेमत सेखों के पास अब ओलंपिक क्वालीफाई करने अंतिम अवसर है। ये तीनों ही निशानेबाज अब दोहा में अगले माह होने वाली क्वालीफाइंग स्पर्धा में उतरेंगे। इस प्रतियोगिता में चार कोटा तय होंगे। इसमें पुरुष और महिला टीम के लिए ट्रैप एवं स्कीट में एक एक कोटा शामिल रहेगा। दोहा में 19 से 29 अप्रैल तक ये क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगा। इसमें 12 सदस्यीय भारतीय शॉटगन टीम में चयनित किया गया है।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने जुलाई अगस्त में होने वाले ओलंपिक से पहले कई महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए टीम की घोषणा की। भारतीय पुरुष ट्रैप में पृथ्वीराज टोंडाईमान और विवान कपूर जबकि महिला ट्रैप के लिए श्रेयसी और मनीषा कीर और मेराज और शीराज शेख पुरुष स्कीट और गनेमत और महेश्वरी चौहान महिला स्कीट में शामिल होने वाले नियमित निशानेबाज हैं।

पुरुषों की ट्रैप प्रतियोगिता के लिए जोरावर संधू, महिलाओं की ट्रैप में नीरू, पुरुष स्कीट में अंगद बाजवा और महिला स्कीट में अरीबा खान को भी पेरिस कोटा हासिल करने का मौका मिलेगा।

ने दिल्ली कैपिटल्स को 4 विकेट से दी मात, सैम करन ने खेली अर्धशतकीय पारी

खेल डैस्क । चंडीगढ़ के महाराजा यादविंदर सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2024 के दूसरे मुकाबले में पंजाब ने दिल्ली को मात दे दी। इस मैच को शिखर धवन की कप्तानी में पंजाब किंग्स ने 4 विकेट से अपने नाम किया। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 174 रन बनाए। इसके जवाब में पंजाब किंग्स ने सैम करन के अर्धशतक की बदौलत 4 गेंद शेष रहते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

बता दें कि, दिल्ली कैपिटल्स के लिए पारी की शुरुआत डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श ने की। दोनों के बीच पहले विकेट केलिए 39 रन की बेहतरीन साझेदारी हुई। मार्श 12 गेंद में 20 रन बनाकर आउट हुए। डेविड वॉर्नर ने 21 गेंद में 29 रन बनाए। शाई होप ने 25 में 33 रन का योगदान दिया। ऋषभ पंत ने 13 गेंद में 18 रन की पारी खेली। रिकी भुई ने तीन रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स (5) बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में आउट हुए। अक्षर पटेल ने 13 गेंद में 21 रन पर रन आउट हुए। अभिषेक पोरेल ने 10 गेंद में 32 रन बनाए। अर्शदीप और हर्षल ने 2-2 विकेट झटके।

हार्दिक पांड्या की कप्तानी में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आज उतरेगी मुंबई इंडियंस

–मुंबई फिटनेस से जुड़े मुद्दों से जूझ रही

अहमदाबाद (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या रविवार को जब अपनी पूर्व टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पहली बार मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे तब हार्दिक का लक्ष्य रोहित शर्मा की विरासत को आगे बढ़ाने पर होगा। हार्दिक की अगुवाई में टाइटंस ने अपने पदार्पण सत्र में ही खिताब जीता था जबकि पिछली बार वह उपविजेता रहा था। यह ऑलराउंडर हालांकि इस सत्र में वापस मुंबई से जुड़ गया, जहां रोहित की जगह कप्तान बनाया गया है। हार्दिक इसके साथ ही वनडे विश्व कप में चोटिल होने के बाद किसी टूर्नामेंट में खेलने वाले है। अमेरिका और वेस्टइंडीज में जून में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखकर हार्दिक के बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में प्रदर्शन पर सभी की नजर टिकी रहेगी।

वहीं टाइटंस ने हार्दिक की जगह शुभमन गिल को अपना कप्तान नियुक्त किया है। जिन्हें कप्तानी का बहुत कम अनुभव है। मुंबई की टीम फिटनेस से जुड़े मुद्दों से जूझ रही है। उसके स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को अभी तक खेलने की मंजूरी नहीं मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेसन बेहरेनडॉर्फ और दिलशान मदुशंका पहले ही आईपीएल से बाहर हो चुके हैं, जबकि नए खिलाड़ी गेराल्ड कोएत्जी भी मांसपेशियों में खिंचाव से उबर रहे हैं और वह भी शुरू में कुछ मैच से बाहर रह सकते हैं। मुंबई को पांच खिताब दिलाने वाले रोहित इस सत्र में खुलकर बेल्लबाज के रुप में खेलने वाले हैं, और वह विश्व कप से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करना चाहते है। मुंबई के एक अन्य खिलाड़ी ईशान किशन के प्रदर्शन पर भी सभी की नजर रहेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के घरेलू क्रिकेट में खेलने के दिशा निर्देशों का पालन नहीं करने के कारण उन्हें बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से हाथ धोना पड़ा था और अब वह खुद को साबित करने के लिए बेताब है। मुंबई के पास हार्दिक के अलावा मोहम्मद नबी और रोमारियो शेफर्ड के रूप में ऑलराउंडर के अच्छे विकल्प मौजूद हैं। जहां तक टाइटंस का सवाल है, तब गिल के लिए टीम की पिछले दो सत्र की निरंतरता को बरकरार रखना चुनौती होगी। गिल को भारत के भावी कप्तान के रूप में भी देखा जा रहा है लेकिन इससे पहले उन्हें खुद को आईपीएल में साबित करना होगा। गिल पिछले सत्र में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल थे और उनकी टीम यही उम्मीद कर रही होगी की कप्तानी के दायित्व का उनकी बल्लेबाजी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े। टाइटंस को भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की कमी खलेगी जो एड़ी के ऑपरेशन के कारण टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे।

टीम

मुंबई इंडियंस = रोहित शर्मा, इशान किशन, तिलक वर्मा, नेहल वढेरा, टिम डेविड, हार्दिक पांड्या (कप्तान), मोहम्मद नबी, गेराल्ड कोएत्ज़ी, क्वेना मफाका, जसप्रित बुमरा, पीयूष चावला

गुजरात टाइटंस = शुबमन गिल (कप्तान), रिद्धिमान साहा, केन विलियमसन, विजय शंकर, डेविड मिलर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, जोश लिटिल, उमेश यादव, मोहित शर्मा

साथियान ने रचा इतिहास, डब्ल्यूटीटी फीडर खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली ।भारत के स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी साथियान ज्ञानशेखरन डब्ल्यूटीटी फीडर सीरिज टूर्नामेंट में पुरूष एकल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए जिन्होंने लेबनान के बैरूत में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने डब्ल्यूटीटी फीडर बैरूत 2024 के आखिरी दिन भारत के ही मानव ठक्कर को 3.1 (6.11, 11.7, 11.7, 11.4) से हराया। इससे पहले उन्होंने भारत के ही हरमीत देसाई को 15.13, 6.11, 11.8, 13.11 से मात दी थी औ शीर्ष वरीयता प्राप्त चुआंग चिह युआन को 11.8, 11.13, 11.8, 11.9 से हराया था। महिला एकल में शिया लियान नि विजेता रही जिन्होंने सुह यो वोन को 11.9, 11.5, 11.5 से मात दी। पुरूष युगल में भारत के मानव ठक्कर और मानुष उत्पलभाई शाह फाइनल में एंडी परेरा और जॉर्ज कंपोस से 11.5, 7.11, 11.13, 12.14 से हार गए। मिश्रित युगल में भारत की दिया चितले और मानुष शाह ने हमवतन मानव और अर्चना कामथ को 11.6, 10.12, 11.6, 11.6 से हराकर खिताब जीता।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते नीतीश राणा

मुम्बई ।कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से आईपीएल के 17 सत्र में खेल रहे बल्लेबाज नीतीश राणा का लक्ष्य इस लीग में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी टी20 विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाना है।टी20 विश्व कप वह इस साल के अंत में वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में खेला जाएगा। राणा ने 2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ 2 टी20आई और एक वनडे खेला पर खराब बल्लेबाजी के कारण वह बाहर कर दिये गये थे।अब वह अपनी जगह वापस पाने को लेकर प्रयास कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि आईपीएल 2024 में वह नाइट राइडर्स के लिए 600 से अधिक रन बनाना चाहते हैं। राणा ने कहा, हर कोई देश के लिए खेलना चाहता है और कई खिलाड़ियों के दिमाग में यह बात होगी पर अभी हमें आईपीएल पर ही ध्यान देना होगा। मैं भी टी20 विश्व कप टीम के लिए चयनित होना चाहता हूं, लेकिन इस समय मैं केवल आईपीएल के बारे में सोच रहा हूं। मेरा मानना है कि मैं इस टूर्नामेंट में 600 रन बना सकता हूं और मेरा लक्ष्य यही रहेगा। राणा ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत 2016 में मुंबई इंडियंस (एमआई) की ओर से की थी। 2 सीजन के लिए 5 बार के चैंपियन का प्रतिनिधित्व करने के बाद वह आईपीएल 2018 से पहले नाइट राइडर्स में चले गए। 2017 से 2022 तक राणा ने हर सीजन में 2 से 3 अर्धशतक के साथ 300 के पार रन बनाए पर पिछले साल उन्होंने पहली बार 400 रन का आंकड़ा पार किया। 2023 में 14 मैचों में राणा ने अपने प्रयासों को दिखाने के लिए 31.77 के औसत और 140.96 के स्ट्राइक-रेट के साथ 3 अर्द्धशतक के साथ 413 रन बनाए।

गायकवाड़ की तारीफ कर गावस्कर ने कहा, कप्तान के तौर पर आपका डेब्यू प्रभावशाली

खेल डैस्क । चेन्नई (ईएमएस)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के के उदघाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के नए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी की तारीफ कर कहा कि एक कप्तान के तौर पर उनका डेब्यू प्रभावशाली था।

जीत पर रुतुराज को बधाई देकर गावस्कर ने कहा, 'एक कप्तान के तौर पर आपका डेब्यू काफी अहम हो जाता है। आप जीत के साथ अपने कप्तानी करियर की अच्छी शुरुआत करना चाहते हैं और वैसा ही हुआ। मैच के दौरान गेंदबाजी में चतुराई से किया गया बदलाव प्रभावशाली था। जिस तरह से उन्होंने मुस्तफिजुर का इस्तेमाल किया वह बिल्कुल अदभूत था। उन्होंने अंतिम ओवर के लिए दीपक चाहर की जगह तुषार देशपांडे पर भरोसा जताया। मुझे लगता है कि यह किसी अन्य गेंदबाज का उपयोग करने का अवसर था, लेकिन वह फिर भी तुषार पर अड़ा रहा, और देशपांडे ने शानदार अंतिम ओवर के साथ जवाब दिया। तब मुझे लगता है कि कप्तानी सबसे प्रभावशाली थी।

गावस्कर ने कहा 'निश्चित रूप से, उनके आसपास एमएस धोनी हैं, जो उनका मार्गदर्शन करते हैं, उन्हें बताते हैं और उन्हें प्रोत्साहन देते हैं। कभी-कभी, एमएसडी जैसे अनुभवी और निपुण व्यक्ति का छोटा सा इशारा भी बड़ा अंतर पैदा कर देता है। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन ने कहा, 'अगर मैं फाफ डु प्लेसिस होता तब मैं लक्ष्य का पीछा कर सकता था। वह विकेट बिल्कुल सपाट था। यह स्पिनरों के लिए विकेट नहीं था, यहां सीम गेंदबाजों को मौका मिला। मुझे लगता है कि आरसीबी को पीछा करना चाहिए था।

जीत के बाद गायकवाड़...चिंता की कोई बात नहीं माही भाई मेरे साथ

चेन्नई ।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कप्तान के रूप में शानदार शुरुआत करने वाले रुतुराज गायकवाड़ ने सीजन के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को शानदार जीत दिलाई। रुतुराज के शांत और संयमित नेतृत्व में सीएसके ने शानदार प्रदर्शन कर आरसीबी के 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 6 विकेट से शानदार जीत हासिल की। टॉस हारने और पहले मैदान में उतरने के बावजूद रुतुराज बेफिक्र रहे, उन्होंने गेंदबाजी में आश्चर्यजनक बदलाव किए, खासकर पावरप्ले के दौरान। पावरप्ले के अंतिम ओवर में मुस्तफिजुर रहमान को शामिल करने का उनका निर्णय महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि बांग्लादेशी तेज गेंदबाज ने महत्वपूर्ण विकेट लेते हुए आरसीबी के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया और उन्हें 5 विकेट पर 72 रन पर रोक दिया।

पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक होंगे शरत कमल

नई दिल्ली ।भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल को भारतीय दल का ध्वजवाहक बनाया है। वहीं अनुभवी मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम भारतीय दल की प्रमुख होंगी। इसके अलावा शिवा केशवन को भारतीय दल का उप प्रमुख बनाया गया है। आईओए ने कहा कि शरत ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करते समय हमारे दल की एकता और भावना का प्रतीक है रहेंगे।' भारत की पुरुष और महिला टीम ने अपनी रैंकिंग के आधार पर पहली बार टेबल टेनिस की टीम स्पर्धा में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। वहीं आईओए ने कहा कि, छह बार की विश्व विजेता मैरीकॉम का खेलों के प्रति समर्पण और प्रेरणादायी यात्रा ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के लिए स्वाभाविक पसंद बनाती है। इसके अलावा केशवन के पास लंबा अनुभव तथा टीम प्रबंधन के साथ काम करने का पर्याप्त ज्ञान है।

वेलामल महिला ग्रांड मास्टर शतरंज : मैरी नें साक्षी से बचाई मुश्किल बाजी, बढ़त बरकरार

चेन्नई ।वेलामल एआईसीएफ़ महिला ग्रांड मास्टर राउंड रॉबिन टूर्नामेंट के आठवें राउंड में कुल 4 मुकाबलों के परिणाम निकले जबकि दो बाज़ियाँ बिना किसी नतीजे के समाप्त हुई ।आठ राउंड के बाद भारत की महिला ग्रांड मास्टर मैरी एन गोम्स आज लगातार अपनी चौथी जीत दर्ज नहीं कर सकी और उन्हे हमवतन साक्षी चित्लांगे के खिलाफ आधा अंक बांटने पर विवश होना पड़ा, सफ़ेद मोहरो से खेल रही साक्षी नें बेंकों ओपनिंग में एक समय मजबूत स्थिति बना ली थी पर वह जीत दर्ज नहीं कर सकी और बाजी 41 चालों में ड्रॉ पर समाप्त हुई ।इस ड्रॉ के बाद मैरी 7 अंक बनाकर ख़िताबी दौड़ में सबसे आगे बनी हुई है, वहीं साक्षी 4.5 अंको के साथ पांचवें स्थान पर चल रही है ।टूर्नामेंट की टॉप सीड वेलपुला सरायु नें वापसी करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की और उन्होने हमवतन मोनिशा जीके को पराजित किया, इस जीत के साथ वह 5.5 अंक बनाकर मंगोलिया की एंखतुल अलतान के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रही है, एंखतुल अलतान को आज उनकी विरोधी भारत की रींधिया वी के खराब सेहत के चलते अंतिम समय में खेल से हट जाने के कारण पूरा अंक हासिल हुआ ।अन्य मुकाबलों में कोलम्बिया की इंटरनेशनल मास्टर एंजेला फ्रांकों नें भारत की महालक्ष्मी एम को पराजित करते हुए अपनी दूसरी जीत दर्ज की, काले मोहरो से खेल रही एंजेला नें लंदन सिस्टम ओपनिंग में 59 चालों में खेल अपने नाम किया ।एंजेला फिलहाल 3.5 और महालक्ष्मी 3 अंको पर खेल रही है ।वहीं भारत की अक्षया मौनिका नें एक बड़ा उलटफेर करते हुए मंगोलिया की उर्तशेख उरीइनतुया को पराजित किया ।राउंड 8 के बाद अक्षया और उर्तशेख दोनों 3.5 अंक है ।एक अन्य मुक़ाबले में फ्रांस की नीनों मैसूरद्जे नें इटली की एलेना सेदिना से बाजी ड्रॉ खेली,फिलहाल एलेना 5 अंक और नीनों 2.5 अंक बनाकर खेल रही है ।टूर्नामेंट में अब अंतिम 3 राउंड खेले जाने बाकी है ।

भारतीय महिला हॉकी टीम को नई मजबूती देंगे, यह वादा है : कप्तान सविता पूनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली-रांची में ओलंपिक क्वालीफायर में हार का दर्द जिंदगी भर उन्हें सालता रहेगा लेकिन भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया का वादा है कि अगले चार साल में इतनी मजबूत टीम बनायेंगे कि यह दिन दोबारा नहीं देखना पड़े।

सविता ने कहा, 'ओलंपिक क्वालीफायर हारना हमारे लिये ऐसा बुरा पल है जिसे हम खिलाड़ी पूरी जिंदगी शायद नहीं भुला सकेंगे। अभी तक मैं उससे उबर नहीं सकी हूं।' रियो ओलंपिक 2016 के जरिये 36 साल बाद ओलंपिक में लौटी भारतीय महिला हॉकी टीम तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही थी। रांची में जनवरी में खेले गए क्वालीफायर में हालांकि जापान से हारकर उसने पेरिस ओलंपिक जाने का मौका गंवा दिया।

इस अनुभवी गोलकीपर ने कहा, 'मैं उसके बारे में बात नहीं करना चाहती थी क्योकि इससे दुख ही होता है। हमने तोक्यो में चौथे स्थान पर रहने की खुशी देखी और अब ओलंपिक नहीं खेलने का दर्द भी। लेकिन हम खिलाड़ी हैं और हार जीत हमें बहुत कुछ सिखाती है। लेकिन कम से कम हमें यह मलाल नहीं है कि हमने अच्छा नहीं खेला।' उन्होंने कहा, 'हम सभी ने अपना शत प्रतिशत दिया और हमारी तैयारी बहुत अच्छी थी। वादा करते हैं कि अगले टूर्नामेंटों में अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। शायद इस हार के पीछे हमारी बदकिस्मती थी। लोगों से ज्यादा हम खुद दुखी हैं। हमने बहुत मेहनत की थी। सब कुछ झोंक दिया था।'

उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए सबक है। मुझे अपने सफर का पता नहीं लेकिन कोशिश रहेगी कि अगले चार साल में टीम को इतना मजबूत बनाए कि ओलंपिक और विश्व कप में खेलें और अच्छा खेलें।' भारत के लिये 2008 में सीनियर स्तर पर पदार्पण करने वाली सविता ने कहा, 'लोग सिर्फ नतीजे देखते हैं लेकिन एक सीनियर खिलाड़ी या कप्तान के तौर पर मैं कह सकती हूं कि हमारा प्रदर्शन ग्राफ ऊपर ही गया है।'

छह साल बाद सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप खेल रही इस खिलाड़ी ने कहा, 'खेल की अच्छी बात यही है कि आपको पिछला भुलाकर बहुत जल्दी आगे बढ़ना पड़ता है। इसलिए मैं पुणे में सीनियर राष्ट्रीय महिला चैम्पियनशिप खेलने आई क्योंकि हॉकी मेरा जुनून है और मैदान से जितना दूर रहूंगी, ये बात परेशान करती रहेगी।' क्वालीफायर हारने के बाद टीम को मिले ब्रेक में खिलाड़ियों को सारा दुख दर्द भुलाकर नये सिरे से लौटने के लिये कहा गया था। सविता ने कहा, 'घर पर पांच से दस दिन कुछ भी अच्छा नहीं लग रहा था। बहुत कोशिश की लेकिन शरीर साथ नहीं दे रहा था। फिर योग और प्राणायाम का सहारा लिया और फिटनेस पर ध्यान दिया।'

उन्होंने कहा, 'क्वालीफायर के बाद एक सप्ताह घर पर थे और सभी खिलाड़ियों को कहा कि जितना रोना है, उदास होना है यह ब्रेक उसी के लिए है। भीतर रखने से कुछ नहीं होगा और इसे बाहर निकालना जरूरी है। इस ब्रेक में ओलंपिक क्वालीफायर के बारे में किसी ने बात नहीं की।' ओलंपिक क्वालीफायर हारने के दस दिन बाद ही भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग खेलना काफी चुनौतीपूर्ण था लेकिन भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को भी हराया। सविता ने कहा, 'प्रो लीग के लिए टीम भुवनेश्वर में एकत्र हुई तो पहली टीम बैठक में यही देखा कि सभी को कैसा महसूस हो रहा है। युवाओं का मनोबल ऊंचा रहना जरूरी था। टीम को भी श्रेय जाता है कि हमने एकजुट होकर प्रो लीग खेला।'

उन्होंने कहा, 'प्रो लीग में हालैंड, ऑस्ट्रेलिया, चीन से अच्छे मैच खेले। मन में यही चल रहा था कि हम बेहतर के हकदार थे लेकिन क्वालीफाई क्यो नहीं कर पाए, इसका जवाब हमारे पास नहीं है। हालैंड टीम भी हैरान थी कि हम क्यो नहीं कर सके।' अब भारतीय टीम को मई जून में बेल्जियम में प्रो लीग मुकाबले खेलने हैं और फोकस फिटनेस पर रहेगा। सविता ने कहा, 'अब नया कोर ग्रुप बनेगा और कुछ नए खिलाड़ी भी आएंगे। फिटनेस और ड्रैग फ्लिक पर फोकस रहेगा। जो हॉकी हम लगातार खेल रहे हैं, उसी पर काम करना है।'

पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिये शादी के बाद पति से दूर रहने वाली सविता को सबसे बड़ी तसल्ली क्वालीफायर हारने के बाद उनसे मिलने कनाडा से आये पति के सांत्वना भरे शब्दों से मिली। उन्होंने कहा, 'मेरे पति ओलंपिक क्वालीफायर के बाद आए थे और उन्होंने काफी हौसला दिया। उन्होंने कहा कि जो हो गया, उसे नहीं बदल सके लेकिन आगे देखो और जब तक खेलना चाहती हो, खेलो। मेरे लिए यही बहुत अच्छी बात रही कि मेरे दोनों परिवारों ने मेरा साथ दिया।'

उन्होंने कहा, 'मैं हर परिवार से कहूंगी कि बच्चों को आत्मविश्वास दें कि जो भी करना चाहते हैं, खुलकर करें। मेरे पापा को भी लोगों ने कहा था कि इसे खेलने बाहर क्यो भेज रहे हो लेकिन मेरे परिवार ने मुझ पर भरोसा रखा और आज मैं इस मुकाम पर पहुंची हूं। मैं घर से निकली थी तो यही लक्ष्य था कि अपने माता पिता को गौरवान्वित करना है। मैने अपने प्रयासों में कोई कमी नहीं रखी।'

एटली ने किया खुलासा जवान का बनने जा रहा है सीक्वल!

बीता साल बॉक्स ऑफिस के लिए शानदार रहा। एक के बाद एक कई फिल्मों ने ताबड़तोड़ कमाई की। अकेले शाहरुख खान की तीनों फिल्में पठान, जवान और डंकी ने बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त कलेक्शन किया। इन तीनों फिल्मों में सबसे ज्यादा चर्चा साउथ के निर्देशक एटली द्वारा निर्देशित फिल्म जवान की रही। फिल्म ने कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। दुनियाभर में दर्शकों ने इसे पसंद किया। पहली बार शाहरुख और एटली जोड़ी ने साथ आकर एक ऐसी एक्शन थ्रिलर फिल्म बनाई, जिसने तूफान मचा दिया। दर्शक अब इस फिल्म के दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिसको लेकर निर्देशक एटली ने एक साक्षात्कार में बात की है। साक्षात्कार में एटली से जब जवान 2 को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, मैं अभी इसके बारे में निश्चित नहीं हूं, लेकिन मैं कुछ लिखूं रहा हूं और मुझे फैंस को हैरान में मजा आता है। जाहिर है कि हर फिल्म के सीक्वल का चांस होता है, लेकिन मैं हमेशा दर्शकों को अपने अलग-अलग कंटेंट से हैरान करना चाहता हूं, देखते हैं दर्शकों के लिए क्या सरप्राइज आता है। इस दौरान एटली ने जवान में शाहरुख के साथ काम करने अपने अनुभव पर भी बात की। एटली ने कहा, उनके साथ काम करना शानदार था, वे बहुत मजेदार व्यक्ति हैं। अपने काम काम को लेकर भी वे बहुत पाबंद रहते हैं, साथ ही उन्हें यह भी बहुत अच्छे से पता है कि एक फिल्म कैसे बनाई जानी चाहिए। शाहरुख मेरे लिए सिनेमा की बाइबिल हैं। भविष्य में शाहरुख के साथ काम करने को लेकर एटली ने कहा, बिल्कुल इसमें कोई इनकार नहीं है। हम साथ में काम करेंगे, लेकिन कब और कैसे करेंगे यह सब शाहरुख सर के हाथ में है। फिलहाल एटली वरुण धवन के साथ वीडी 18 पर काम कर रहे हैं।

मैंने न ही कहीं एक्टिंग सीखी और न ही थियेटर किया, जो भी सीखा फिल्मों में काम करके ही सीखा

अजय देवगन की फिल्म शैतान में देखा जाए तो अभिनय के मामले में अभिनेत्री जानकी बोदीवाला अव्वल नंबर पर रही हैं। फिल्म में बच्ची सी दिखने वाली इस अदाकारा ने अजय देवगन और ज्योतिका की किशोरवय बेटी जाह्नवी का किरदार निभाया है। लेकिन, गुजराती सिनेमा में काम करते हुए जानकी को लंबा अरसा हो चुका है और वह इस समय 28 साल की हैं। जिस गुजराती फिल्म वश की 'शैतान' हिंदी रीमेक है उसमें जानकी ने आर्या की भूमिका निभाई थी।

अभिनय की तरफ आप का झुकाव कैसे हुआ?

मैंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत गुजराती फिल्म इंडस्ट्री से की। जिस तरह से आम लड़कियों की बचपन में सोच होती हैं कि एक्टिंग करनी है, उसी तरह की मेरी भी सोच रही है। बचपन में सभी अभिनेत्रियों को देख कर लगता था कि एक्टर ही बनना है। जब फिल्में देखती थी तो मुझे लगता था कि फिल्म की एक्ट्रेस खुद ही गा रही हैं, लेकिन जब होश संभाला तब समझ में आया कि गाने तो किसी और ने गाए हैं, बस उन गानों पर वह परफॉर्म कर रही हैं। मुझे काजोल, करीना कपूर खान और आलिया भट्ट की फिल्में बहुत पसंद हैं। उनकी फिल्में देखकर ही अभिनय की तरह मेरा झुकाव हुआ।

गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में आपकी शुरुआत कैसे हुई?

मेरी शुरुआत गुजराती फिल्म छेलो दिवस से हुई। इस फिल्म के लिए मैंने ऑडिशन दिया, उसमें मेरा चयन हो गया। यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई और साल की सबसे बड़ी हिट फिल्म रही हैं। इस फिल्म से पहले अभिनय के बारे में मुझे कुछ नहीं पता था, क्योंकि न ही मैंने कहीं से एक्टिंग सीखी है और न ही थियेटर किया है। जो भी मैंने सीखा है फिल्मों में काम करके ही सीखा है।

पहली बार कैमरा फेस करने का अनुभव कैसा रहा?

मैं बहुत ही नर्वस थी। फिल्मों से मेरा दूर-दूर तक कोई नाता नहीं और ना ही मेरे परिवार का। मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि सेट पर कितने लोग होते हैं, कैमरे के सामने कैसे परफॉर्म करना है। मैं उस स्टूडेंट की तरह थी, जो बिना किसी तैयारी के एग्जाम हाल में थी। मेरी स्थिति बिल्कुल वैसी ही थी। पहले दिन जब शूटिंग पर गई तो उस दिन मेरा पहला सीन नहीं था। मैं चुपचाप कोने में खड़े होकर सब देख रही थी कि कैसे सब लोग परफॉर्म कर रहे हैं। उस फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत कुछ सीखने को मिला।

गुजराती फिल्म वश की रीमेक के जरिए आपकी हिंदी सिनेमा में एंट्री हो गई। जब शैतान के लिए पहली बार आप से संपर्क किया गया तो आपकी प्रतिक्रिया क्या थी?

मैं बहुत खुश थी कि गुजराती फिल्म का हिंदी में रीमेक बन रहा है। यह बहुत बड़ी बात है। गुजराती फिल्म इंडस्ट्री अभी धीरे-धीरे उन्नति कर रही है। जिस हिसाब से गुजराती फिल्में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हैं, उस हिसाब से हिंदी में रीमेक बनाना बहुत बड़ी बात है। फिल्म शैतान के लिए प्रोडक्शन टीम से फोन आया था। पहले मुझे पता था कि यह होने वाला है। लेकिन मुझे तब तक यकीन नहीं हुआ जब तक फिल्म रिलीज नहीं हो गई। जब फिल्म रिलीज हो गई तक मुझे यकीन हुआ कि हां यार, यह हुआ है।

हॉरर कॉमेडी बेस्ड होगी श्रेयस तलपड़े-तुषार कपूर की फिल्म कपकपी

गोलमाल की धमाकेदार जोड़ी श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं। उनकी अपकमिंग हॉरर कॉमेडी फिल्म कपकपी का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है। क्या कूल हैं हम और अपना सपना मनी मनी जैसी कॉमेडी फिल्मों के फेमस डायरेक्टर संगीत सिवन इस फिल्म में हंसी के साथ-साथ कुछ डर और रोमांच भी दिखाने वाले हैं। कपकपी जयेश पटेल द्वारा ब्रावो एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस होगी। फिल्म की कहानी सौरभ आनंद और कुमार प्रियदर्शी ने लिखी है। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें, फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट अब तक नहीं हुई है। श्रेयस तलपड़े ने कपकपी को लेकर कहा- कपकपी मेरी बाकी फिल्मों से काफी अलग है। उन्होंने बताया कि आजकल, कई थ्रिलर, डार्क या देशभक्ति वाली फिल्मों का चलन बढ़ गया है तो हम दर्शकों के लिए एक वास्तविक हॉरर कॉमेडी फिल्म लाए हैं। जो दर्शकों को हंसाकर लोट-पोट कर देगी। तुषार कपूर और श्रेयस तलपड़े के अलावा फिल्म में सोनिया राठी, सिद्धी इदनानी, जय ठक्कर, वरुण पांडे, धीरेंद्र तिवारी, दिनेश शर्मा और अभिषेक कुमार सहित कई मंझे हुए एक्टर्स नजर आएंगे। तुषार और संगीत के साथ फिर से काम करने को लेकर उन्होंने कहा- तुषार और संगीत जी के साथ फिर से काम करना मेरे लिए सबसे अच्छी बात है। क्योंकि दोनों के साथ मेरा जो तालमेल है, वो सबसे अलग और खास है। ये ऐसा है जैसे आप अपने दो भाइयों के साथ काम कर रहे हैं।

संजय लीला भंसाली की फिल्म में आएंगी नजर प्रियंका

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा अब ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। इन दिनों प्रियंका भारत आई हुई हैं। पति निक जोनस और बेटी मालती के साथ वह मुंबई में ही हैं। बीते दिनों बेटी और पति के साथ अयोध्या रामलला के दर्शन करने पहुंची थीं, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। अब अभिनेत्री के बॉलीवुड में वापसी को लेकर खबर सामने आ रही है। खबर के मुताबिक अपने अगले बॉलीवुड प्रोजेक्ट के चलते प्रियंका इन दिनों मुंबई में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली के साथ फिर से सहयोग करने के लिए बातचीत कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा की ये पूरी ट्रिप उनके प्रोजेक्ट्स को लेकर है। प्रियंका अपने प्रोडक्शन हाउस पर भी फोकस करेंगी और तीन या चार प्रोजेक्ट्स फाइनल करेंगी। बताया गया है कि प्रियंका अपने बॉलीवुड कमबैक के चलते कई फिल्म निर्माताओं से मिल रही हैं। एक पीरियड एक्शन फिल्म के लिए वह संजय लीला भंसाली के साथ बातचीत कर रही हैं।

मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे जैसी और फिल्में करना चाहती हैं रानी मुखर्जी

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी चटर्जी अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस दौरान उन्होंने अपने करियर और अपनी फिल्मों के बारे में भी बात की। वहीं अभिनेत्री ने मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे के बारे में भी बात की। यह फिल्म 17 मार्च, 2023 को रिलीज हुई थी। हाल ही में फिल्म ने अपनी रिलीज के एक साल पूरे किए। फिल्म में रानी मुखर्जी ने एक आप्रवासी मां का किरदार निभाया है, जो अपने बच्चों की कस्टडी वापस पाने के लिए सभी बाधाओं से लड़ती हैं। रानी ने इस फिल्म का हिस्सा बनने के अपने अनुभव को साझा किया और बताया कि किस चीज ने उन्हें प्रयोगात्मक सिनेमा करने के लिए प्रेरित किया। फिल्म और इसे मिले दर्शकों के प्यार के बारे में बात करते हुए रानी मुखर्जी ने कहा कि यह बेहद खुशी देता है, क्योंकि तब हमें एहसास होता है कि हमारे दर्शक विभिन्न प्रकार की फिल्में, सामग्री देखना चाहते हैं और अगर हम अच्छी सामग्री और कहानी पेश करते हैं तो वे देखने आएंगे। मैंने कई साक्षात्कार दिए हैं और कहा है कि यह दूसरे देश में रहने वाली एक भारतीय महिला की कहानी है, जो कठिनाइयों का सामना करती है और अपने बच्चों को खो देती है। यह एक मां की शक्ति, साहस, ताकत की कहानी है, जिस तरह से उसने हार नहीं मानी और जिस तरह से उसने एक ऐसे देश में अपने बच्चों के लिए लड़ाई लड़ी, जहां की भाषा भी नहीं जानती थी। ऐसी भारतीय महिला पर बनी कहानी से यह जागरूकता आई कि विदेशों में भी ऐसी चीजें होती हैं। दर्शकों को फिल्म से मिले संदेश पर बात करते हुए रानी ने कहा कि भारत में रहना बहुत बड़ी बात है। हमें यह समझना चाहिए, क्योंकि भारत में बहुत सारे लोग हैं, जो सोचते हैं कि अगर हम विदेश जाएंगे तो हमारा जीवन बेहतर होगा, लेकिन अपने देश में रहना और एक भारतीय होना, भारत में रहना अपने आप में बहुत बड़ी बात है, क्योंकि हम बहुत सी सुविधाएं हल्के में लेते हैं, लेकिन हो सकता है कि हमें दूसरे देशों में वैसी सुविधाएं न मिलें। हो सकता है कि दूसरे देशों में जो नियम-कायदे हों, वे हमारे देश में न हों। इसी तरह, जो सुख-सुविधाएं हमारे देश में हैं, वे शायद हमारे देश में न हों। दूसरे देशों में ऐसा नहीं होगा, इसलिए किसी भी देश में बसने से पहले हमें उस देश के बारे में सब कुछ जान लेना चाहिए। रानी ने आगे कहा कि मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के जरिए कई लोगों की आंखें खुल गईं, क्योंकि जरा सोचिए कि आपके बच्चे आपसे इसलिए छीन लिए गए, क्योंकि आप उन्हें हिंदुस्तानी तरीके से पाल रहे हैं। यह एक चीज है, जो मुझे इस कहानी से मिली। मुझे लगा कि मुझे यह किरदार निभाना चाहिए। रानी ने फिल्म के प्रदर्शन को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि यह फिल्म महामारी के दौरान रिलीज हुई, ऐसे में यह बहुत बड़ी चुनौती थी कि फिल्म अच्छा प्रदर्शन करेगी या नहीं, लेकिन दर्शकों ने कहानी को समझा और इसे प्यार दिया।

राजनीति में जाने का यह सही समय नहीं

बालीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा ने भविष्य में राजनीति में शामिल होने की संभावनाओं से इनकार नहीं करते हुए कहा है कि फिलहाल वे अपने अभिनय करिअर पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। ऐसी खबरें थीं कि हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की जीवनी 'स्वातंर्त्य वीर सावरकर' की रिलीज का इंतजार कर रहे रणदीप हुड्डा अपने गृहनगर हरियाणा के रोहतक से भाजपा उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। अभिनेता ने बताया, 'राजनीति एक फिल्म निर्माता या अभिनेता जितना ही गंभीर करिअर है। मैं अपने अभिनय के प्रति बहुत अधिक ईमानदार रहा हूं। अगर मुझे राजनीति में शामिल होना पड़ा, तो मैं इसे पूर्णकालिक कार्य के रूप में अपनाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो एक ही समय में कई काम कर सकता है। फिलहाल, मेरे पास एक अभिनेता के रूप में करने के लिए कई फिल्में हैं और एक निर्देशक के रूप में मेरा नया करिअर है, जिसका मैंने आनंद लिया, हालांकि यह बहुत कठिन था।' 'हाईवे', 'सरबजीत' और 'सुल्तान' जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले हुडा ने कहा, 'यह इसमें (राजनीति में) कूदने और अपना फिल्मी करिअर छोड़ने का सही समय नहीं है क्योंकि आधे-अधूरे मन से मैंने कभी कोई काम नहीं किया। मुझे खालसा सहायता के रूप में 'सेवा' करना या समुद्र तटों की सफाई करना या अन्य पर्यावरणीय कारणों के लिए काम करना पसंद है। यह मेरे अंदर हमेशा से था, लेकिन आप भविष्य के बारे में कभी नहीं जानते।'फिल्म 'स्वातंर्त्य वीर सावरकर' को शुरुआत में महेश मांजरेकर द्वारा निर्देशित किया जाना था, जिन्होंने रचनात्मक मतभेदों का हवाला देते फिल्म छोड़ दी। अब इस फिल्म का निर्देशन, सह-लेखन हुड्डा द्वारा किया गया है, जिन्होंने फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभाई है।

विक्की कौशल ने बताया, कैसे आगे बढ़ी उनकी और कैटरीना की प्रेम कहानी

हाल ही में शाहरुख खान अभिनीत फिल्म डंकी में दिखाई देने वाले बॉलीवुड स्टार विक्की कौशल ने अपनी और पत्नी कैटरीना की प्रेम कहानी पर प्रकाश डाला। एक्टर ने शेयर किया कि दोनों के बीच रोमांस कैसे शुरू हुआ। कुछ सालों की डेटिंग के बाद दोनों ने दिसंबर 2021 में शादी की ली थी। विक्की हाल ही में स्ट्रीमिंग चैट शो नो फिल्टर नेहा के छठे सीजन में दिखाई दिए। एक्टर ने फैंस को अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बताया। एक्टर ने कहा, यह सिर्फ ऐसा था जैसे दो लोगों ने मुलाकात कर एक-दूसरे में एक कनेक्शन ढूंढा हो। हम मिलते रहे जैसे कि दोनों में कोई संबंध है। हम इसे अगले स्तर पर नहीं ले गए, हमें बस यही लगा कि ठीक है, यह बिना प्रयास के हो रहा है। यह बिल्कुल स्वाभाविक रूप से सही लग रहा था और ऐसा ही हुआ। नो फिल्टर नेहा सीजन 6, हर गुरुवार को जियो टीवी और जियो टीवी प्लस पर प्रसारित होता है।